विश्वका सर्वमहान और सर्वब्यापि प्रतिक

स्वस्तिक

: संग्रहक और लेखक :

हेमंतकुमार गजानन पाध्या

स्वस्तिकानंद

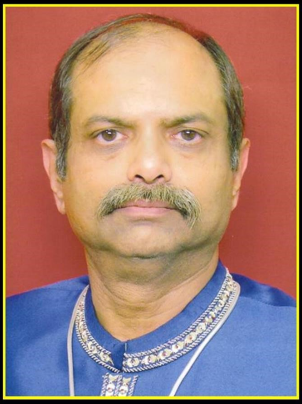

Usha PRAKASHAN

USHA PRAKASHAN

UNITED KINGDOM

sacredswastika@aol.co

विश्वका सर्वमहान और सर्वब्यापि प्रतिक

स्वस्तिक

FIRST EDITION

© Ushadevi Padhya

Available From : www.pothi.com

EBOOK

All rights reserved. No parts of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without the prior permission of the author.

विश्वका सर्वमहान और सर्वव्यापि प्रतिक

स्वस्तिक

: संग्रहक और लेखक :

हेमंतकुमार गजानन पाध्या

प्रस्तावना

द्वितीय विश्वयुद्धके पश्च्यात हालके युगमें स्वस्तिक प्रतिकको अयोग्य अनुचीत रुपसे हिटलर और नाझीके चिन्ह बतलाकर नई धृणात्मक पहचान बनानेकी एक अक्षम्य घोर भूल और चेष्ठा हो रही हैं। दुसरे विश्वयुद्धके युगमें ये सच है की जर्मनीमें हिटलर और नाझी पक्षने स्वस्तिक प्रतिकको अपने पक्षके चिन्हके रुपमें अंगीकार करके स्वस्तिक प्रतिकका दुरोपयोग किया था मगर वास्तवमें स्वस्तिक प्रतिक तो हजारों वर्ष पहले आदी या प्राचिन कालसे आर्य, वेदीक या सनातन धर्मका अत्यंत प्राचीन, पवित्र , आदरणीय, पुजनीय, पावन और विश्वका सर्व प्रथम प्रतिक रहा हैं जैसे ऊँकार सर्व प्रथम नाद रहा हैं। आर्य, वेदीक या सनातन धर्ममें स्वस्तिक को शुभ, मंगल, लाभ, कल्याण, दया, करुणा, शुद्धी,, शांति, शक्ति, भक्ति, मुक्ति और विश्वके निर्माणका मांगलिक प्रतिक भी माना जाता हैं। आर्यवर्तमें उत्पन्न होनेवाला ये आर्य प्रतिक स्वस्तिक सारे विश्वमें हजारों साल पहले से ही विश्वके हर धर्मों, जातीओं, संस्कृतिओं, परांपराओं कलाकारीगीरी, शिल्प ईत्यादीमें एक माननीय, आदरणिय, स्थान प्राप्त करके सर्वत्र प्रचलीत हो चुका था। ये एक महा विडंबना हैं कि हजारों साल से हर देश, धर्म और प्रजामें प्रतिष्ठीत प्रतिकको द्वितीय विश्वयुद्ध पर्यंत बिना जाने, सोचे और समझे पश्चिमके युद्ध पिडीत लोगों और देशोंने ने हीटलर और नाझीओंके कुकर्मों और अत्याचारोंके लीए स्वस्तिक प्रतिकको ही जिम्मेवार और द्रोही ठहराकर उसे धृणा, बर्बरता, द्वेष, क्रुरता,विद्वंश विनाशके चिन्हमें रुपांतरीत चित्रण करके स्वस्तिक प्रतिकको बदनाम और तिरस्कार करनेका बौधिक और शैक्षणीक शडयंत्र चलाया और एक सन्माननीय प्रतिष्ठा पात्र प्रतिकको कलंकीत करके अपमानीत करनेकी चेष्ठाका विश्वव्यापी अभियान दुषप्रचारके माध्यमसे आज भी चला रहे हैं । पश्चिमके कई देश स्वस्तिकके प्रतिकके उपयोग और सार्वजनिक प्रदर्शन पर वैश्विक प्रतिबंध लानेकी मांग करते रहे हैं। ऐसी विपरीत परिस्थितिमें आर्य, सनातन या वेदीक धर्म और उनके बौध,जैन और सीख संप्रदायोंने तथा पुर्वके देशोंके अन्य धर्मों जो स्वस्तिक प्रतिकका सन्मान करके पुजनीय मानते है ऊन्होंने स्वतिक पर प्रतिबंधका विरोध प्रदर्शीत करते रहे हैं और प्राचीन स्वस्तिक प्रतिकको पुनः मान, सन्मान,, प्रतिष्ठा, आदर, प्रतिभा और दर्जा प्रप्त करानेके लीए अथाग परिश्रम कर रहे हैं। विश्वके उन लाखों करोडों स्वस्तिक प्रेमी लोगोंके अथाग प्रयत्नों और प्रयासोंको समर्थन और स्वस्तिक प्रतिकका विरोध करने वालों, पश्चिमके अज्ञानी लोगोंको और विश्वके भ्रमित लोगोंको प्रशिक्षीत करनेके आशयसे ये पुस्तक इंग्लीश भाषामें हमने विश्व भरमें प्राचीन कालसे उपयोग होते रहे स्वस्तिक प्रतिकके चित्रोंके संग्रह स्वरुप पुस्तक प्रकाशीत करके सत्यको उजागर करनेका प्रयास किया था। भारतमें पाश्चात्य द्रष्टिसे प्रभावीत शिक्षण पद्धतिके प्रभावमें कई भारतीय युवा पेठी भी स्वस्तिक चिन्हके बारेमें भ्रमित और अज्ञानी हो चुकी हैं और वो भी स्वस्तिक प्रतिकको पश्चिमकी नयी परिभाषामे उलझ रहे हैं ऐसी ऊलझन भरी परिस्थितिको संवारने और उन्हें प्रशिक्षित करनेके लीए हम वो ही ईंग्लीश पुस्तकका हिन्दी संस्करण भारतकी नव युवा पेढीके लीए राष्ट्रीयभाषांमें प्रकाशीक करनेका प्रयासन किया हैं।हम अपेक्षा रखते हैं कि ये पुस्तक भारतीय नवयुवाओंको स्वस्तिक प्रतिकके सछे गअनवर्धन्में लाभदायी बने और हमारे धर्मके ये प्रतिकको पुनः प्रतिष्ठा प्राप्ति करानेके अभियानमें अपना योगदान अर्पण करनेके लीए प्रोत्साहित करें।

आर्य धर्मकी जय हो। आर्य प्रतिककी जय हो। स्वस्तिककी जय हो।

विश्वका सर्वमहान और विश्वव्यपि प्रतिक स्वस्तिक

- हेमंतकुमार गजानन पाध्या (यु.के.)

विश्वमें स्वस्तिक का प्रतिक ही एक ऐसा प्रतिक हैं जो अतिप्राचिन, पौराणिक, विश्वव्यापी, सर्वत्र और सर्वमान्य हैं । विश्वके हर खंडोमे स्वस्तिकके प्रतिकका अस्तित्व पौराणिक समयसे पाया गया हैं. मानव जातीका सर्वप्रथम प्रतिक स्वस्तिक दश हजार वर्षोसे भी पुराना हैं । पुरातन युगसे ही स्वस्तिकका प्रयोग हर संस्कृति, सभ्यता और धर्ममें होता आया हैं । विश्वकी हर मानवजातीने स्वस्तिक चिन्हको पुरातन कालसे ही एक आध्यात्मिक, शुभकारी, लाभकारी और पुण्यकारी प्रतिकके रूपमें उसे आदरणीय, सन्माननीय और पूजनीय माना हैं । स्वस्तिकका उपयोग एक शुभ प्रतिकके रूपमें हजारों वर्षोसें होता आया हैं । विश्वकी सर्वप्रथम मानव संस्कृति आर्यसंस्कृति है और आर्यधर्म या सनातनधर्मसे लेकर मायन, यहुदी, अमरीकाके रेद ईन्डियन्स, एझटेक, इन्का, मायन, पेगन, ताओ, शींतो, क्रिश्चियन, ड्रुईड, कोप्टेक, ईस्लाम जैसे अन्य धर्मों और विविध संस्कृतिओंने स्वस्तिक प्रतिकको अपनाके उनका प्रयोग धार्मिक चिन्ह, शुभकामना चिन्ह, सौभाग्यदायी, लाभकारक चिन्ह, रक्षाप्रतिक या तो कलात्मक चिन्हके रूपमें सारे जगतमें अपने धर्मस्थानों पर किया गया हैं। रोमन, ईजीप्शीयन और ग्रीक संस्कृतिओंमें भी स्वस्तिक प्रतिकका विशेष प्रभाव रहा हैं। आज भी विश्वके अधिकांश लोग स्वस्तिक प्रतिकको धार्मिक, भाग्यशाली, लाभदायी, सद्‌भावनाकारी, कल्याणकारी, मौक्षदायी, शुभ एवं मंगल प्रतिक मानते हैं और उनकी आदर, सन्मान और भक्तिभावसे पूजा, अर्चना, साधना और करते हैं ।
आर्यधर्म या वेदीकधर्मका स्वस्तिक प्रतिक ही एक ऐसा सर्व महान और प्रमुख प्रतिक हैं जीसको विश्वके हर धर्मों और संस्कृतिओंने सहृदय स्विकार किया हैं। स्वस्तिक प्रतिक विश्वका एक आकर्षक, अलौकीक, अदभूत. अद्वितीय और चमत्कारीक आकार हैं। स्वतिक प्रतिक अत्यंत सुंदरभव्य, , मनमोहक, नयनरम्य और मनोरम्य प्रतिक हैं। जीसे देखते ही सुख शांति, दिव्यता और परमानंदकी अनुभूति प्राप्त होती हई। आर्य या वेदीकधर्म और उन्के विभीन्न संप्रदायों और विचारधारांओंके अनुयायी स्वस्तिकको पावन, पवित्र,आध्यात्मिक और दैवी प्रतिक मानते हैं। आर्य संस्कृति, धर्म और तत्वज्ञानसे उदभवीत वेदीक, झोरोस्ट्रियन, हिंदु, बौध, जैन और शीख संप्रदायो स्वस्तिक प्रतिकको अपना धार्मिक चिन्ह मानते है और उनकी उपासना करते हैं। जापान, चीन, काम्पुचीया, कोरीया और अन्य पूर्वीय देशोके बौध धर्मीओंके अतीरिक्त स्थानिक धर्मों और सम्प्रदायोंमें भी स्वस्तिक प्रतिक का एक विशेष स्थान हैं और सभी लोग स्वस्तिकको शुभ एवम मंगल मानकर पूजा करते है और उसे मंदीर, पूजास्थान और अपने घरोपें अंकीत करते हैं। स्वस्तिक शब्दका मूल विश्वकी अति प्राचीन और अन्य भाषाओंकी जननी संस्कृतभाषाके पूर्वाचीन धर्मशास्त्रके वेदोंके श्लोकोंमें पाया जाता हैं। ऋगवेदके श्लोक '' स्वस्ति न इंद्रो वृद्धश्रवाः स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः। स्वस्ति नस्ताक्ष्यों अरिष्टनेमिः स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु।।'' में स्वस्ति शब्दका प्रयोग कल्याण और मंगल शब्दार्थके रुपमें किया गया हैं। स्वस्ति शब्द 'सु' उपसर्ग तथा 'अस्ति' अव्ययके संयोगसे (सु+अस्ति=स्वस्ति) उत्पन्न हुआ हैं। यहां 'सु' का शब्दार्थ घटन शुभ, कल्याण या मंगल होता हैं और 'अस्ति'का का शब्दार्थ घटन 'होना' होता हैं और संयुक्त शब्द स्वस्तिका अर्थ शुभहो, कल्याण हो या मंगल हो होता हैं । संस्कृतभाषाके महान व्याकरण शास्त्री पाणिनीके अनुसार 'स्वस्तिक' शब्दको व्याकरण कौमुदीमें अव्यय पदोंमें समावेश कीया गया हैं। स्वस्तिक शब्दकी उत्पत्ति 'सु' उपसर्ग, 'अस्ति' अव्यय तथा 'क' प्रत्ययके संयोजनसे होती हैं । 'क' प्रत्यय नामवाचक होनेसे 'स्वस्ति' क्रियायापदका 'स्वस्तिक' नाममें परिवर्तन हो जाता हैं मगर उनके शब्दार्थमें कॉई विशेष भेद नहि होता हैं । स्वस्तिकका अर्थ कल्याण मंगल या शुभ करनेवाला प्रतिक हो जाता हैं। वेदीकधर्म या हिंदु धर्ममें 'ॐ' स्वरकी भांती स्वस्तिक आकार, प्रतिक या चिन्हकी भी विशेष महत्ता और महत्व हैं। स्वस्तिक दैवी शक्ति और मनुष्यकी उनपर अपार आस्थाका माध्यम हैं ईसीलीए स्वस्तिकको त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश अवं त्रिदेवी सरस्वति, लक्ष्मी और पार्वती तथा शीवशक्ति और उनके पुत्र श्री गणेशके प्रतिक स्वरूपमें उसकी पूजा, साधना और आराधनाकी जाती हैं। जैसे श्री गणेशजीकी पूजा सर्व प्रथम करनेका शास्त्रोत्तक विधान हैं वैसे ही स्वस्तिक प्रतिक या चिन्हकी श्री गणेशके प्रतिकात्मक स्वरूप आर्यधर्म या हिंदुधर्ममें सर्व प्रथम पूजा करनेकी परंपरा हैं। स्वस्तिककी आराधना, साधना या पूजा धनवृद्धी, समृद्धि, ग्रुहशांति, रोगनिवारण, वस्तुदोश निवारण, भौतिक कामनाओंकी पूर्ति, मनोकामनाकी पूर्ति, आध्यत्मिक और भौतिक सुख और शांतिकी प्राप्ति और निर्वाण एवम मुक्तिकी प्राप्तिके लीए की जाती हैं। स्वस्तिकका प्रतिक दानवी या पैशाचीक शक्तिका प्रतिकार करके शाधक

को संरक्षण कवच प्रदान करता हैं और शत्रुओंका शमन करता हैं ईसीलीए हम अपने घरके आंगन और द्वार पर स्वस्तिक चिन्ह अंकित करते हैं। सच्चे और समर्पित भक्त या साधकको स्वस्तिक प्रतिक विघ्न, अकस्मात, विपत्ति, आपत्ति, भय, बाधा, अडचण, अवरोध, कष्टसे और अमंगल घटनांसे मूक्ति दिलाता हैं।

स्वस्तिक विश्वका एक ऐसा अलौकीक और अद्वितीय चिन्ह या आकार हैं जीसे विश्वके हर धर्मों नें और संस्कृतिओंने अपने धर्मस्थानों पर और कलाकृतिमें सर्वमान्य और सर्व सन्माननीय प्रतिकके रुपमें स्विकार किया हैं। दुसरे विश्वयुद्धके पहले पश्चीमके देशोंमें स्वस्तिक प्रतिकको आदर और सन्मान किया जाता था और उसे शुभेच्छा और शुभकामनाका प्रतिक मानके स्वस्तिक प्रतिकको क्रिस्टमस , जन्मदीन, नूतन वर्ष, लग्नदीन जैसे प्रसंगो पर दीये जाते अभिनंदन कार्ड पर और चर्चो और मकानों पर स्वस्तिक प्रतिकको अंकीत करनेकी सामान्य प्रथा अस्तित्वमें थी।उसके अतिरीक्त ''लकी चार्म''के रूपमें स्वस्तिक प्रतिक वाले गहने पहननेकी प्रथा सर्वसामन्य थी। स्वस्तिक प्रतिक विश्वका सर्वप्रथम सर्वोत्तम, धार्मिक और सर्वमाननीय प्रतिक होते हुऍ भी द्वितीय विश्वयुद्ध के पर्यंत ईस पवित्र, पावन और निष्कलंकित प्रतिकको कलंकित और दोशी ठहराया गया, स्वस्तिक प्रतिकका दोश सिर्फ यही था कि जर्मनीके सत्ताधारी शाशक माईनफ्युहर एडॉल्फ हिटलरने अपने शाशक नाझी पक्ष और अपनी सेनामें स्वस्तिक प्रतिकका प्रयोग किया था और ईस प्रतिककी छत्रछायामें उन्होंने यहुदी [ज्यु] और अन्य अल्पसंख्यक जीप्सी लोगों पर अमानवीय अत्याचार किये थे । ईस अत्याचारोंसे स्वस्तिकका कॉइ लेना देना या संबंध नही था । शुभ, शांति और सदाचारका परतंत्र बना ये प्रतिक स्वस्तिक स्वयं ही जर्मन अत्याचारी नाझीओके ध्वजो पर स्थान प्राप्तिसे अत्यंत व्यथित, पिडीत और त्रस्त होगा ! विश्वयुद्ध के पर्यंत विजयी अमेरीका, ब्रिटन, यहुदी जन्समुदाय और कुछ अन्य युरोपके देशोंने व्यवस्थित और सुनियोजीत रूपसे स्वस्तिक प्रतिकको ही जवाबदार और कलंकित ठहराकर स्वस्तिक प्रतिकके विरुद्ध धृणा, तिरस्कार फैलानेके लिऍ एक अयोग्य, अव्यवहारिक और अवाहियात अभियान छेड दिया था। हजारों सालोंसे पुरे विश्वमें माना और पूजा गया ये शुभ, लाभ और शांतिके दूत स्वस्तिक प्रतिकको उन्होंने एक भयंकर, अत्याचारी, घातकी, खुनी और अमानवीय प्रतिकमें प्रदर्शित करके लोगोंका मानस परिवर्तन करनेका महाभ्यान शुरू किया था। मानवता, दया, करूणा और अनुकंपाके स्वस्तिक प्रतिकको गलत मतप्रचार और शिक्षाके माध्यमसे एक भयंकर, दुष्ट, आतंकी, विनाशी, अत्याचारी और धृणात्मक प्रतिक ठहारानेके षड्यंत्रमें वो महद अंश सफल भी रहे । अमेरीकाने स्वस्तिक प्रतिकको सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शीत करने और उपयोग करने पर रोक लगादी. अमेरीकन प्रशाशनने धाक धमकी और प्रलोभनसे अमरीकाके स्थायी रेड ईंन्डियनों जो स्वस्तिकको शुभ मानते हैं उन्हें अपनी हस्तकला और कारीगीरीओंमें स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग बंध करने पर लाचार किया गया और जर्मनीको स्वस्तिकाके प्रतिक पर संपुर्ण प्रबंध लादने पर दबाव कीया गया था। जान्युआरी २००५में ब्रिटनके राजकुंवर हेरीने एक समारंभमें नाझी स्वस्तिकाका बाजुबंध पहनने के बाद सारे युरोपमें स्वस्तिका पर प्रतिबंध लादनेका प्रयत्न हुआ जो अंतमें असफल रहा था ! जब दो वर्षके बाद जान्युआरी २००७ में जर्मनीको युरोपीयन धारासभाका प्रमुख पद प्राप्त हुआ तो उन्होने फिर स्वस्तिक पर संपूर्ण प्रतिबंध लादनेके लीऍ तजवीज की जिसका खास करके युरोपके और विश्वके हिंदु और चीनी, जापान, कोरीया, थायलेन्ड जैसे पुवीय बौध धर्मीओंने, ताओ, कन्फ्युसीयस, फालुन डाफा, ड्रूइड और सीन्टो धर्मके धर्माचारीओंने और स्वस्तिक के चाहक युरोपके लोगोंने उसका सख्त विरोध किया था । यही प्रसंग मुझे हमारे परम पवित्र पावन और पूजनीय धार्मिक आर्य प्रतिकको बचानेके लीए और ये पौराणीक प्रतिकके सन्मानीय स्थान और उनकी गरीमाको उजागर करनेके लीए मेरे हृदयमें दिव्य भावनां उदभवित हुई । इसके फलस्वरूप मैंने युरोपमें स्वस्तिकके प्रतिबंध करानेकी ईस चालके विरोधमें अपना योगदान प्रदान करते हुए " हेन्ड्झ ओफ आवर सेक्रेड स्वस्तिका '' शिर्षीत स्वस्तिकके विषय पर एक विस्तृत लेख प्रकाशीत करके अपना जोरदार विरोध प्रगट करके दुसरोंको सख्त विरोध करनेकी प्रेरणा प्रदानकी ! ये लेख आईवार्ता.कोम,' सभा वार्ता' समाचारपत्र और विश्वके अन्य समाचरपत्रो और वेब्साईटों पर प्रकाशीत हुआ और उसे अत्यंत प्रशंशा और प्रतिसाद प्राप्त हुआ था। स्वस्तिकको विश्वमें पुनःसन्माननीय स्थान प्राप्त करवानेके लीए, स्वस्तिकके प्रति पश्चिमके देशोंमें फैलाई गई तिरास्कारात्मक भावनांए और दुशप्रचारको मिटानेके लीए और स्वस्तिक प्रतिककी प्रतिभा, भव्यता, दिव्यता और आध्यात्मिक्ताको पुनःस्थापित करानेके लीए आरंभ कीए हुए संघर्ष अभियानमें अपना उचित योगदान प्रदान करनेके लीए हर आर्यजनको और स्वस्तिक प्रेमीओंको हमेशा तत्पर रहना चाहीये और अन्य संस्थाओ जो स्वस्तिकको एक विश्वके अदभूत, मानवीय, आध्यात्मिक, प्रेम, बंधुत्व और शांतिके प्रतिकरूप मानती है ऐसी संस्थाएं स्वस्तिका क्लब ओफ अमेरिका, फलुन डाफा, प्रो-स्वस्तिका, रेलीयन मुवमेन्ट, रीक्लेईम स्वस्तिका और अन्य जैन और बौध संस्थाओंके संपर्कमें रहकर विचारोंका आदानप्रदान करना चाहीये और स्वस्तिककी प्रतिष्ठाको पुनःप्रस्थापित करनेके महा अभियानमें अपना

सहयोग और योगदान अर्पण करके अपने कर्तव्यका पालन करना चाहीये । पाश्चात्य देशोमें स्वस्तिक प्रतिकके मूलभूत सिद्धांतो का प्रचार और प्रसार करनेके लीए और उनके सत्य स्वरुपको उजागर करके जागृति लानेके लीए हर वर्ष "ईन्टर्नेशल स्वस्तिक रेहबिलीटेशन डे" याने "आंतरराष्ट्रीय स्वस्तिक पुनर्वास दिन" मनाया जाता हैं। स्वस्तिक प्रतिकके जन्मस्थान भारत देशमें भी स्वस्तिक प्रतिकके मतप्रचारके लीये , स्वस्तिक प्रतिकके प्रति फैले हुए भ्रमको दूर करनेके लीए और विश्वमें स्वस्तिकके संदर्भमें जनजागृति लानेके लीए ऐसे कार्यक्रमोंका निर्माण और आयोजन आवश्यक हैं।

२३मी ओगस्ट २०१५के भारतके समाचार पत्र 'नई दुनिया'में एक आवकारदायक शुभ समाचार प्रकाशीत किया गया था कि महाकालकी महानगरी उज्जैनमें आगंतुक वर्ष २०१६मे होनेवाले सिंहस्थ महाकुंभमें विश्वमें पहलीबार स्वस्तिक महायज्ञका आयोजन किया जा रहा हैं। जो उज्जैन नगरी और महाकुंभके ईतिहासमें अदभूत और अत्यंत महत्वपूर्ण प्रसंग होगा। ये शुभ समाचार विश्वमें बसनेवाले आर्य या हिंदुजनों एवं स्वस्तिकको सकारात्मक भावसे चाहनेवाले और उनकी साधना करनेवाले लोगोंके लीए ये अत्यंत आनंददायी समाचार हैं क्युंकी ये योजना स्वस्तिक प्रतिकको विश्वके सामने एक सकारात्मक रुपसे प्रदर्शित करके और पश्चिमके देशोंमे द्वितीय विश्वयुद्धके पर्यंत स्वस्तिकके प्रति फैलाई गई धृणा एवं नकारात्मक और भ्रामक भावनाओंको दूर करनेके अभियानमें लाभदायी और फलदायी होगा। समाचारोंके अनुसार संत परमहंस डो. अवधेशदासजी महाराजके नेतृत्वमें आंतरराष्ट्रीय मानव सेवाश्रम लोक न्यास एवं स्वस्तिक परिवार अवधेशधाम की ओर से स्वस्तिक महायज्ञ का आयोजन विश्वमें सुख, शांति और कल्याणकी प्राप्तिके शुभाशयसे किया जा रहा है। आयोजन स्थल पर स्वस्तिक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। दैनिक जीवन में उपयोगिता और स्वस्तिक की महिमा पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। हल्दी, केले, श्रीफल आदि विभिन्न वस्तुओं से स्वस्तिक बनाए जाएंगे। इसके अलावा स्वस्तिक महासम्मेलन का भी आयोजन होगा। इसके अलावा संत अवधेशपुरीजी के सानिध्य में श्रीराम कथा, भागवत कथा एवं शिव पुराण कथाका भी आयोजन होने वाला हैं । उज्जैन. मक्सीरोड स्थित अवधेश धामके संत अवधेशदास महाराज के नेतृत्वमें स्वस्तिक के उपयोग को सामान्य जनता तक पहुंचाने के महान आशयसे स्वस्तिक परिवार संगठनका भारतमें सर्वप्रथम निर्माण किया गया है। परमहंस डो. अवधेशदासजी महाराजने स्वस्तिक विषय पर "स्वस्तिक साधना रहस्य" और स्वस्तिकसे समस्याका समाधान" शिर्षकोंवाले दो पुस्तकें भी प्रकाशीत कर चुके हैं। सिंहस्थ महाकुंभमें विश्वमें पहलीबार स्वस्तिक महायज्ञका महासमारंभ और स्वस्तिकके प्रदर्शनका आयोजन उज्जैन नगरी, नगरजनों, मध्य प्रदेश राज्य और भारतके लीए अत्यंत गौरव और सौभाग्यकी बात हैं। ऐसे ऐतिहासिक शुभ अवसर पर जो भारत सरकार स्वस्तिक प्रतिकका एक संस्मरणीय टपाल टिकट (पोस्टल स्टेम्प) और स्वस्तिक प्रतिकवाले सिक्के और चलनी नोट प्रकाशीत करेगी तो विश्वके ये महान प्रतिक स्वस्तिकका और विश्वके करोडों लोगोंकी आस्थाको विश्वस्तर पर सुयोग्य सन्मान प्राप्त होगा !

श्री स्वस्तिककी जय हो ।
ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ।

The main purpose of the publication of this book is to educate deluded people about the ancient symbol of Swastika and to raise the awareness about it by illustrating the worldwide use of swastika in all cultures, races, religions and civilizations of our planet Earth.

ईस पुस्तकके प्रकाशनका मुख्य हेतु स्वस्तिक प्रतिकके बारेमें भ्रमित लोगोंको सुशिक्षित करनेका और पृथ्वि पर हर संस्कार, जाति, धर्म और संस्कृतिमें हजारों वर्षोंसे होते आये विश्वव्यापि उपयोगकी जानकारी प्रदर्शित करके जागृति फैलानेका हैं।

मानवताका सर्वमहान प्रतिक

स्वस्तिक

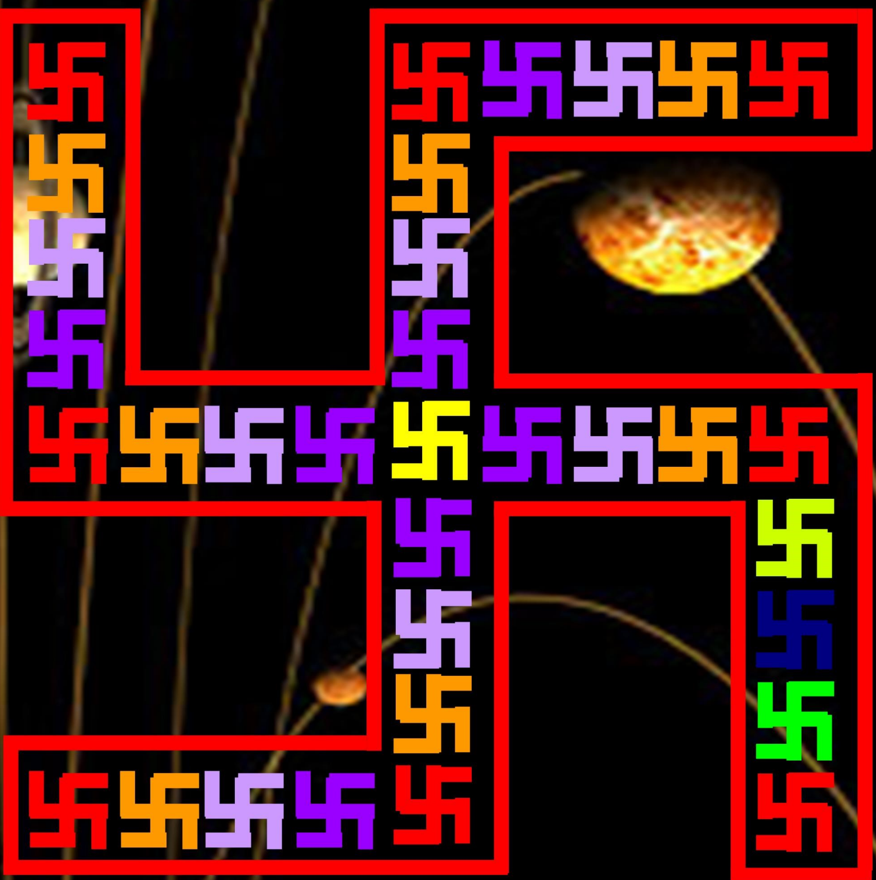

SWASTIKA

THE GREATEST SYMBOL OF HUMANITY

BY: HEMANT PADHYA

आर्यधर्म और संस्कृतिका पवित्र पावन और दैवी प्रतिक

स्वस्तिक

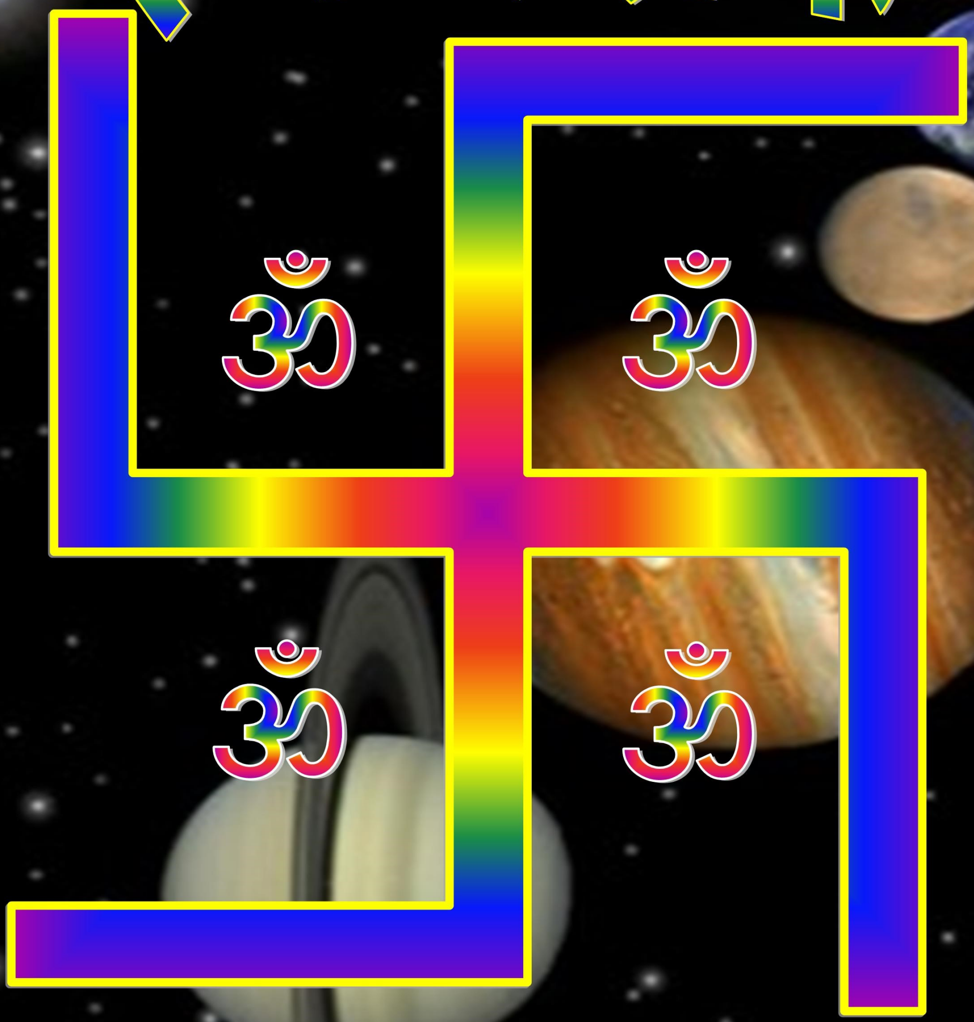

SWASTIKA

SACRED PURE & DIVINE SYMBOL OF ARYADHARMA & CIVILIZATION

BY: HEMANT PADHYA

स्वस्तिक क्या हैं?

[१] स्वस्तिक आर्य धर्म और संस्कृतिका सर्व श्रेष्ठ और सर्व महान प्रतिक हैं।

[२] स्वस्तिक विश्वका सर्व प्रथम सन्माननिय आदरणीय और पूजनीय प्रतिक हैं।

[३] स्वस्तिक पावन, पवित्र, आध्यत्मिक, चमत्कारीक, शुद्ध और दैवी प्रतिक हैं।

[४] स्वस्तिक धर्म, कर्म, भक्ति, शक्ति, मूक्ति और मौक्षका प्रतिक हैं।

[५] स्वस्तिक शुभ, मंगल, लाभ, सौभाग्य, सुख, कल्याण और परोपकारका प्रतिक हैं।

[६] स्वस्तिक शांति, सभ्यता, सुसंस्कार, सदभावना और समानता प्रतिक हैं।

[७] स्वस्तिक प्रेम,सेवा,करुणा,शुश्रूषा माया,ममता,अनुकंपा और सदाचारका प्रतिक हैं।

[८] स्वस्तिक सुंदर,सुशोभित,नयनरम्य, अदभूत,अतुल्य और अलौकिक प्रतिक हैं।

[९] स्वस्तिक आर्यधर्मकी प्रतिष्ठा,मान, मर्यादा, गरीमा और महानताका प्रतिक हैं।

[१०] स्वस्तिक प्रभुताका प्रथम और परम प्राकृतिक प्रतिक हैं।

[११] स्वस्तिक शिव,शक्ति,त्रिदेव,त्रिदेवी, गणेश और सुर्य का प्रतिकमय स्वरूप हैं।

[१२] स्वस्तिक मानव जातिका अणमोल, अद्वितीय और अजोड प्रतिक हैं।

[१३] स्वस्तिक ही विश्वका एक ऐसा अनोखा प्रतिक हैं जो विश्वके हर धर्मो, धर्मस्थानों, संस्कृतिओं, जातिओं और कला-कारीगीओंमे महत्वपूर्ण और सर्वमान्य स्थान प्राप्त करनेवाला प्रतिक हैं।

स्वस्तिक प्रतिक क्या हैं ?

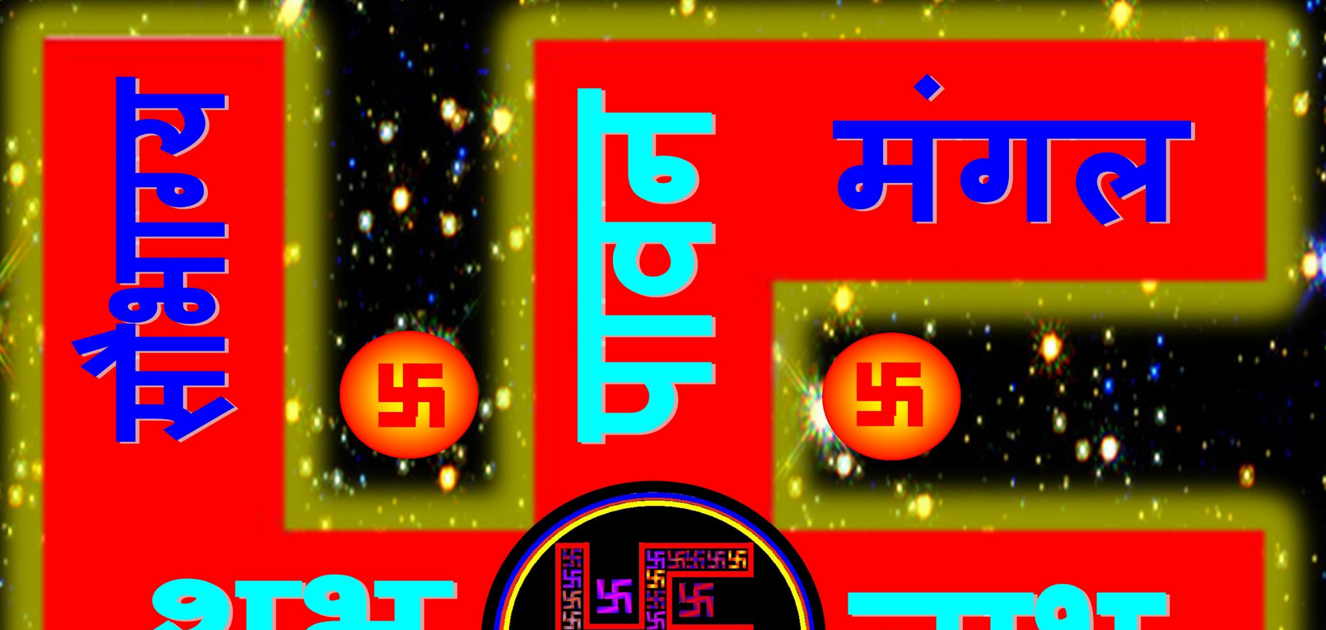

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

॥ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः॥

स्वस्तिक क्या हैं?
परोपकार
परमानंद
प्रभुता
ॐ
पुण्य
परमार्थ
BY: HEMANT PADHYA
श्री हेमंत ग. पाध्या
॥ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः॥

SWASTIKA 卐 स्वस्तिक प्रतिक विश्वव्यापि हैं । 卍 स्वस्तिक

Swastika is the universal symbol.

BY: HEMANT PADHYA

भारतमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN INDIA

सिंधु संस्कृतिके ४६५०-३४५० वर्ष प्राचिन स्वस्तिक चिन्ह, धोलावीरा , भारत

३००० वर्ष प्राचिन स्वस्तिक चिन्ह, सरस्वति संस्कृति, भारत

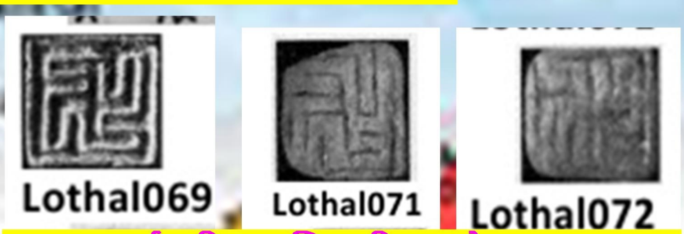

३७०० वर्ष प्राचिन स्वस्तिक चिन्ह, लोथल , गुजरात

प्राचिन सरवति और सिंधु संस्कृतिके स्वस्तिक प्रतिक, भारत

प्राचिन शिला-शिल्प, थिरुमलाई पर्वतमाला, शिवगंगा जिल्ला, तामिलनाडु

आदीवासी चित्रकला, भारत

आदीवासी भींत चित्रकलामें स्वस्तिक, भारत

२२०० वर्ष प्राचिन जैन गुफामें स्वस्तिक,खंडगीरी गुफा,

श्री हेमंत ग. पाध्या

www.Timesofindiatravel.com

भारतमें स्वस्तिक

२२०० वर्ष प्राचिन जैन गुफामें स्वस्तिक,उदयगीरी गुफा,   भारत

१९०० वर्ष प्राचिन कुषाण युगकी जैन आयगपत्ता,कंकाली तिला, मथुरा

स्तुपके मध्य वर्तुलाकारमें स्वस्तिक, नागार्जुनकोंडा , आंध्र प्रदेशभारत

२२०० वर्ष प्राचिन सुंग युगकी शिल्पकला, भर्हुत, मध्य प्रदेश

१४०० वर्ष प्राचिन चालुक्य युगके गुफा मंदीरमें स्वस्तिक,बदामी, कर्णाटक

१३०० वर्ष प्राचिन धामेक स्तुप, सारनाथ, भारत

श्री हेमंत म. पाध्या

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

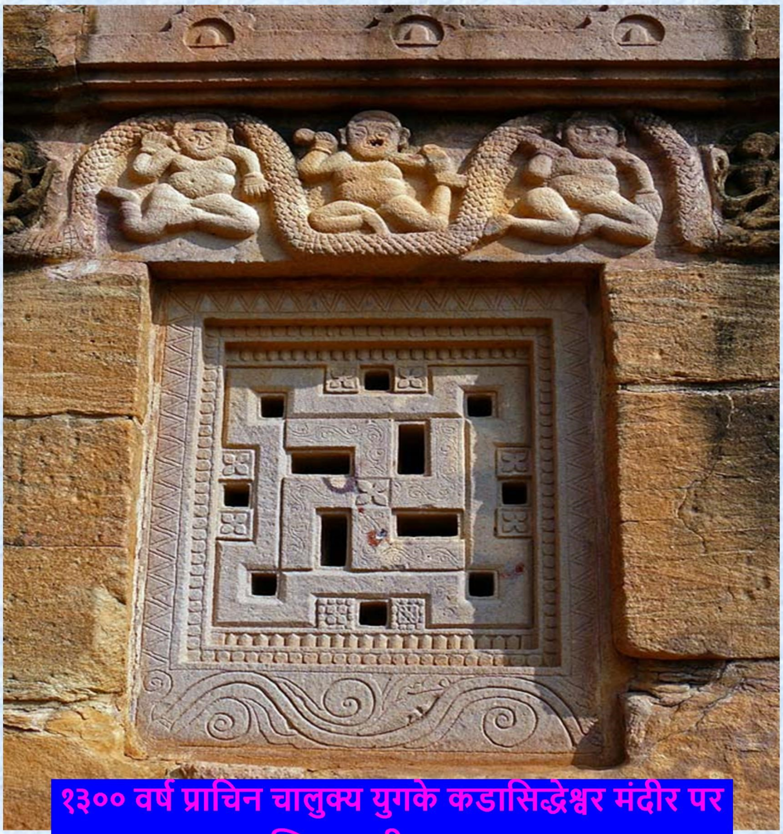

१३०० वर्ष प्राचिन चालुक्य युगके कडासिद्धेश्वर मंदीर पर स्वस्तिक बारी ,पट्टडाकल,

स्वस्तिक बारी, ऐनहोल, कर्नाटक

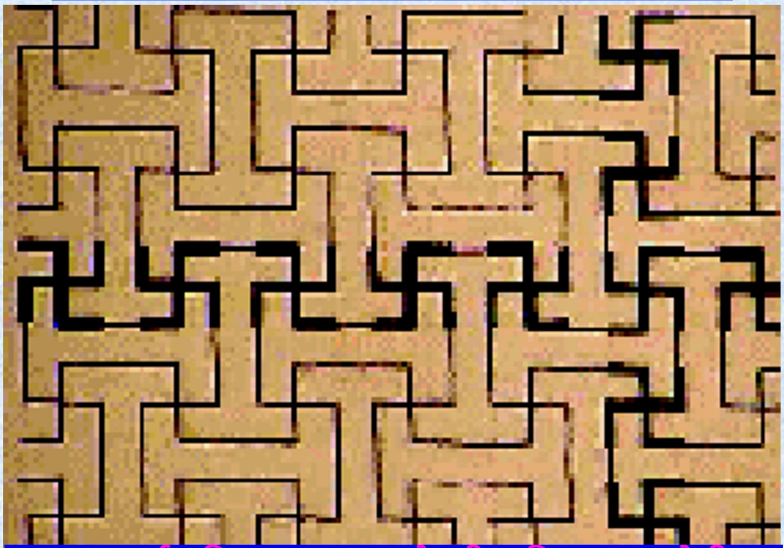

६००० वर्ष राचिन चब्बर- नालाके शीला चित्र, चम्बल वेली, मध्य प्रदेश

अंबिका समुहनी जैन विहार गुफामें शीलालेखके प्रारंभमें स्वस्तिक, मनमाड हिल, जुन्नार, महाराष्ट्र

49: M-482 A col (350%)

भारतमें स्वस्तिक

१५०० वर्ष प्राचिन नालंदा विश्वविद्यलय और मंदीरके अवषेश,नालंदा,बिहार

२३०० वर्ष प्राचिन श्रवणबेलगोला की जैन गुफामें स्वस्तिक शिल्प, श्रवणबेलगोला, कर्णाटक

स्वस्तिक विहार, सिरपुर छत्तीसगढ

भारतमें मंदीरों पर स्वस्तिक प्रतिक, भारत

श्री हेमंत व. पाध्या

भारतमें स्वस्तिक

भारतमें मंदीरों पर स्वस्तिक प्रतिक, भारत

१७०७में बने श्री गुरु राम रायजी महाराज
सिख गुरुद्वारा, देहरादुन

श्री हेमंत म. पाध्या

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत म. पाध्या

श्री पुंडरीकाक्ष पेरुमल मंदीरके पास स्वस्तिक कुंड, थिरुवेल्लराई, तामिलनाडु

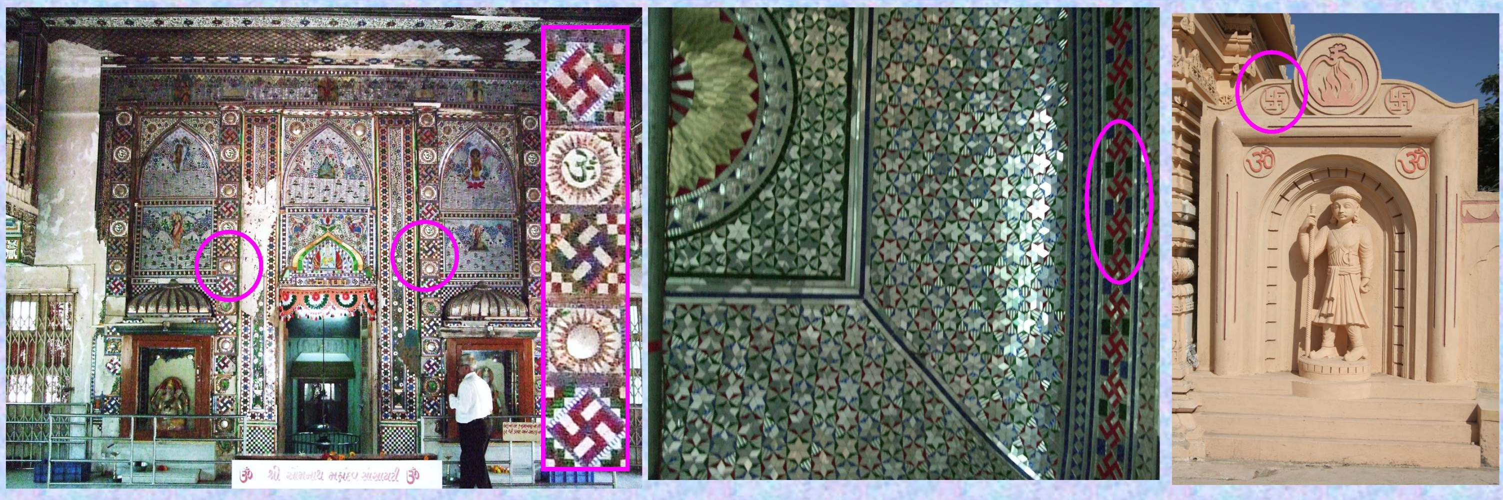

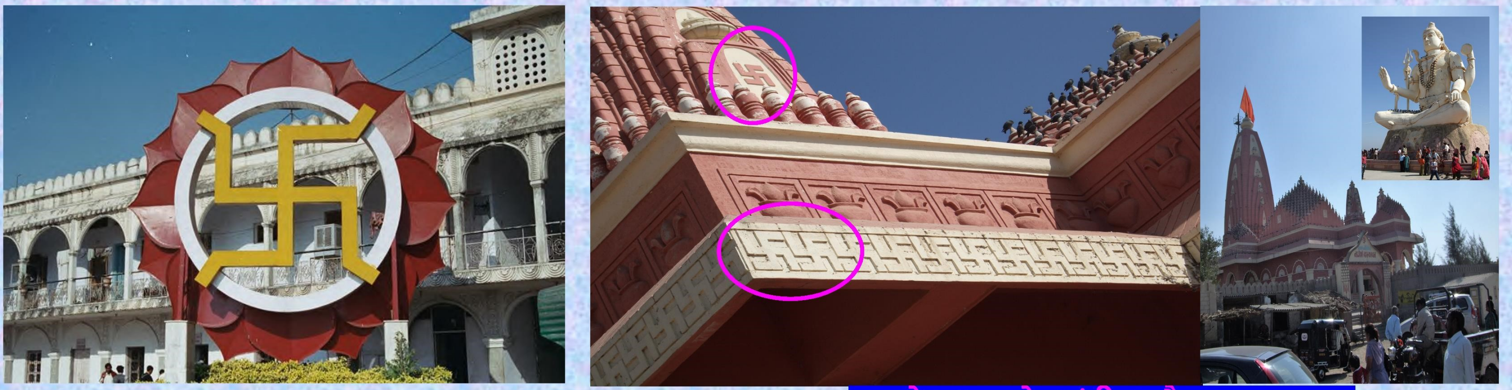

नागेश्वर महादेव मंदीर, सौराष्ट्र, गुजरात

दिपावलिकी रोशनीमें स्वस्तिक प्रतिकसे हर वर्ष झगमगाता हुआ लक्ष्मी मिष्ठान भंडार- होटेल, जयपुर, राजस्थान

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

गंगा किनारे जैन घाट पर स्वस्तिक प्रतिक, काशी, भारत

स्मशान घाट पर स्वस्तिकके साथ विदेशी महिला, भारत

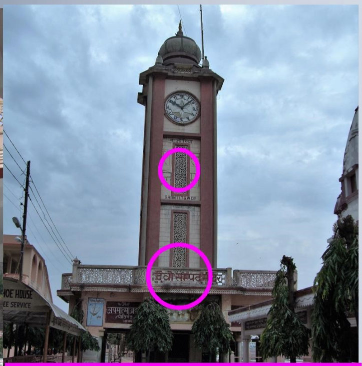

गंगा किनारे स्वस्तिक प्रतिक, ऋषिकेश, भारत

घर पर स्वस्तिक प्रतिक, रतलाम

हर घरों पर स्वस्तिक प्रतिक ,

शारदा पीठ पर स्वस्तिक, द्वारका

महारानी स्कूल, गोंडळ, गुजरात

भींत पर स्वस्तिक प्रतिक, भारत

सायन्स कोलेज पुस्तकालय, सूरत

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत म. पाध्या

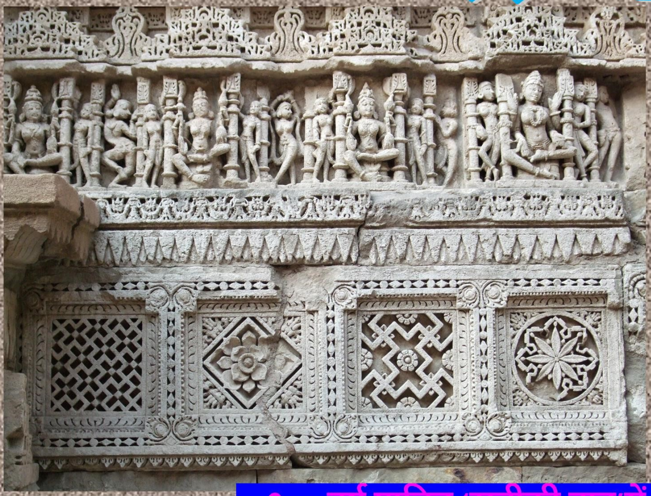

९०० वर्ष प्राचिन ‘रानीकी वाव’में स्वस्तिक प्रतिककी शिल्पकला, पाटण, गुजरात

१००० वर्ष प्राचिन रुद्रमहालय मंदीरमें स्वस्तिक प्रतिककी शिल्पकला, सिद्धपुर, गुजरात

जयपुर्के राजभवनमें स्वस्तिक प्रतिककी शिल्पकला, जयपुर, राजस्थान

लाल किल्लामें स्वस्तिक,दिल्ही

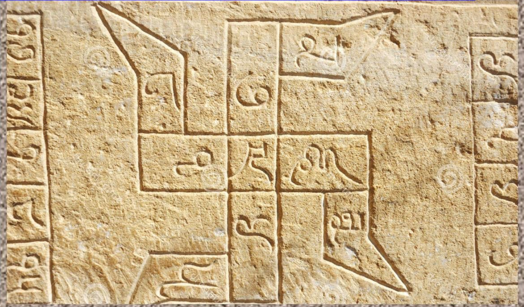

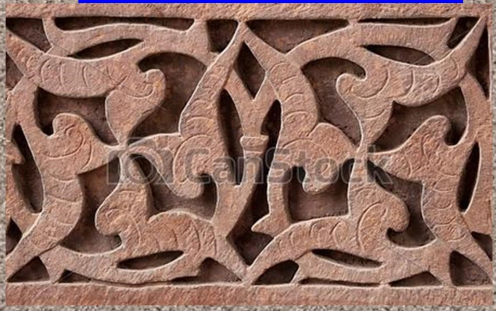

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

चोटिवाला रेस्टोरान्ट, ऋषिकेश,

घरकें छत पर स्वस्तिक, अमदावाद, गुजरात

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

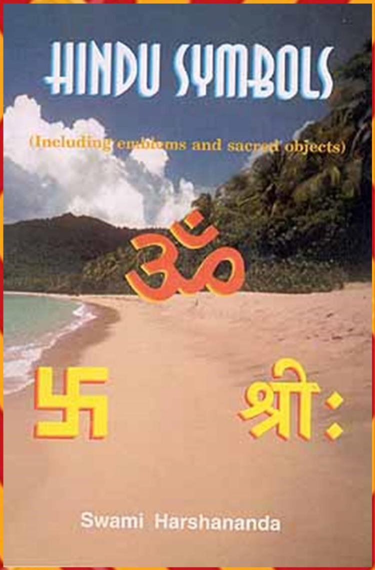

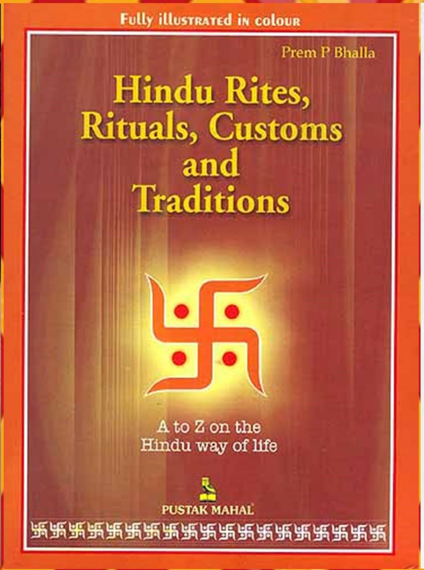

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत म. पाध्या

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

प्राचिन भारतके सिक्के

भारतमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

उज्जैन साम्राज्यके २२०० वर्ष प्राचिन सिक्के,ऊज्जैन

शुंग साम्राज्यके २१५० वर्ष प्राचिन सिक्के,मगध

मघ साम्राज्यके २२०० वर्ष प्राचिन सिक्के, कौशम्बि

कुनिंद साम्राज्यके २२०० वर्ष प्राचिन सिक्के, ऊत्तराखंड और हिमाचल क्षेत्र

जोधपुर राज्यके एक रुपियेके सिक्के. १९२९-३०

उज्जैन

भारतमें स्वस्तिक

गांधीजी और स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

महात्मा गांधीके पार्थिव शरीर पर अंकित स्वस्तिक प्रतिक

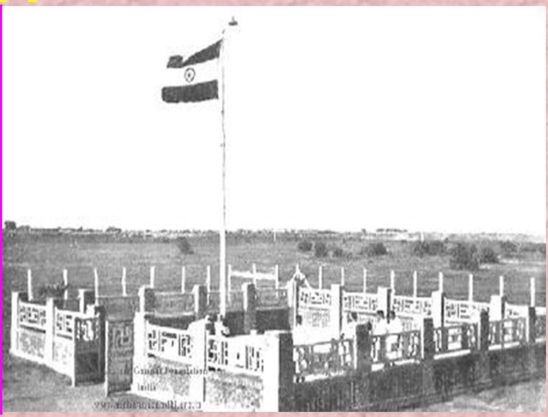

महात्मा गांधीके चितादहन स्मारक स्थानकी बाड और दरवाजे पर स्वस्तिक

महात्मा गांधीकी समाधि, दिल्ही

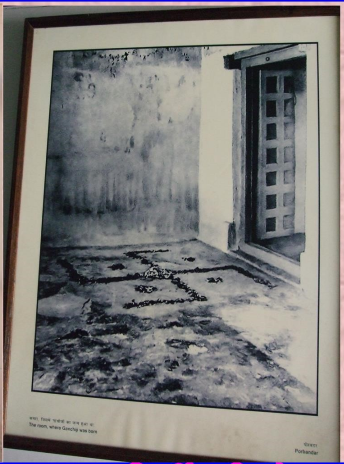

महात्मा गांधीके जन्म स्मारक किर्ती मंदीर के द्वार और जन्म स्थल पर स्वस्तिक प्रतिक, पोरबंदर, गुजरात

किर्ती मंदीरकी खिडकी

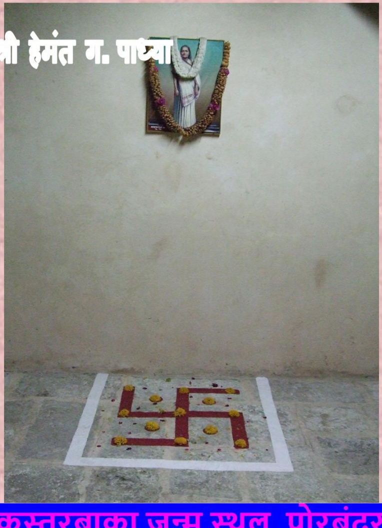

कस्तुरबाका जन्म स्थल, पोरबंदर

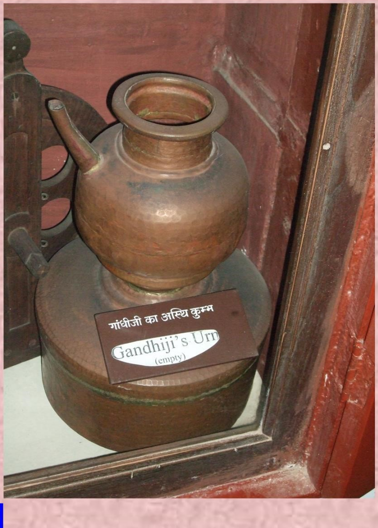

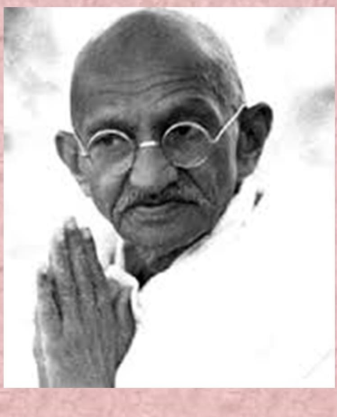

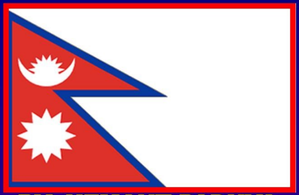

नेपालमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN NEPAL

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

नेपालके पर्वत स्थित मंदीरपे स्वस्तिक प्रतिक

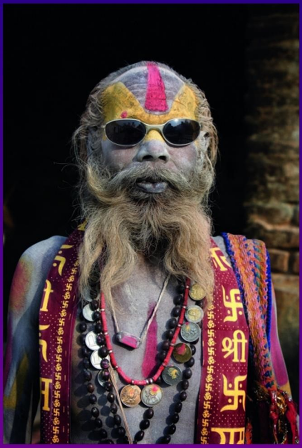

स्वस्तिक अंगरखामें साधु

खटमंडूके मंदीर पर स्वस्तिक

यज्ञकुंडके पास स्वस्तिक रंगोली, नेपाल

उद्यानमें स्वस्तिक प्रतिककी कलाकृति, नेपाल

विजयादशमी त्योहार उत्सव पर स्वस्तिक
कलश शोभायात्रा, कठमंडू, नेपाल

नेपाली ईमिग्रेशनका
स्वस्तिक स्टेम्प

भीमसेन मंदीरकी बाड़ पर स्वस्तिक और यंत्र (ज्यु
लोगोंका स्टार ओफ डेवीड) प्रतिक साथमें , नेपाल

तिबेटमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN TIBET

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

३००० वर्ष प्राचिन शिला चित्रकलामें स्वस्तिक प्रतिकके साथ सूर्य और चन्द्र, तिबेट

बुद्धके पूर्व तिबेटकी प्राचिन शिला-चित्रकलामें बोन धर्मका ये स्वस्तिक प्रतिक सामान्य रूपसे प्रचलित था।

१३वीं सदी पूर्वके बोन ड्झोकचेन आश्रमकी दिवालों पर स्वस्तिक, अनंत गांठ और शंख प्रतिकका उपयोग सामान्य रूपसे प्रचलित था।

बुद्धके पहेले बोन स्मारक पर स्वस्तिक प्रतिक और बोन चारी चत्रीका चिन्ह, तिबेट

बुद्धके प्रारंभिक कालके शिलाचित्रमें स्वस्तिक और स्तुपका रेखांकन

प्राचिन गुफाके शिलाचित्रमें स्वस्तिक और साबर, तिबेट

पहलेके और अभीमे दलाई लामा की बैठकके सामने हंमेशा धर्मप्रतिक स्वस्तिक विराजमान रहता हैं। , तिबेट

तिबेटमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

बौध धर्मनां धर्मिक चिन्ह

रेशमी कपडे पर स्वस्तिकका और विश्ववज्र जरीकाम

तिबेटकी औरतोंकी शाल पर स्वस्तिक

याकके पट्टे और जीन पर स्वस्तिक प्रतिक, तिबेट

मोटर्बाईक रीक्षा पर स्वस्तिक प्रतिक, तिबेट

१५००० वर्ष पूराने चींगा च्योराईट्स मेंसे बनाई हुई १०००वर्ष प्राचिन मूर्ती पर स्वस्तिक प्रतिक, तिबेट

दलाई लामाके सिंहासनके पास लटकाये जाते कपडे पर स्वस्तिक और विश्ववज्र, तिबेट

मणी मंत्रके यंत्र पर स्वस्तिक

डझी ग्झी मण्केकी माला , तिबेट

तिबेटमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

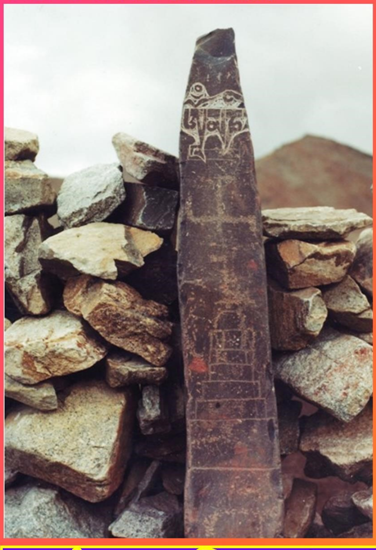

पर्वत पर स्वस्तिक स्तंभ, तिबेट

घरके द्वार पर शुभ और सर्वमंगल स्वस्तिक प्रतिक

घरकी दिवार पर शुभ स्वस्तिक प्रतिक, ल्हासा

तिबेटके बोन धर्मका मंडल

तिबेटके बोन धर्मका प्रतिक योंग ड्रंग (स्वस्तिक)

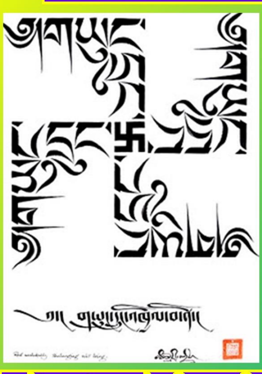

योंग ड्रंग कोलीग्राफी

योंगड्रंग

तिबेटके बोनपो धर्मका धर्मध्वज

बोनपो भाषाका अक्षर योंग ड्रंग

घोडागाडीके ध्वज पर स्वस्तिक

भूतानमें स्वतिक

SWASTIKA IN BHUTAN

वांग्डुचोएलींग पेलेसमें स्वस्तिक, जाकार, भूतान

वांग्डीफोदड्रेंग गांवके गृहद्वार पर स्वस्तिक, भूतान

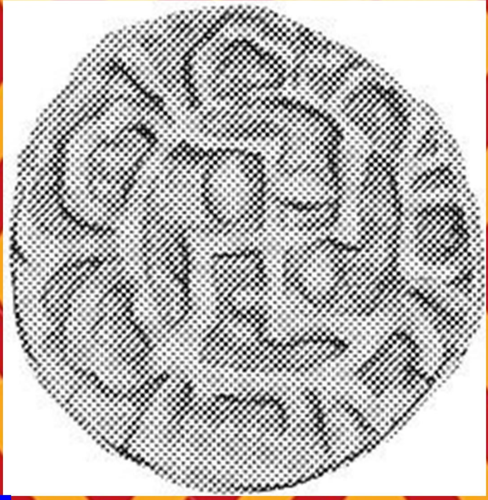

प्राचिन सिक्के, भूतान (सन १८८५-१९१०)

स्वस्तिक एम्ब्रोईडरी, भूतान

श्री हेमंत ग. पाध्या

श्री लंकामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN SRI LANKA

हिंदु मंदीर, गेल्ले, श्री लंका

स्मृति स्मारक-१९२७, श्री लंका

स्मृति स्मारक पर ,दो प्रकारके स्वस्तिक, श्री लंका

१९०० वर्ष प्राचिन सिक्का, लक्ष्मी और स्वस्तिक, श्री लन्का

२२०० वर्ष प्राचिन सिक्का, लक्ष्मी और स्वस्तिक, श्री लन्का

सिक्कों पर स्वस्तिक,अकुरुगोडा श्री लंका

श्री लंकाकी राष्ट्रीय बेंककी ५०वीं सालगीरी पर स्मृति मुद्रा

श्री हेमंत म. पाध्या

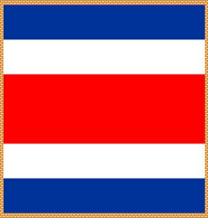

थाईलेन्डमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN THAILAND

श्री हेमंत ग. पाध्या

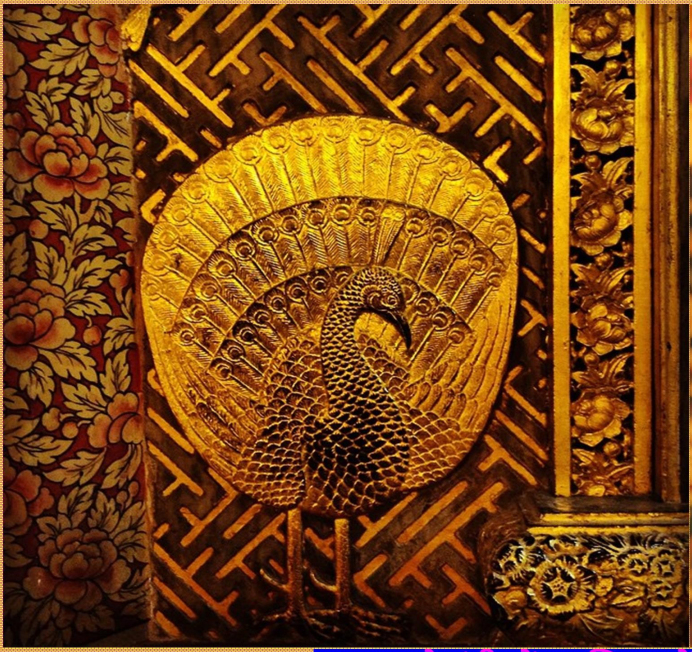

वट पहो मंदीरमें स्वस्तिक, बेंग्कोंग, थाईलेन्ड

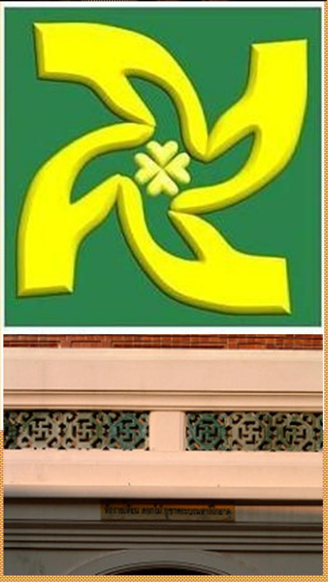

सिंगापोरमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN SINGAPORE

चीनके ताओ धर्मके अनुयायीके उत्सवके
मंडपके बीचमें स्वस्तिक प्रतिक, सिंगापोर

रेड स्वस्तिका स्कुलके उपर स्वस्तिक प्रतिक,
नोर्थ अवेनुन्यु , सिंगापोर-३

बौध संस्थाकी पाठशालामें स्वस्तिक आकारका
तालाब, सिंगापोर

बौध मंदीरके सिंह द्वारपाल
स्वस्तिक प्रतिकके साथ

ॐ मनी मंत्र और
स्वस्तिक प्रतिक

तामिल लोगोंका थैपुशम त्योहार सिंगापोर

स्वस्तिक डिअाईनके गहने , सिंगापोर

श्री हेमंत म. पाध्या

बालीमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN BALI

तोले पूरा सरस्वति मंदीर पर स्वस्तिक प्रतिक, उबुड, बाली, ईन्डोनेसिया,

प्राचिन स्वस्तिक, बाली,

पूरा सेगारे मंदीरके द्वार पर स्वस्तिक,लोवीना बीच,बाली,

द्वार पर स्वस्तिक,बाली,

स्वस्तिक जीवनचक्र, बाली,

पूरा गोआ लवाह मंदीरमें ब्राह्मणका स्वस्तिकके सामने पूजा, बाली,

प्राचिन मंदीर पर स्वस्तिक, बाली,

श्री गणेश- स्वस्तिक, सोनुर,बाली,

स्वस्तिक सिंहासन, उबुड,बाली,

श्री हेमंत न. पाण्ड्या

ईन्डोनेसियामें स्वस्तिक

दिवार पर स्वस्तिक, प्रतिक, ऊबुड, बाली

पूरा गोआ लवाह मंदीर पर स्वस्तिक, बाली, ईन्डोनेसिया

बालीकी हिंदु स्त्रीयां, ईन्डोनेसिया

पपुआके स्थानिक लोग, वेस्ट पपुआ टापु, ईन्डोनेसिया

समाधि पर स्वस्तिक प्रतिक , बाली और जावा, ईन्डोनेसिया

श्री हेमंत ग. पाध्या

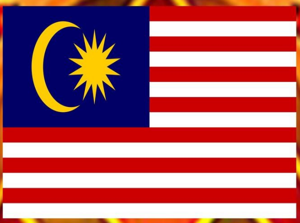

मलेसियामैं स्वस्तिक
SWASTIKA IN MALAYSIA

केक लोके सी १००० बुद्ध मंदीर, पेनांग, मलेसिया

ध वर्ड रेड स्वस्तिक सोसातेटी, पेनांग, मलेसिया

पुउ जीह शीह मंदीर

साम पोह टोन्ग चाइनीश बुद्ध मंदीर, ईपोह, मलेसिया

साम पोह टोन्ग , ईपोह, मलेसिया

पुउ जीह शीह मंदीर ब्गीचा,सन्दाकन, मलेसिया

बुद्ध मंदीरका द्वार, बोर्नियो

श्री हेमंत म. पाध्या

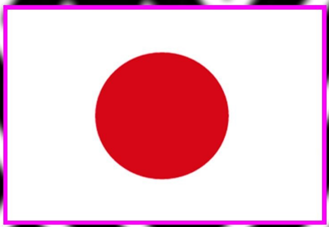

जापानमैं स्वस्तिक
SWASTIKA IN JAPAN

श्री हेमंत ग. पाड्या

सेन्सोजी असाकुसा कन्नोन मंदीरमें स्वस्तिक प्रतिक , टोक्यो,जापान

बौद्ध मंदीर्के प्रांगणके बागमें तीन स्वस्तक आकारके उगाये गये कलात्मक पौधे , जापान

जापानके सामुराई योद्धा स्वस्तिक प्रतिक पहने हुए, जापान

स्वस्तिक या मांजी जापानके सामुराई योद्धाका प्रमुख प्रतिक है । वो उनके लीए करूणा, बुद्धिमता और बलका प्रतिक हैं ।

जापानमैं स्वस्तिक

जापानके सामुराई योद्धाकी तलवार पर स्वस्तिक प्रतिक, जापान

सामुराई योद्धाका शीरकवच

बौध मंदीर और शिंटो देवस्थान , जापान

छोटा शिंटो देवस्थान

मंदीरोंमें जलाई जाती अगररबत्ती पर स्वस्तिक

मंदीरोंमें लगाये जाती कंदील पर स्वस्तिक

जापानका प्रसिद्ध "रेड चोचीन लेन्टर्न" पर स्वस्तिक , कामिनारी मोन, टोक्यो, जापान

कियोटोकी दुकान पर स्वस्तिक प्रतिकवाले लेन्टर्न

BY: HEMANT PADHYA

वियेटनाममें स्वस्तिक
SWASTIKA IN VIETNAM

मंदीरके शिखर पर स्वस्तिक,विन्ह लोंग, वियेटनाम

केओ डेई मंदीर, गो डाओ,

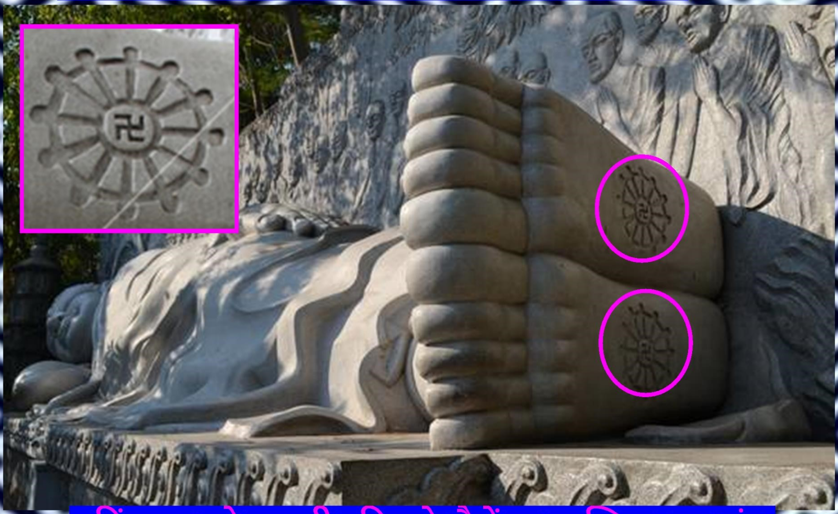

निंद्रावस्थामे बुद्धकी प्रतिमाके पैरों पर स्वस्तिक, न्हा त्रांग

मंदीरकी दिवार पर स्वस्तिक, वियेटनाम

बौध मृतकोंकी समाधि पर स्वस्तिक प्रतिक, वियेटनाम

श्री हेमंत न. पाध्या

वियेटनाममें स्वस्तिक

बगीचेमें पानीके मध्यमें स्वस्तिक प्रतिक, हेनोई, वियेटनाम

बौध मंदीर पर स्वस्तिक प्रतिक, ह्यु, वियेटनाम

बौध मठ पर स्वस्तिक प्रतिक, डा लाट, वियेटनाम

केओ डेई, वियेटनाम

बौध मृतकोंकी समाधि पर स्वस्तिक प्रतिक, वियेटनाम

बौध मंदीर पर स्वस्तिक प्रतिक,

वियेटनामके सिक्के पर स्वस्तिक १८४८-१८८३

श्री हेमंत म. पाध्या

लाओसमें स्वस्तिका
SWASTIKA IN LAOS

'ध वर्लड पीस गोंग' पर स्वस्तिकका चिन्ह, वियेन्टेईन, लाओस

बौध पगोडा पर स्वस्तिकका चिन्ह,लाओस

बौध वाट पर स्वस्तिकका चिन्ह, ल्युआंग प्रबांग, लाओस

श्री हेमंत ग. पाध्या

ताईवानमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN TAIWAN

काओहसियुंग बौध मंदीर पर स्वस्तिक,ताईवान

काओहसियुंगके मकान पर स्वस्तिक,ताईवान

अनाधिकृत बेबेंक नोट पर स्वस्तिक,तेईबेई ताईवान

बौध मंदीर पर स्वस्तिक,ताईवान

शाकाहारी चिन्ह

ताईवानकी ''रोयल डोल''' पर स्वस्तिक

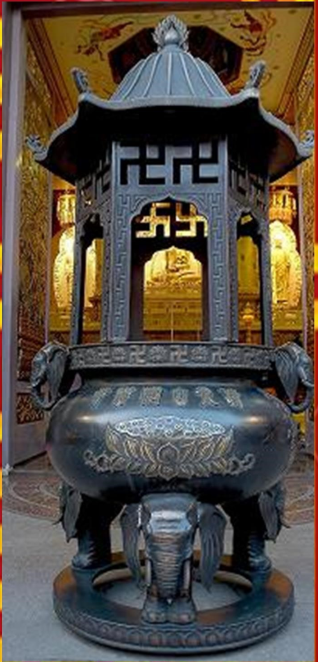

ताओ धर्मके मंदीरमें स्वस्तिक. तेईपेई,ताईवान

श्री हेमंत ग. पाण्ड्या

ताईवानमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

फालुन गोंग धर्म समुदायका चिन्ह जीसे ६३०० अनुयायीओंने बनाया था,तेईपेई

पार्कमें स्वस्तिक प्रतिक, किलुंग, ताईवान

किलुंग, ताईवान

स्वस्तिक. तेईपेई,ताईवान

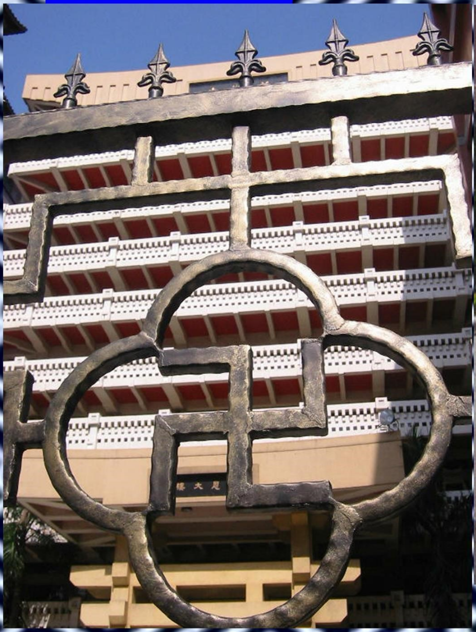

स्वस्तिक. तेईपेई,ताईवान

श्री हेमंत व. पाध्या

कोरियामें स्वस्तिक
SWASTIKA IN KOREA

पुल्गुक-सा मंदीर के प्रांगणमें अतिथि गृह,सियोल, दक्षिण कोरिया

सियोलमें मंदीर, दक्षिण कोरिया

बौध मंदीरों पर स्वस्तिक, दक्षिण कोरिया

मन्बुल्सा मंदीरमें बुद्धकी उंगलीओं पर मान्जा (स्वस्तिक), योंगचियोंग

सोंग्रीसान नेशनल पार्कमें स्वस्तिक पुल, कोरिया

स्वस्तिकके लेन्टर्न्स, दक्षिण कोरिया

श्री हेमंत म. पाध्या

कोरियामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

घरकी दिवार पर छीपकौडिसे बनाया गया स्वस्तिक, कोरिया

सभामें स्वस्तिक उपावरण पहने हए लोग, कोरिया

स्मारक पर स्वस्तिक प्रतिक , कोरिया

बुद्ध-स्वस्तिक लेन्टर्न,कोरिया

१००० वर्ष उराआर्ण कोरियाकी गोर्यो साम्राजयके सिक्के पर स्वस्तिक

हेडोंग योंगकुंग मंदीरमें स्वस्तिक प्रतिक, बुसान, दक्षिण कोरिया

श्री हेमंत ग. पाध्या

ओस्ट्रेलियामें स्वस्तिक
SWASTIKA IN AUSTRALIA

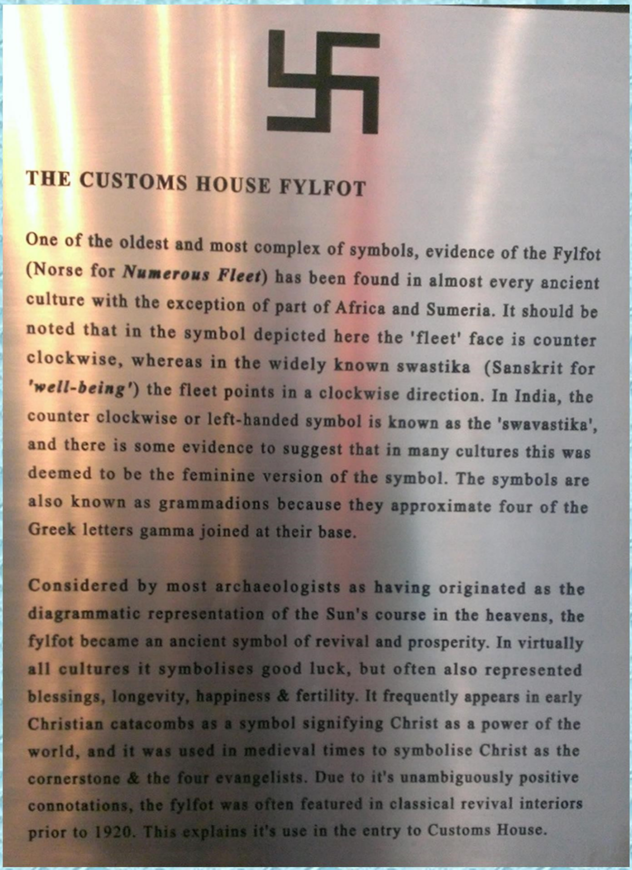

१८४५ में बनाया गया सिड्नी कस्टम हाऊसमें स्वस्तिक, ३१, अल्फ्रेड स्ट्रीट, सिड्नी -२०००

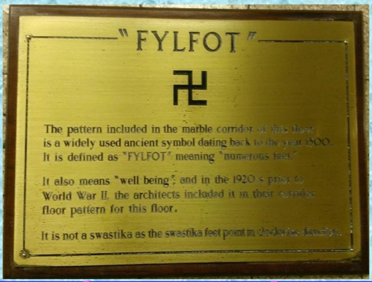

१९३२में बना ध डायमोक्ष ब्युल्डींगमें स्वतिक, ४२८, सेन्ट ज्योर्ज स्ट्रीट,सिड्नी

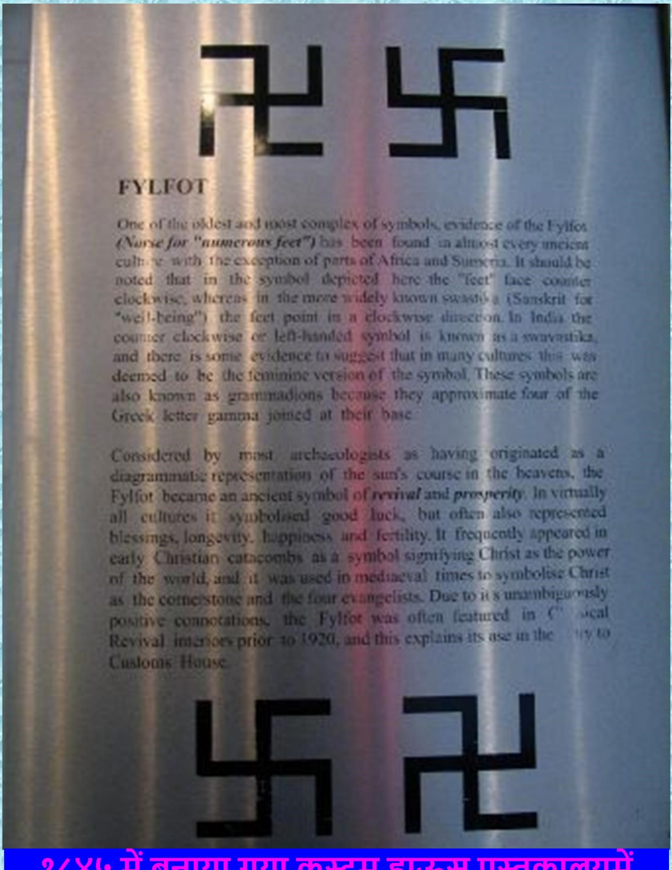

१८४५ में बनाया गया कस्टम हाऊस पुस्तकालयमें स्वस्तिक, ३१, अल्फ्रेड स्ट्रीट, सिड्नी -२०००

कोमन वेल्थ बेन्कमें स्वतिक, सिड्नी -२०००

पत्थर पर स्वस्तिक प्रतिक, केन्बेर्रा,

स्वस्तिक योट सैलींग, सीड्नी, ओस्ट्रोलिया, सन १९२९

श्री हेमंत ग. पाध्या

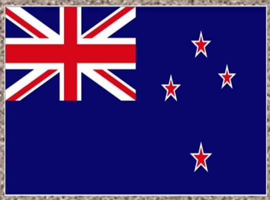

न्यु झीलेन्डमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN NEW ZEALAND

क्राईस्टचर्च केथेड्रलमें दिवार पर स्वस्तिक प्रतिक, क्राईस्टचर्च, न्यु झिलेन्ड

क्राईस्टचर्च केथेड्रलमें दिवार पर स्वस्तिक प्रतिक, क्राईस्टचर्च, न्यु झिलेन्ड (१८९४)

फिफा वर्ल्ड कप न्यु झिलेन्ड
२०१५ लोगो पर स्वस्तिक

न्यु झिलेन्डके प्रस्तावित नया ध्वजको नाझी बताकर विरोध व्यक्त करते एम.पी. डेनीस ओ'रौउर्के

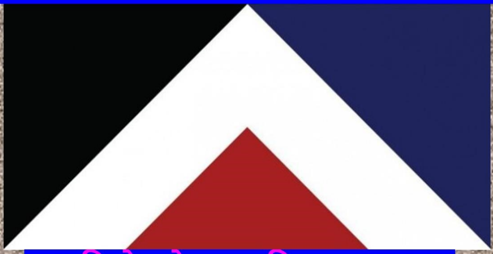

न्यु झिलेन्डके प्रस्तावित नया ध्वज

माउन्ट रोस्किलमें रहनेवाले श्री अम्बरीश गुप्ताके छत पर शुभ स्वस्तिक, न्यु झिलेन्ड

श्री हेमंत म. पाध्या

चीनमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN CHINA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

मिजीयाओ संस्कृतिका ४६०० से ४३०० वर्ष पुराना मिट्टीके घडे पर स्वस्तिकका प्रतिक

सन ८००के टोचेरीयन समय का शीररक्षक पर स्वस्तिक और ममी, चिन

प्राचिन रेशमी कपडे पर स्वस्तिकका प्रतिक , मोगाओ ग्रोट्टोझ, डुंगह्युएंग, चीन

चीनके नाटक कलाकार स्वस्तिक छापके पोषाकमें

चायनीस टोकरी पर स्वस्तिक

प्राचिन सिक्का पर स्वस्तिक , चीन

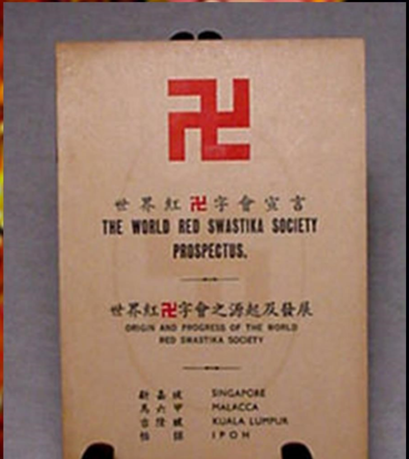

ध वर्लड रेड स्वस्तिका सोसायेटी और उनके कर्यकर्ता एवं परिचरीका, चीन

चीनमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA
श्री हेमंत ग. पाध्या

बौध मंदीर पर स्वस्तिक प्रतिक, चीन

बौध आश्रम पर स्वस्तिक प्रतिक, चीन

बौध संगठनका स्वस्तिक चिन्ह

दीप प्रज्वलन विधी , वन्नीयन मंदीर, एमैशन, चीन

उरुम्की म्युझियम, झिन्गाजीयेन्ग

विश्वकी सबसे बडी बुद्ध प्रतिमाके(१५३ मिटर) वक्षस्थल पर स्वस्तिक, ध स्प्रींग टेम्पल, हेनान, चीन

चीनमें स्वस्तिक

चीनमें शामन गुरुके ढोल और कंधे पर स्वस्तिक प्रतिक

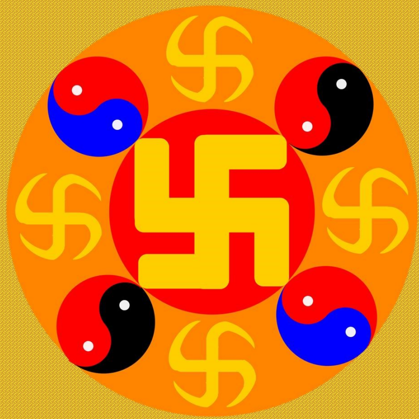

चीनके फलुन गोंग सप्रदायका धर्मिक चिन्ह

फलुन गोंग संप्रदाय पर चीनमें होते अत्याचारोंके विरुद्ध लंडनमें प्रदर्शन

अगरबत्ती रखनेके बर्तन पर स्वस्तिक

काच रंगीन पर चित्रकाममें स्वस्तिक प्रतिक ,चीन

चीनमें शाकाहारी खाद्य पदार्थोंको सुचित करने स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग किया जाता हैं ।

चीनमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

अमेरीकन स्टार्बक्स कोफीकी दुकान पर स्वस्तिक प्रतिक, संगहाई, चीन

स्वस्तिक प्रतिकवाली खिडकी , संगहाई,

फोर्बीडन सीटीऍम स्वस्तिक प्रतिक, बेईजींग, चीन

रेश्मी वस्त्र पर शुभ चिन्ह

डिब्बे पर स्वस्तिक

ओल्ड समर पेलेसकी दिवारों पर स्वस्तिक प्रतिक, बेईजींग, चीन

"लाफींग बुद्धा" के वस्त्र पर स्वस्तिक प्रतिक, ताईचुंग, चीन

युफु सी मंदीरमें स्वस्तिक आकारमें दीयोंकी हारमाला, शेंगहाई, चीन

चीनके मियाओ लोगोंकी हस्तकला

१६वीं सदीके क्विंग साम्राज्यकी फरसु पर स्वस्तिक प्रतिक

प्राचिन चायनीस लेन्टर्न

पगोडा गार्डन, नान्जींग, चीन

मोंगोलियामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN MONGOLIA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

स्वस्तिक प्रतिक परंपरागत पोषाकमें मोंगोलियन स्त्री

त्सोन्जीन बोल्डोगमें चिंगीस खानके ४० मिटरके पुतलेके पोषाक पर स्वस्तिक प्रतिक

मोंगोलियन ''डोमिनो'' रमत

मोंगोलियन पार्लामेन्टके पीछे मोंगोलियाकी विविध जातिओंका विविध चिन्ह जीसमें दो विविध प्रकारके स्वस्तिका चिन्ह हैं।

मोंगोलियाकी १३वीं सदीकी स्वस्तिक कलाकृति

BY: HEMANT PADHYA

मोंगोलियामें स्वस्तिक

श्री हेमंत म. पाध्या

मोंगोलियाई आध्यात्मिक जादुगर (shaaman) स्वस्तिक प्रतिकके साथ

मोंगोलियाई आध्यात्मिक स्त्री जादुगर (shaaman) स्वस्तिक प्रतिकके साथ

चिंगीस खानके जासुस पुलिसका चित्र । हाथ पर स्वस्तिक प्रतिक

मोंगोलियाई पाउं पर स्वस्तिक

पगोडाके सामने धुप्दानी पर स्वस्तिक

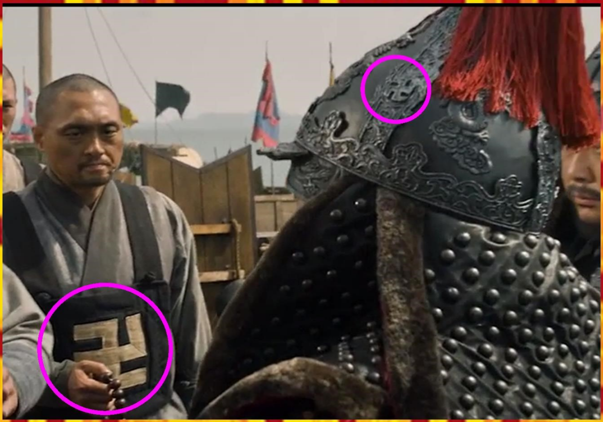

मोंगोलियाई पैसेकी नोट पर स्वस्तिक प्रतिक

रशियामें स्वस्तिक

रशियन चर्च के पादरीओके पोषाकपे स्वस्तिकके चिन्ह

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

रशियामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

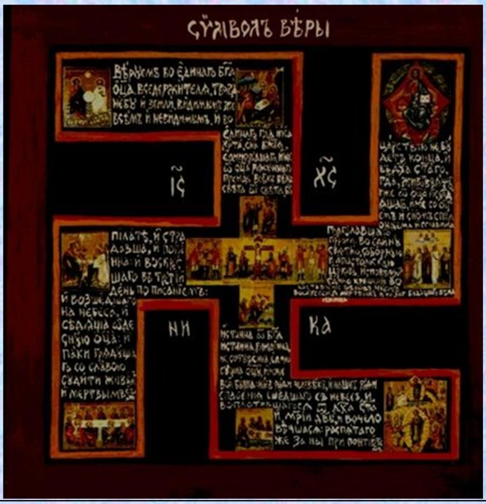

Свастика - распространенная   эмблема Христа в раннем христианстве (согласно Генону). Один из древнейших христианских храмов в Палестине - Храм умножения хлебов. Капернаум. 3-4 в. н.э.

प्राचीन रशियन चर्चमें स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग

SWASTIKA IN BELARUS

बेलारुसमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

बेलरुसमे प्राचिनकालमें कबर पर स्वस्तिक अंकीत कीया जाता था

११वी सदीकी शीला पर अंकीत कीया गया स्वस्तिक

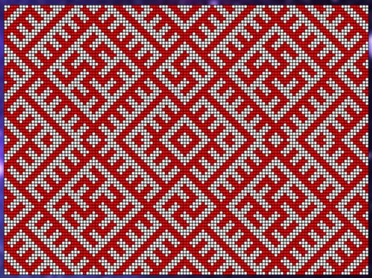

आर्मेनियामें स्वस्तिक
SWASTIKA IN ARMENIA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

आर्मेनियाके प्राचिन धर्मकी देवी 'अनहीत' स्वस्तिकोंसे सजी हुई

आर्मेनियाके प्राचिन सैनिक स्वस्तिकोंसे सजी हुए – ई.पूर्व १४-१५वीम सदी

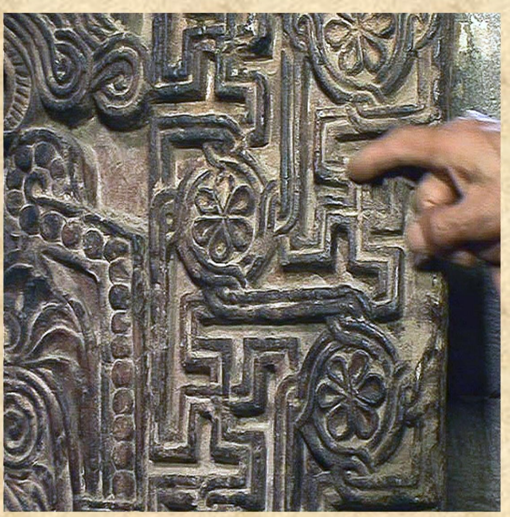

आर्मेनियाके प्राचिन चर्चोंकी दिवालों पर स्वस्ति

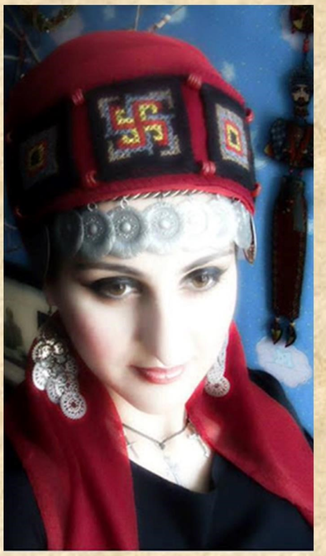

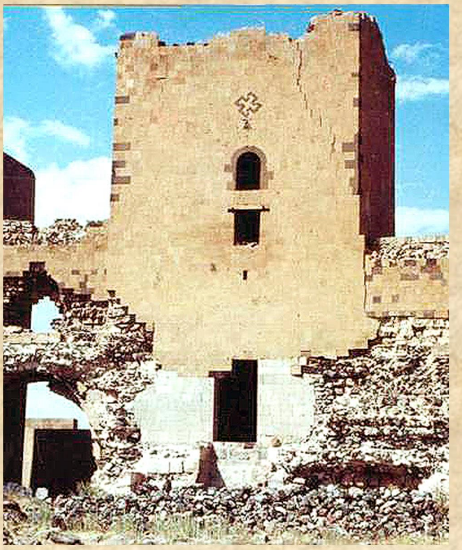

आर्मेनियामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

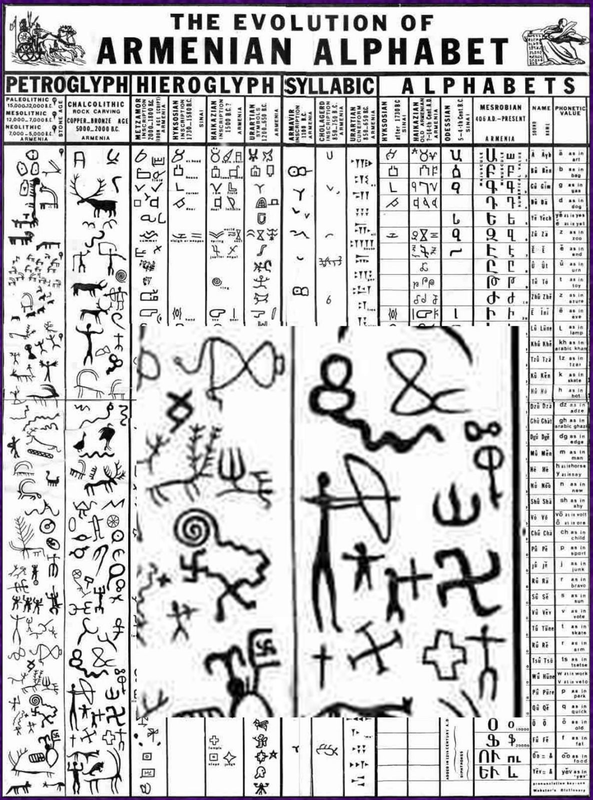

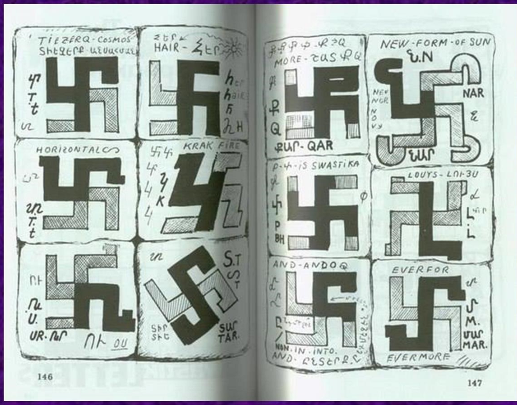

आर्मेनियाके प्राचिन चर्चोंकी दिवालों पर स्वस्तिक – ई.स. १०००

funerary sculpture, with incised swastika, stone, 10th - 9th century BC, from Noemberjan Armenia. Armenian Civilization

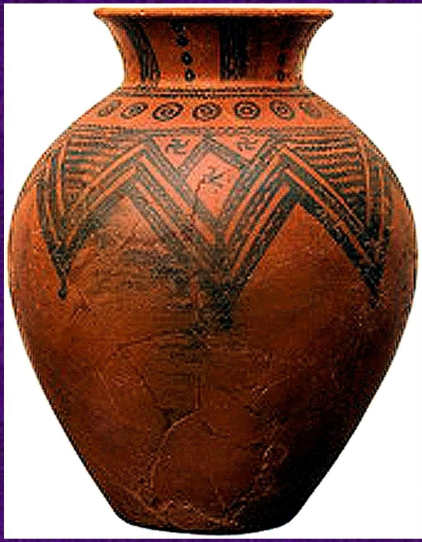

लुथीएनियामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN LUTHIANIA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

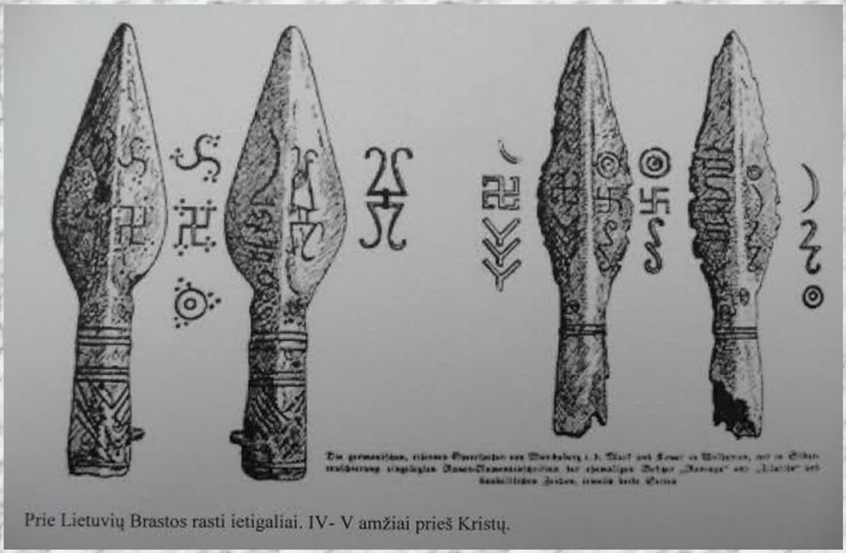

ई.स. पूर्व ३ से ५वीं सदीके भालों पर स्वस्वस्तिके

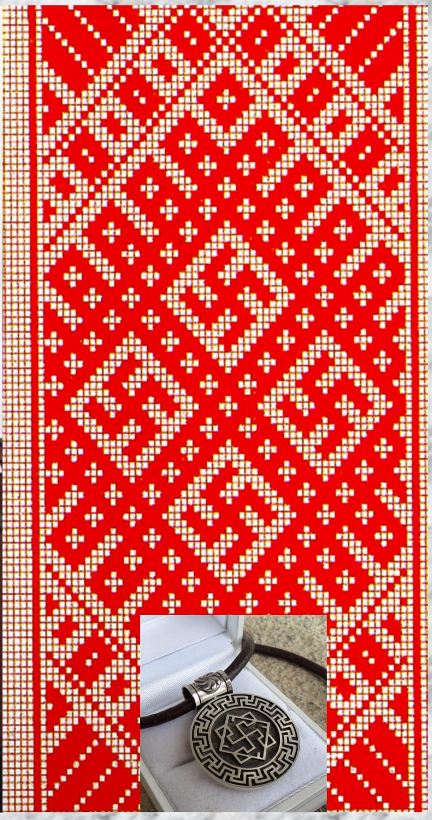

लुथिएनीयामें स्वस्वस्तिक प्रतिबंधका विरोध

रोमानियामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN ROMANIA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

रोमानियानी महाराणीके मुकुटन्परस्वस्वस्ति चिन्ह

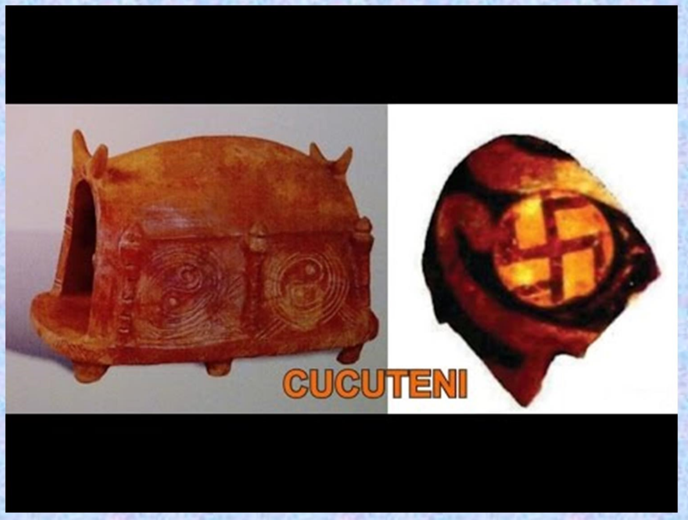

रोमानियाकी ७५०० वर्ष पुरानी क्युक्युटेनी संस्कृतिमें स्वस्तिक चिन्हका

रोमानियामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

एस्टोनियामें स्वस्तिक SWASTIKA IN ESTONIA

एस्टोनियाके स्काऊट बेजीस

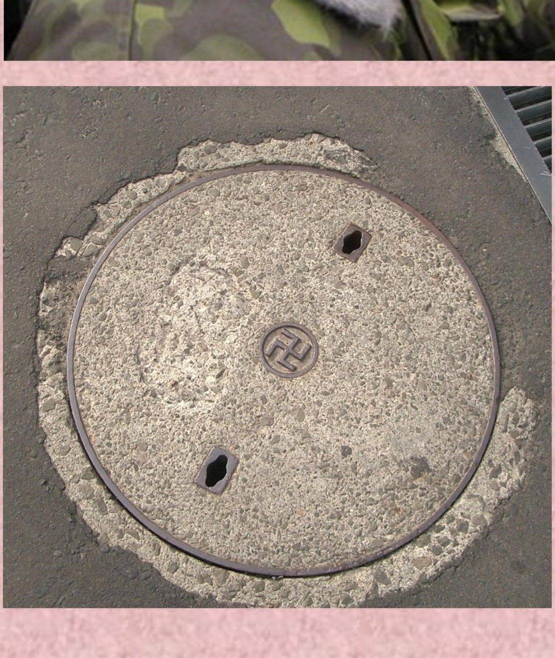

बल्गेरियामें स्वस्तिक
SWASTIKA IN BULGARIA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत न. पाध्या

चर्च सेन्ट क्राईस्ट पेन्टोक्रेटर, नेस्सेबार, बल्गेरीय स्वस्तिक चिन्हका प्रयोग

७००० वर्ष पुराना मटके पर स्वस्तिक,
अलतीमीर, वस्तरा, बल्गेरिया

लत्वीयामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN LATVIA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

लत्वीयाके नृत्य महोस्तवमें पारंपारीक स्वस्तिक आकारमें नृत्य.

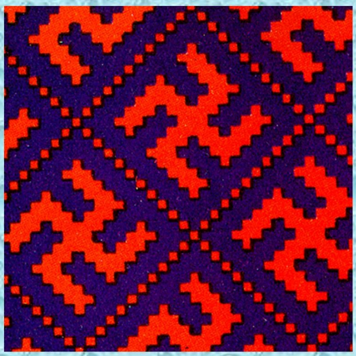

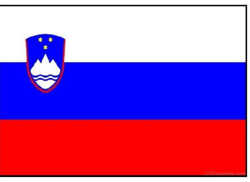

स्लोवेनियामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN SLOVENIA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

६००० वर्ष प्राचिन स्वस्तिकके पेगन स्लावीक प्रतिक

Slavic Kolovrat can be considered a variant of the "original" swastika and it shares the latter's solar symbolism. It is an attribute of the Slavic solar deity, Svarog, the god of fire, heavenly light, or Sun

स्लोवेनियाके होलस्तात संस्कृतिके योध्धाओंका २४०० वर्ष पूराना ताम्र पत्र

Bronze belt plaque from Vace,Slovenia,Yugoslavia,400 BC, Hallstatt culture (Illyrian/Celt warriors),

स्लोवेनियामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

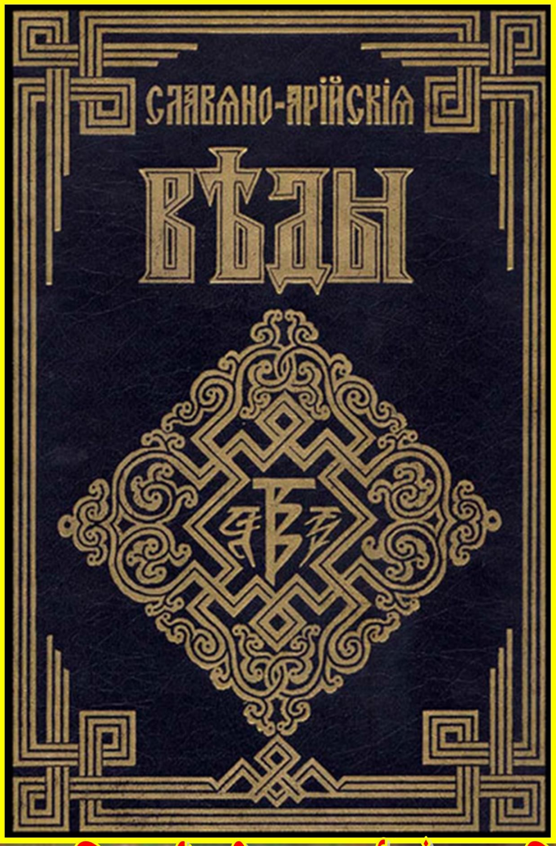

प्राचिन इंग्लीस्ट धर्मनां स्लाविक-आर्यन वेदनुं मुखपृष्ठ पर स्वतिक और धर्मचिन्ह

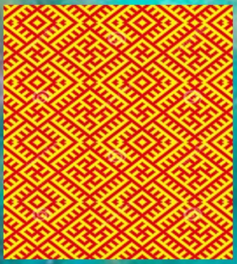

स्लाविक-आर्यन वेदमें विविधाकार स्वस्तिकका अक्षरके रुपमें प्रयोग

स्लोवेनियाके पाटनगर ल्जुब्ल्जनामें आंतरराष्ट्रीय स्वस्तिक दिन- २०१५.

अफघानिंस्तानमैं स्वस्तिक
SWASTIKA IN AFAGHANISTAN

अफघनिस्तानके पुरुषके गलेमें अन्य ताविझके साथ
स्वस्तिक प्रतिक

स्वस्तिक प्रतिक सजाया गया खंजरका खोला

बुद्ध की हथेलीमें स्वस्तिक, गन्धार४ शिल्प,
अफघानिस्तान

अफघानी जाजममें पर स्वस्तिक प्रतिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

पाकिस्तानमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN PAKISTAN

श्री हेमंत ग. पाध्या

मृग उद्यानमें बुद्धके उपदेशका प्राचिन शीला चित्र, थल्पान, चिला, काराकोरम

५वीं सदीके बुद्धके पदचिन्ह, गंधार/स्वोट,

५२००-४५०० कुल्ली सस्कृतिकी वर्ष प्राचिन बर्तन पर चित्रकला, निन्डोवारीस,बलुचिस्तान

चौकुंडी कबर पर स्वस्तिक, करांची, पाकिस्तान

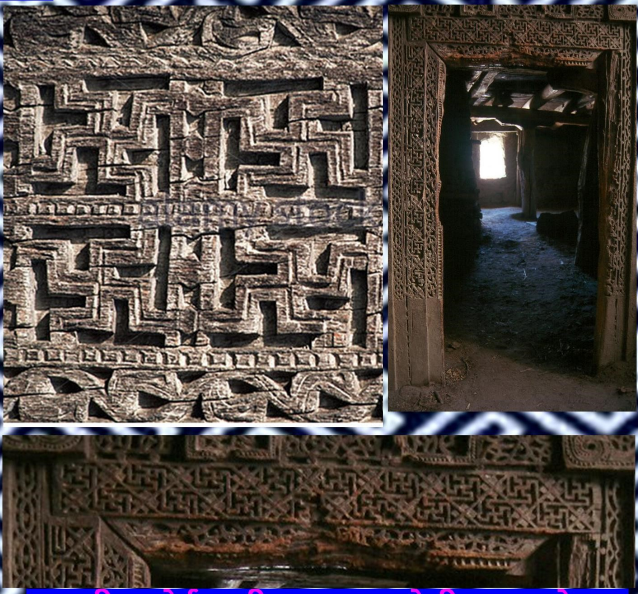

अल्तीत फोर्ट ,करीमबाद हुझा वेली, काराकोरम

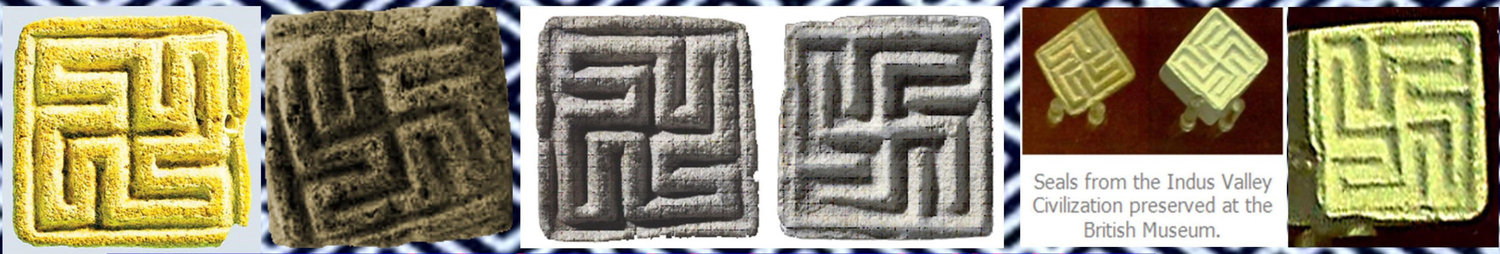

४३०० वर्ष प्राचिन सिंधु संस्कृतिकी महोर, हरप्पा और मोहेंजि देरो,

तक्षशिला

मोहेंजो देरो

ईरानमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN IRAN

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

पर्सिया याने हाल के ईरानके कराफ्तो, कर्डीस्तान प्रांतमें शीला पर अंकीत कीये गये अत्यंत प्राचिन कलाका नमूना,

कालुराझ, गिलानसे मिला हुआ
३००० वर्ष प्राचिन सोनेका हार

२८०० वर्ष प्राचिन केलार्दश्त सोनेका जाम,
उत्तर ईरान , सिंह्की पीठ पर स्वस्तिक चिन्ह

३००० वर्ष प्राचिन कांश्य
धातुका मंगलसूत्र

३००० वर्ष प्राचिन सोनेका
जाम, गालान प्रांत

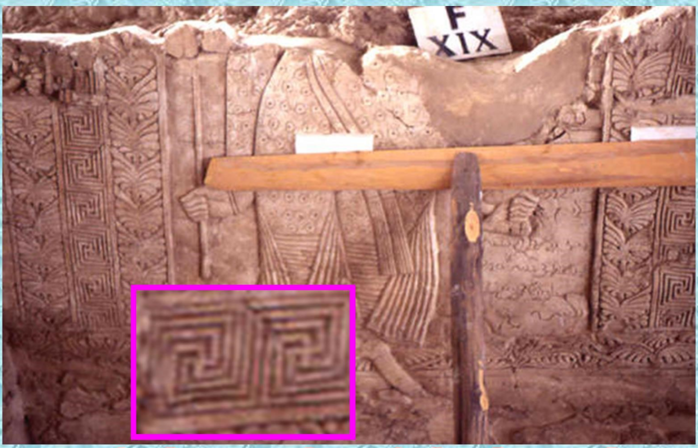

1800 वर्ष प्राचिन सस्सानीड युगके भिंत शिल्प, बांदियन

३०००वर्ष प्राचिन स्वस्तिक कलाके

५४००-४००० वर्ष प्राचिन कांश्य
युगमें मीट्टीका बनाया गया बीबा

४५०० वर्ष प्राचिन कांश्यके कटोरेमें
स्वस्तिक सुर्यके प्रतिक स्वरूप, करमान,

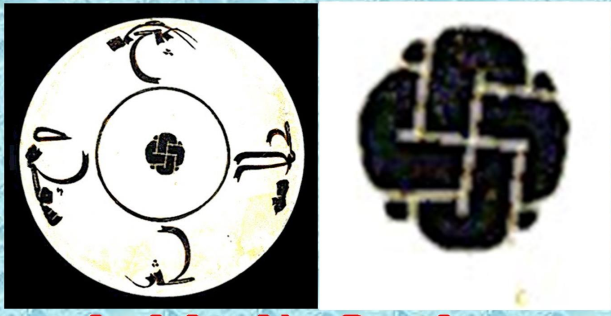

१०वीं सदीकी थालीमें स्वस्तिक, नीशापुर,

ईरानमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA
श्री हेमंत ग. पाध्या

2500 वर्ष प्राचिन पर्सियाके महान राजा सायरसकी कबरके पास स्वस्तिक(मिथ्राका चक्र), पासारगाद, ईरान

१०वीं सदीकी चिचिल दुख्तरान स्मारक पर स्वस्तिक, दम्घान, ईरान

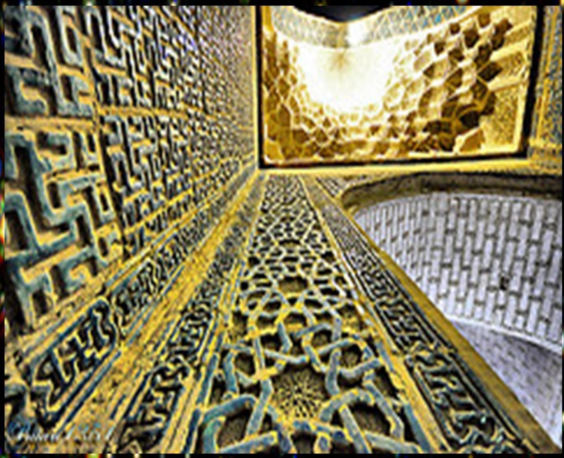

८वीं सदीके सुफी संत बायाझीद बस्तामीके स्मारकमें स्वस्तिक प्रतिक, , बस्ताम, ईरान,

यझ्दकी मस्जिद पर स्वस्तिक प्रतिक, यझ्द, ईरान

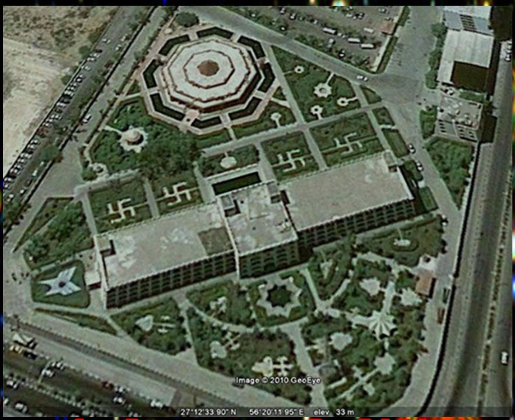

ईस्लामिक आझाद युनिवर्सिटीके प्रांगणमें स्वस्तिक , ईरान,

दरवेझ दौलत मस्जिद, तेहान, ईरान

ख्वारेझ्मीयन संस्कृति जो हालके उझबेकीस्तान और काझकस्तानमे प्रांतोमें थी वहांके पर्सियन साम्राज्यके स्वस्तिक प्रतिकके प्राचिन सिक्के

स्वस्तिक छुंदणेके साथ कर्दीश औरत

ईरानमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

४००० चांदीका कप, मर्लीक, गीलान, ईरान

प्राचिन स्वस्तिक शिल्पकला. ईरान

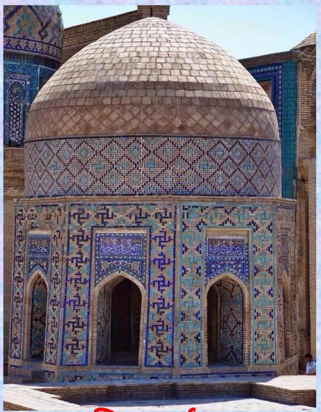

मस्जिद. ईरान

१६०० वर्ष प्राचिन सस्सानीड साम्राज्यकी महोर या सिक्का पर स्वस्तिक/त्रिशुल प्रतिक. ईरान

राजा होर्मीझ्द-१ कुशानशाहकी सोनामहोर पर स्वस्तिक. ईरान

प्राचिन मस्जिद के स्तंभ पर स्वस्तिक, खिवा, उझ्बेकिस्तान

चेंगीसखानो पौत्र कुबलाई खानका पुतला स्वस्तिक प्रतिक वाले बेल्टके साथ.काझिकीस्तान

१५००० पूर्व शिलापर अंकीत किया गया स्वस्तिक प्रतिक, काझखकस्तान

१०वीं सदीका कटोरा, बिन्कात, उझ्बेकिस्तान

आझेरबाईजानमैं स्वस्तिक
SWASTIKA IN AZERBAIJAN

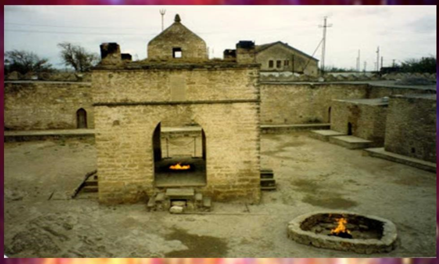

प्रचिन मीट्टीके घडे पर स्वस्तिक और सुर्य चक्र

ई.सन १७४७में बना आतशगाह/ज्वालामुखी मंदीर, बाकु, आझेरबाईजान

ईस्लामिक कबरके मिनार पर स्वस्तिक , बाकु,

आझेरबाईजानकी कार्पेट९गलीचा) पर स्वस्तिक चिन्ह

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

तुर्कीमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN TURKEY

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

स्वस्तिक (सुर्यचक्र) तुर्कीके प्राचिन धर्म तुर्कीक शेमानीझम (तेंग्रीईझम)का प्रतिक.

ई. सन पूर्व पांचवी सदीके एफेसस शहरके प्राचिन अवशेष, तुर्की

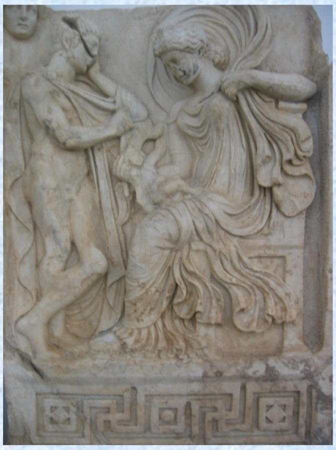

हेड्रीयन टेम्पलके प्राचिन अवशेष, तुर्की

मिलासमें प्राचिन ग्रीक अवशेष, तुर्की

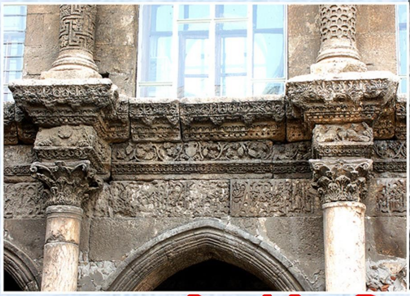

दियार्बाकीर मस्जिद, ऍन्टालीया, तुर्की

तुर्कीमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

२७०० वर्ष पूरानी हिट्टाईटशिल्पकला

एन्टोलीयाके प्राचिन हिट्टाईट लोगोंके पोषाक पर स्वस्तिक, एन्टोलीया, तुर्की हालके युगमें बनते गालीचों पर वोही प्राचिन भात

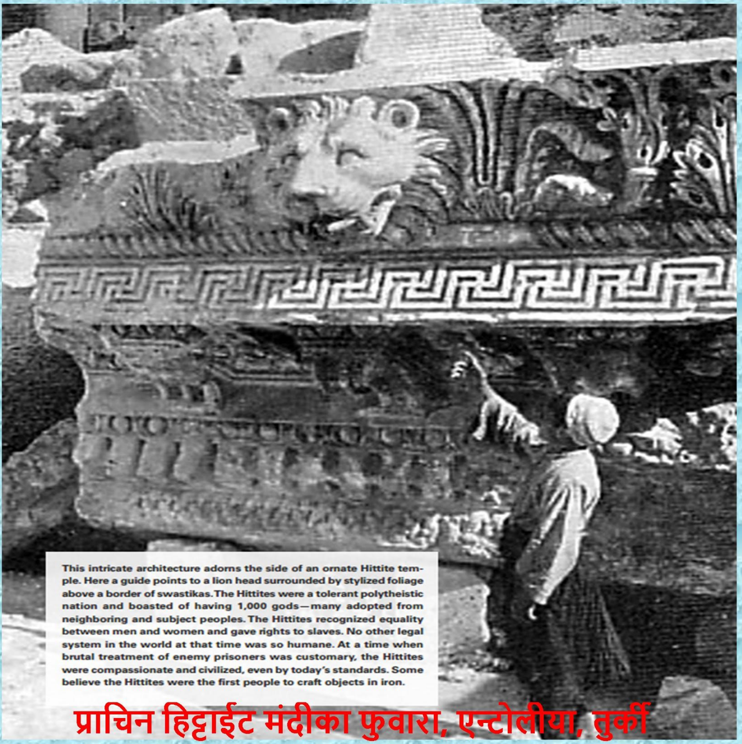

This intricate architecture adorns the side of an ornate Hittite temple. Here a guide points to a lion head surrounded by stylized foliage above a border of swastikas. The Hittites were a tolerant polytheistic nation and boasted of having 1,000 gods—many adopted from neighboring and subject peoples. The Hittites recognized equality between men and women and gave rights to slaves. No other legal system in the world at that time was so humane. At a time when brutal treatment of enemy prisoners was customary, the Hittites were compassionate and civilized, even by today's standards. Some believe the Hittites were the first people to craft objects in iron.

प्राचिन हिट्टाईट मंदीका फुवारा, एन्टोलीया, तुर्की

दीयारबाकीरकी मस्जिदके स्तंभ पर स्वस्तिक,एनाटोलिया

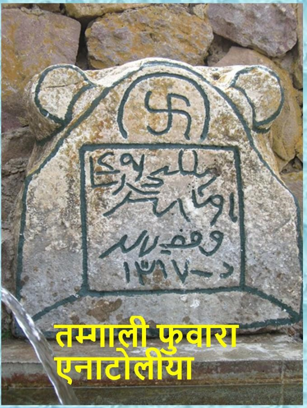

तम्माली फुवारा
एनाटोलीया

उलु कामील मस्जिद

हिट्टाइट कबरमेंसे मिला
हुआ ४३०० वर्ष प्राचिन
धार्मिक क्रियाका शाधन

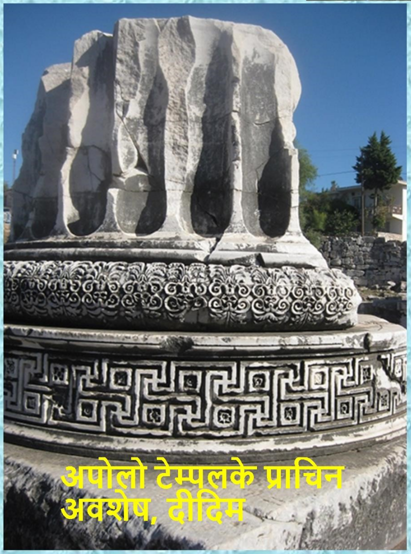

अपोलो टेम्पलके प्राचिन
अवशेष, दीदिम

हगीया सोफिया प्राचिन चर्च रुपांतरीत
मस्जिद, ईस्तम्बुल, तुर्की

ईजराईलमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN ISRAEL

BY: HEMANT PADHYA

ईजराईलकी प्राचिन सिनागोगोमेंभी स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग होता था ।

श्री हेमंत ग. पाध्या

१६०० वर्ष पूरानी विश्वकी अति प्राचिन केपर्नोम सिनागोगके अवशेष , सी ओफ गलिली, ईजराईल

१४०० वर्ष पूरानी सिनागोगके अवशेष, उम्म एल कनतीर, गोलान हाईट्स, ईजराईल

यहुदीधर्म (जुडैझम) नुं प्रतिक मीनोराह(हनुक्काह) और स्वस्तिक एक साथमें

वेस्टर्न वोल मंदीर-२, जेरुसलेम

गोलान आर्क्योलोजीकल म्युझीयम,काटझीन,ईजराईल

ईजराईलमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

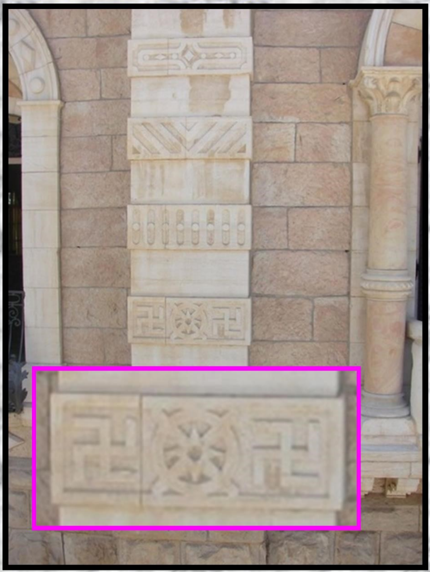

जेरुसलेमसे बेथ्लेहेम हानेके चेक पोईन्ट पासके मकान पर स्वस्तिक

१६०० वर्ष प्राचिन मूझ हैमकी ज्यु सिनागोगके अवशेषशमें स्वस्तिककी मोझैईक,गोलान हाईट्स

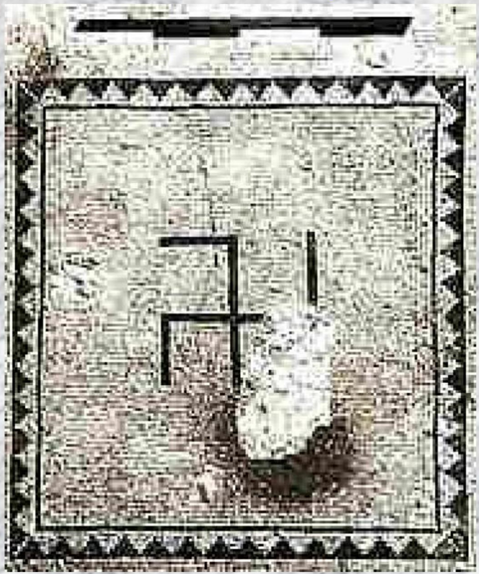

ऐन गेदी सिनागोगकी टाईल्स पर स्वस्तिक, मसादा, ईसराईल

जन्मस्थलके उपरका गुंबज

जन्मस्थल

ईशु ख्रीस्तकी(जीसस क्राईस्ट) जन्म स्थली 'ध चर्च ओफ नेटीईटी' पर स्वस्तिकके चिन्ह, बेथ्लेहेम

द्वितीय विश्वयुद्ध पर्यंत नाझी यातनांओंसे पीड़ित यहुदी समाजमें भ्रम और गेरसमजके कारण प्राचिन स्वस्तिक प्रतिकके प्रति भी तिरस्कार, धृणा, धिक्कार और आक्रोष प्रज्वलीत हुआ था और वो हर स्वतिक प्रतिकको एक आतंक, अत्याचार और नरसंहारके प्रतिकके रूपमें देखने लगे थे। मगर प्राचिन स्वस्तिक प्रतिकको पावन पवित्र, पुजनीय, माननीय और आदरनीय माननेवाले पुरवीय देशोंके विविध धर्मके लोगों के और यूरोपके प्राचिन पेगन धर्मके को लोगोंके अथाग प्रयत्नोसे आज द्वितीय विश्वयुद्धका सर्वाधिक पीडित यहुदी समाजको स्वस्तिकके सत्य स्वरुपको सक्षात्कार करानेमें महद अंशमें सफलता प्राप्त हो रही हैं। फलश्रुति स्वरूप आज यहुदी समाज अपने लोगोंको प्राचिन स्वस्तिक के बारेंमें युवा पेढीको स्वस्तिकके बारेमें सत्य ज्ञान अपनी पुस्तक और हर मिडीयाके माध्यमसे उपलब्ध करवा रहा हैं।

ईजराईलमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

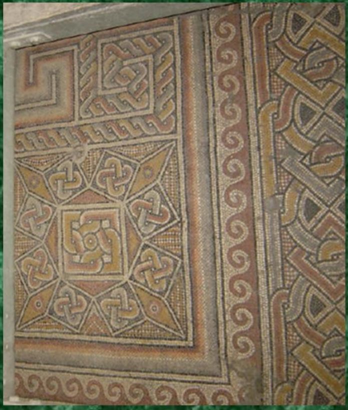

चर्च ओफ नेटीईटी'की टाईल्सों पर स्वस्तिकके चिन्ह, बेथ्लेहेम

प्राचिन सिनागोग के अवशेष, गोलान हाईट, ईजराईल

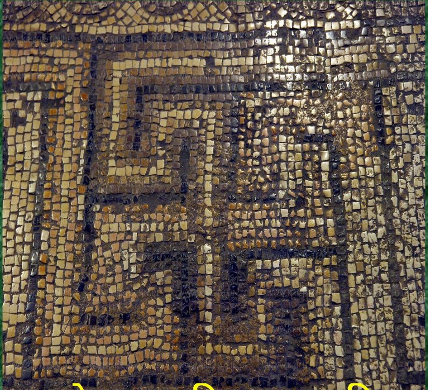

'शालोम अल यिझ्राएल' प्राचिन सिनागोग के अवशेष, जेरीचो ईजराईल

५वी सदीके बायझेनटाईन चुर्चमें स्वस्तिक प्रतिक, शावेरी-झीओन, ईजराईल

यहुदी सिनागोग कोचिन

यहुदीऑका केरालामें स्वागत चित्र

यहुदी संतकी प्राचिन समाधी

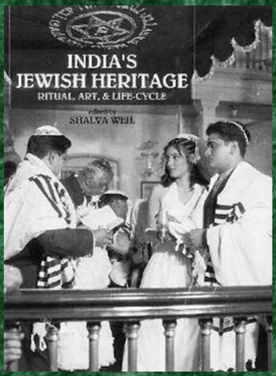

२००० सालसे यहुदी(ज्युझ) लोग भारतमें हिंदुओं और उनके धार्मिक प्रतिक स्वस्तिकके साथ एकता और अत्मियतासे साथ साथ शांति और समृद्धि सह रहते हैं। आज भी ज्यु टाउनमें घरों पर हिंदुओंका धार्मिक चिन्ह स्वस्तिक और यहिदीओंका धार्मिक प्रतिक 'स्टार ओफ डॅविड साथ-साथ नजर आते हैं।

ईजिप्तमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN EGYPT

BY: HEMANT PADHYA
श्री हेमंत म. पाध्या

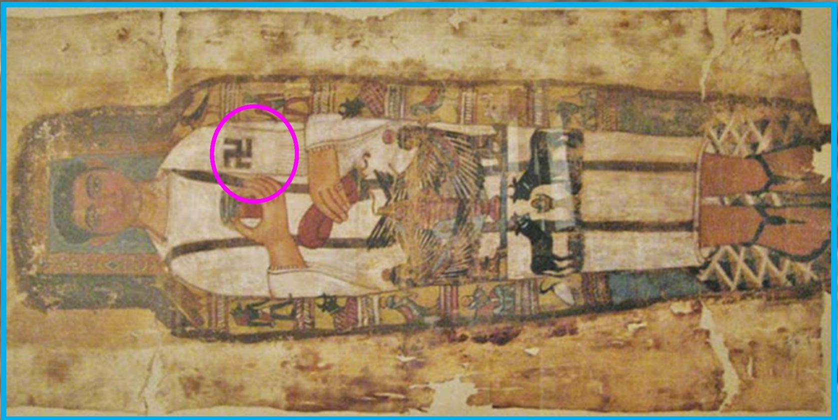

१७०० वर्ष पूराने ईजिप्शीयन मृतदेहनके कफन पर स्वस्तिक निशान

ईजिप्तके राज धरानेका चिन्ह

शिलालेख पर अंकीत

ईजिप्तके प्राचिनकालके संग्रहालय पर स्वतिक चिन्ह

ईजिप्तके प्राचिन अवशेष, ईजिप्शीयन म्युझियम, बर्लीन

४थी सदीका लीनेन क्लोथ, आख्मीम, ईजिप्त

शिला चिन्ह, फिलाए, ईजिप्त

ईजिप्शियन सिक्के पर स्वस्तिक प्रतिक.

४थी सदीका उन -लीनेन कोप्टीक क्लोथ,

९वीं सदीके कोप्टीक क्रोस्चियन मोनस्ट्री पर स्वस्तिक प्रतिक , बावीत, ईजिप्त

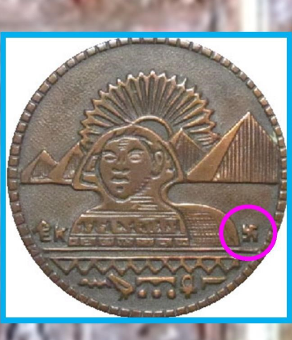

ईराकमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN IRAQ

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

५००० वर्ष प्राचिन थालीमें स्वस्तोकका

बगदादकी प्राचिन विश्वविद्यालयमें स्वस्तिकका
चिन्ह, एलाम, दक्षिण ईराक

६००० वर्ष प्राचिन कटोरेमें सस्तिकका
चिन्ह, एलाम, दक्षिण ईराक

साऊदि ऍरेबियामें स्वस्तिक

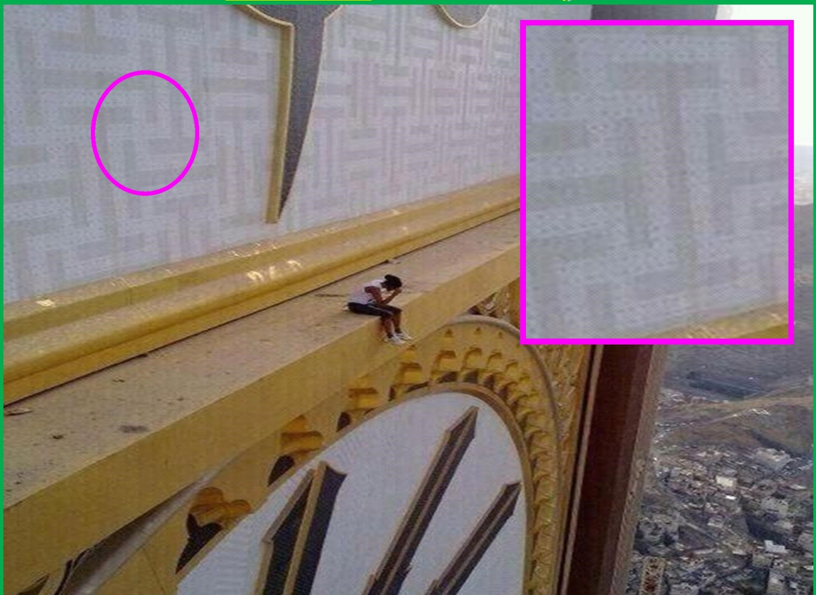

मक्काके ‘क्लोक टावर’ पर स्वस्तिक चिन्ह जो स्लामीक मस्जिदों
परभी लगाये जाते हैं ।

धातुके डिब्बे पर स्वस्तिका आकृति और एरेबिक
भाषामें आलेखन

सीरियामें स्वस्तिक
SWASTIKA IN SYRIA

BY: HEMANT PADHYA
श्री हेमंत ग. पाध्या

प्राचिन रोमन टेम्पल पर स्वस्तिकका आकृति, पाल्मेयरा, सीरिया.
हालमेंही आईसीसके आतंकवादीओने उसका विद्वंश किया ।

प्राचिन हेलीयोसनां रोमन टेम्पल पर
स्वस्तिककी आकृति, कानावात, सीरिया.

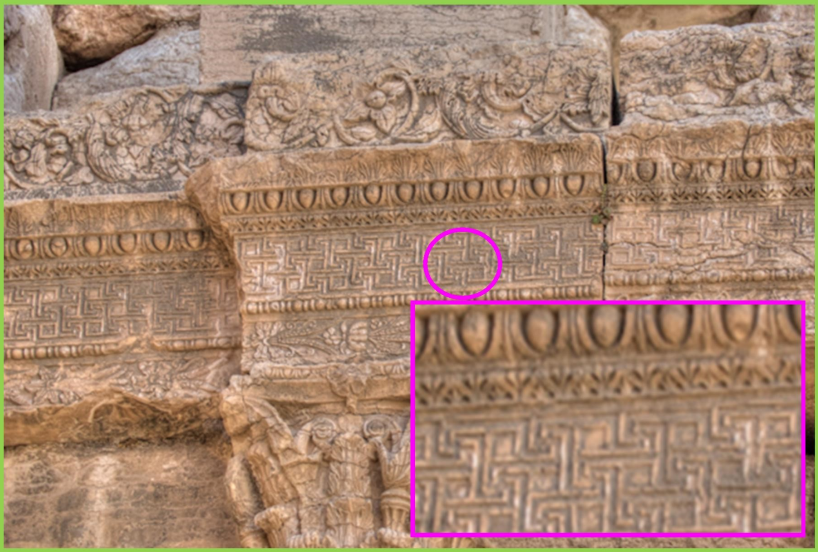

प्राचिन रोमन टेम्पल पर स्वस्तिककी आकृति, पाल्मेयरा, सीरिया.

बाल्बेक युनेस्को हेरीटेज , बेक्का वेली,
लेबेनोन

ज्युपीटर और बाक्चुके प्राचिन रोमन टेम्पल
पर स्वस्तिककी आकृति,बाल्बेक, लेबेनोन

रोमन टेम्पल पर स्वस्तिककी आकृति,बाल्बेक, लेबेनोन

आफ्रिकामें स्वस्तिक
SWASTIKA IN AFRICA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

कोंगोकी स्त्री पर घावकरके बनाये गये स्वस्तिकके परंपारिक निशान

स्वस्तिक प्रतिककी छापके वस्त्रमें परिधान आफ्रिकाकी स्त्री

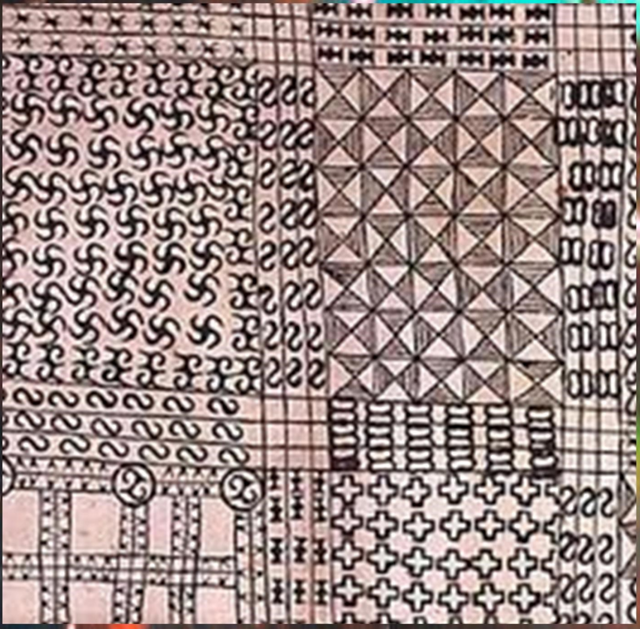

आफ्रिकाकी अशान्ति स्मुदायके लोग बुनाई काममें स्वस्तिकका उपयोग करते हैं

आफ्रिकाके नवयुवानोंकी छती पर स्वस्तिक प्रतिकका घावसे बनाया टाटु

आफ्रिकाऍम अशान्ति स्मुदायके लोगोंका सोनेको तोलनेका वजन माप

आफ्रिकामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

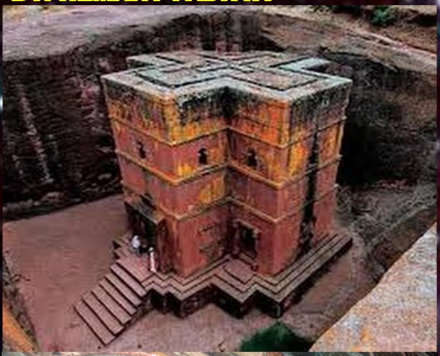

लालीबेलाके प्राचिन रोकचर्च में स्वस्तिक प्रतिक , ईथोपीया

लालीबेलाके लईथोपियन रूढीवादी चर्चके प्रिस्टके हाथमें स्वस्तिका

केन्यामें स्वस्तिक आकारके मकान

हिल्टन होटलका स्वस्तिक लेम्प अडीस अबाबा, ईथोपियन

हिंदु मंदीर, दारेसलाम, टान्झानिया

हिंदु मंदीर, म्वानझा , टान्झानिया

OldMagazineArticles.com

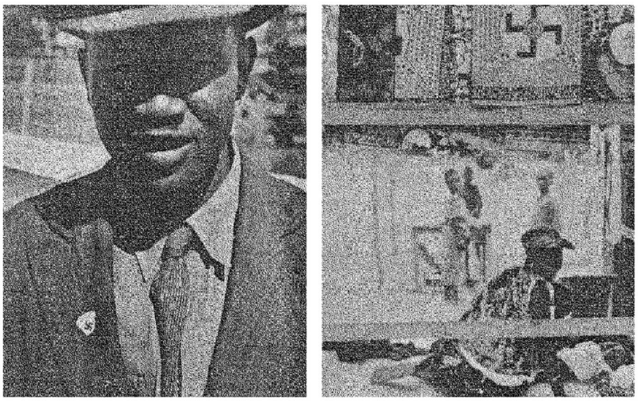

Nazis are capitalizing on the swastika's traditional meaning among Africans

BLACK NAZIS: Fritz Delfs, leader of the Nazis in Tanganyika, the former German East Africa that Hitler is demanding, soft-pedals Aryan supremacy credo in propounding Nazi ideology, and capitalizes traditional use of the swastika by the natives as a symbol of fertility. Large percentage of population is half-caste, and half-breeds, quadroons and octoroons are included in the count that is the basis of Berlin's claim that a third of the white population of Tanganyika is German. Even full-blooded Negroes are sporting swastika symbols and party buttons.

Ken March 23, 1939 * page 9

अकान समुदायके लोगोंका सोनेको तोलनेका वजन माप

जर्मन आफ्रिका कोर्पका चिन्ह

SWASTIKA IN ITALY

ईटलीमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

रोमन स्वस्तिक

श्री हेमंत न. पाध्या

दौनिया, दक्षिण ईटलीसे स्त्री की प्रचिन कबर की शीलापर अंकित विविध भांतिके स्वस्तिक प्रतिक,

पुग्लिया प्रांत, पूर्व-मध्य ईटलीमें प्राप्त हुए २६०० वर्ष प्रचिन कबरकी शीलापर अंकित विविध भांतिके स्वस्तिक प्रतिककी शोल्पकला

एट्रूस्कान शिलालेखके साथ स्वस्तिक, टुस्कानी, ईटली

शिला पर अंकित प्राचिन स्वस्तिक, केम्पेनिया, ईटली

एट्रूस्कान (टुस्कानी) शिलालेखके साथ स्वस्तिक, टुस्कानी, ईटली

सेन्ट सेबास्टियननां कब्रस्तान गुफा(केटाकुम्ब) मा स्वस्तिक,रोम, ईटली

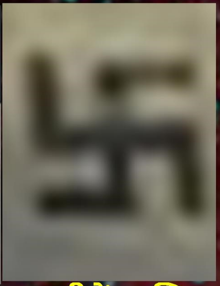

१८वी सदी पूरानी रोमन थालीमें स्वस्तिक

प्राचिन रोमन दीये पर स्वस्तिक चिन्ह

२३०० वर्ष पूराने सिक्के पर स्वस्तिक

ईटलीमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

२७०० वर्ष प्राचिन एट्रूस्कान (टूस्कानी) पेन्डन्ट पर स्वस्तिक, बोल्सेना, ईटली

प्राचिन स्वस्तिक टाईल्स , पार्लेमो , सीसीली, ईटली

प्राचिन स्वस्तिक मोझेक , लाझीयो, मध्य ईटली

विया ब्रेराकी ध ब्रेरा एकेडेमी के शिलालेख पर स्वस्तिक, मिलानो, ईटली

२९०० वर्ष पुराना स्वस्तिक कटोरा , आल्टा, ईटली

पलाइझो मास्सिमो म्युझीयममें स्वस्तिक प्रतिक, रोम, ईटली

रोमन ब्रोच (फिब्यूला), ईटली

६ ठ्ठी सदीका रोमन ऍट्रुस्कान लोकेट ईटली

रोमन धधनुर्धारीकी कांस्यकी अंगुठी पर स्वस्तिक प्रतिक

रोमनोंकी स्वस्तिक मोझेईक

ROMAN SWASTIKA MOSAIC

BY: HEMANT PADHYA

इ.सन पुर्व २७ से ई.सन ४७६

श्री हेमंत व. पाध्या

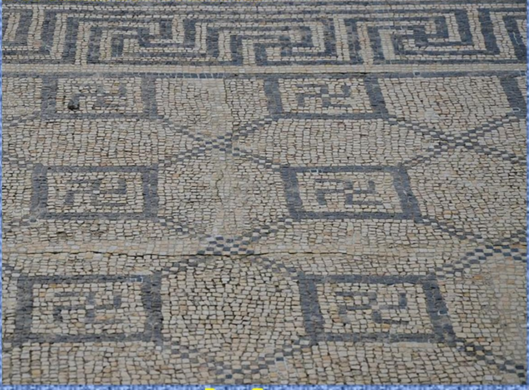

पोर्च्युगल

स्पेन

फ्रान्स

लीब्या

क्रोएशिया

ईंग्लंड

स्पेन

टुनिझिया

मेसेडॉनिया

जोर्डन

पोर्च्युगल

ओस्ट्रिया

ग्रीसमें स्वस्तिक
SWASTIKA IN GREECE

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

ई.सन पूर्व पांचवी सदीका एथेन्सके अक्रोपोलिस मंदीरकी मूर्ती

ई.सन पूर्व १९०० से ७०० वर्ष पूराने मीट्टीके बर्तन पर स्वस्तिक्का प्रतिक

ई.सन पूर्व २५०० से २३०० वर्ष प्राचिन स्वस्तिककी मुद्रा, लेर्ना,ग्रीस

प्राचिन सुवर्ण मुद्रा पर स्वस्तिक, स्कारोस, ग्रीस

प्राचिन पुतले के वस्त्रपर स्वस्तिक प्रतिक, ग्रीस

ई.सन पूर्व ७००कके बर्तन पर प्राचिन ग्रीक देवी अर्टेमीसका चित्र स्वस्तिकके साथ

ग्रीसके प्राचिन अस्थिकुंभके पर बर्तन पर स्वस्तिकके प्रतिक

प्राचिन ग्रीसके सिक्कों पर स्वस्तिकके प्रतिक

ग्रीसमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

प्राचिन बोक्ष पर स्वस्तिक प्रतिकसे चित्रालेखन

ऍथन्स्के मकान पर पर स्वस्तिककी कलाकृति

ई.सन पूर्व सातवी सदीकी मीट्टीकी बनी एट्रीमीस्की मूर्ती

झ्युअस युगकी सदीके वाझ पर स्वस्तिक कला, डालोस, ग्रीस

ग्रीक सैनिकोके शीर रक्षाकवच पर स्वस्तिक चिन्ह

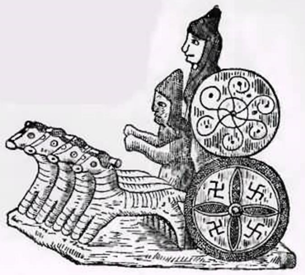

Fig. 179.

CHARIOT OF APOLLO-RESEF.

Sun symbol(?) on shield and four Swastikas (two right and two left) on quadrants of chariot wheels.

Cesnola, "Salaminia," p. 240, fig. 226, and Ohnefalsch-Richter, Bull. Soc. d'Anthrop., Paris, 1888, p. 675, fig. 7.

PLATE I.

APOLLO AND THE GAMMADION.

(From a vase in the *Kunsthistorisches Museum* of Vienna.) See p. 55

मेसेडोनियामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN MECEDONIA

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत न. पाध्या

१४०० से १६००वर्ष प्राचिन मोझेईक पर स्वस्तिक, मेसेडोनिया

२४०० वर्ष पूराना सिक्का, एकान्थोस, मेसेडोनिया

६ ठ्ठी सदीके मोझेईक पर स्वस्तिक, मेसेडोनिया

२४०० वर्ष प्राचिन सिक्का, मेसेडोनिया

आल्बेनियामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN ALBANIA

ईल्लीरियन मोझेईक पर चार बिंदुवाला स्वस्तिक और स्टार ओफ डेविड साथमें,आल्बेनिया

ईल्लीरियन मोझेईक पर स्वस्तिक, बायलीस, आल्बेनिया

ईल्लीरियन ब्रोच पीन पर स्वस्तिक, आल्बेनिया

ईल्लीरियन ढाल पर स्वस्तिक, बायलीस, आल्बेनिया

स्पेनमां स्वस्तिक
SWASTIKA IN SPAIN

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत न. पाध्या

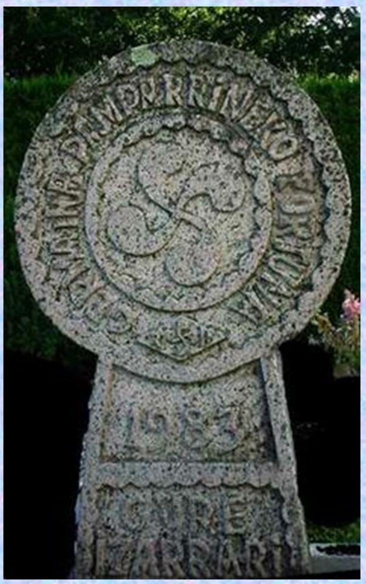

स्पेनके बास्क प्रांतके लोगोंका स्वस्तिक प्रतिक जो लौबुरु या बास्क क्रोस नामसे पहचाना जाता हैं।

केस्ट्रो दी सान्ट टेग्र, गार्डा, गलेसीया, स्पेनके पाये गये प्राचिन स्वस्तिकी कलात्मक कृतिआ, ।

प्राचिन रोमन मोझेईक स्पेनके ला ओल्मेडामें ,

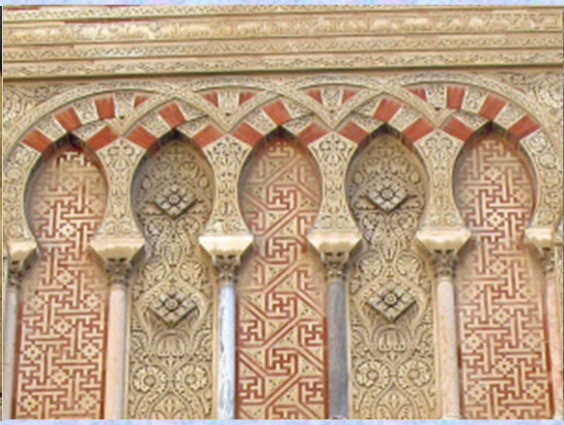

स्पेनके कोर्डोबाकमें ई. सन ९८७ में बनाए गये केथेड्रल/मस्जिद पर स्वस्तिक प्रतिक

स्पेनके सान जुआन दे प्लानमें लौबुरु

फिनलेन्डमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN FINLAND

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

The Aino triptych, an old Finnish painting by Akseli Gallen-Kallela, 1889

फिनलेन्डके सुरक्षा दलके कमान्डर ईन चीफ और छठ्ठे राष्ट्रपति बेरोन कार्ल गुस्टफ मेनर्हईमका स्मारक , लाहती, फिनलेन्ड

फिनलेन्डमैं स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

ओर्डर ओफ ध व्हाईट रोझ ओफ फिनलेन्ड

फिनीस आर्मीबेन्ड तेनां स्वस्तिक ध्वज साथे

फिनीस वायुदयनां विमानो १९१८

The Finnish airforce, which would do such outstanding service against the Soviets in the Winter War, adopted the swastika in 1918 when Eric von Rosen, a Swede, donated a plane to the newly created Finnish airforce and the plane arrived with von Rosen good luck sign, a blue swastika on it.

Transport Squadron

Reconnaissance Squadron

The Finnish presidential flag

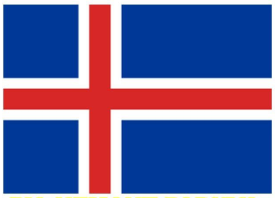

आईसलेन्डमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN ICELAND

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

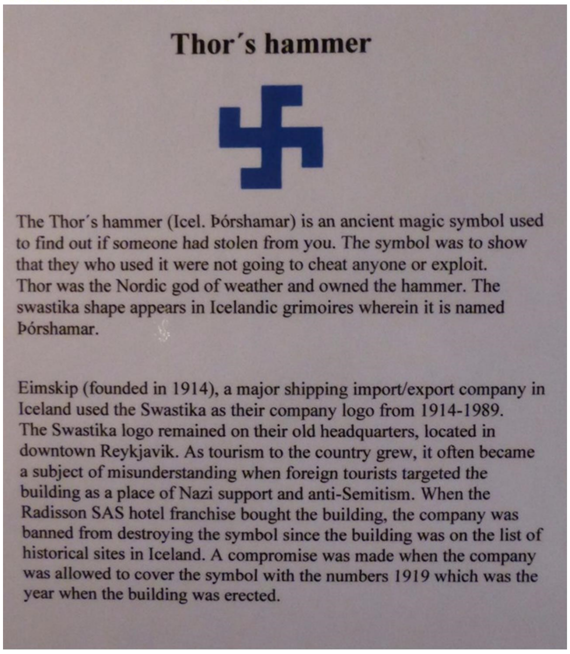

EIMSKIP
YFIR HAFIÐ OG HEIM

आईस्लेन्डकी शीपींग कंपनी एईम्स्कीपका मुख्य दफ्तर, जहाज और केप्टन

स्वस्तिक प्रतिकका पुनः दुरोपयोग और अपमान

पहले हिट्लर और अब ड्रग माफिया

हाल आईसलेन्डमें ड्रग तस्करोंनें खतरनाक नशीली एल.एस.डि. टेब्लेट्स बाजारमें नीकाली हैन जीस पर स्वस्तिकाके चिन्हको अंकीत कीया गया हैं ।

युक्रेनमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN UKRAINE

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत न. पाध्या

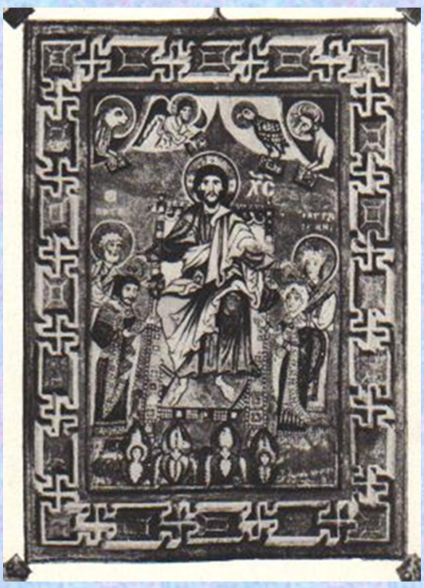

११ वी सदीका प्राचिन सेन्ट सोफिया चर्च, युक्रेनमें स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग.

हिमयुगके १०००० वर्ष पूर्व हाथीदांतोसे बनाये गये पक्षीआकारों पर स्वस्तिकके प्रतिककी कलाकारीगरी जो मेझिन, युक्रेनसे पुरातत्ववादीओं प्राप्त हुए थे।

Shield Prophetic Oleg - Prince of Novgorod (from 879) And Kiev (from 882). founder of Kievan Rus

वीन्का संस्कृतिके ४००० वर्ष पूराने मिट्टीके बर्तन पर स्वस्तिक्के चिन्ह

सर्बियामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN SERBIA

Swastika on stone from Rajac, Serbia

15th BCE cart Narodni Muzej Serbia

Serb family seal

brooch 6th Century CE, Serbia

बोझ्नियामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN BOSNIA

प्राचिन युरोपमें कबरोंकी स्मारकशीला पर स्वस्तिकका प्रतिक अंकित करनेकी परंपरा थी।

Božićni kruh (“Christmas bread”), Livno (western Bosnia and Herzegovina) , 1970. This particular swastika marked bread was baked on the occasion Of the winter solstice, when the sun reached his lowest position and prepared to be born again

झेनीस्ता, बोझ्नियाकी चौथी सदीकी शिल्पकलामें स्वस्तिकका प्रयोग.

ज्योर्जियामां स्वस्तिक SWASTIKA IN GEORGIA

ज्योर्जियामें मीले हुए १९०० वर्ष पुराने केश श्रींगारके सोनेके गहने

प्राचिन ज्योर्जियाकी कबर-११में से मीला हुआ गहना ई.स.पूर्व ४६०-४३०

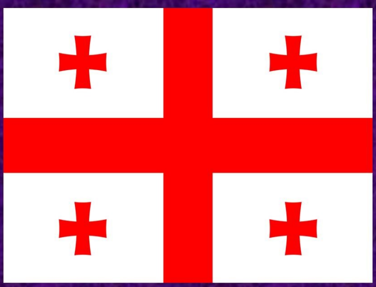

ज्योर्जियानां प्राचिन रूढीचुस्त चर्चनां अवशेषोमां स्वस्तिक

श्री हेमंत म. पाध्या

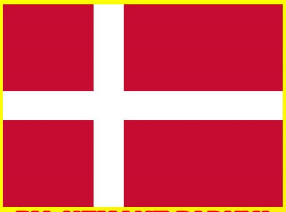

डेन्मार्कमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN DENMARK

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

Swastika carved on Runestone 7th century CE. Snoldelev, Denmark

नोर्सकी पौराणीक कथाओकी पुस्तकका चित्र

प्राचिन देवी पर स्वस्तिकके चिन्ह

Pagan goddess

Ancient Swastika

११०० वर्ष प्राचिन तलवार

Viking Sword . 9th century AD

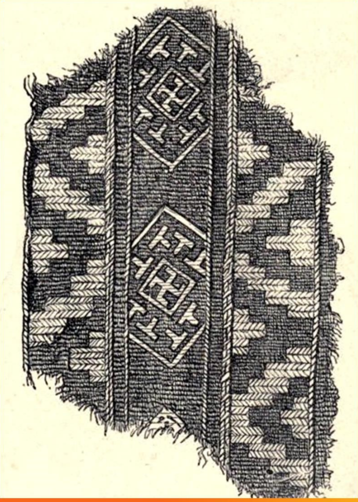

लोहयुगकी कबरमेंसे मिला हुआ उन के कपडेका टुकडा

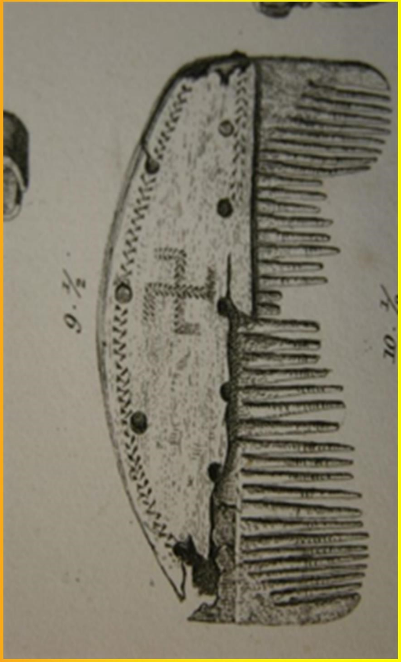

A comb with a swastika Denmark (300 AD)

Braccatttes with Swastika 4th Century CE. Fyn, Denmark

डेनिस राजा फ्रेड्रिक और रानी लुईसकी कबर

Tomb of Danish King Frederik VIII and Queen Louise at the Glücksburger Chapel

डेन्मार्कमें स्वस्तिक

SWASTIKA TRADEMARK OF CARLSBERG BREWERIES

SWASTIKA ALL AROUND THE BUILDING OF THE CARLSBERG BREWEY BUILDINGS

डेन्मार्कमें स्वस्तिक

SWASTIKA TRADEMARK OF CARLSBERG BREWERIES

FROM 1881 TO 1940

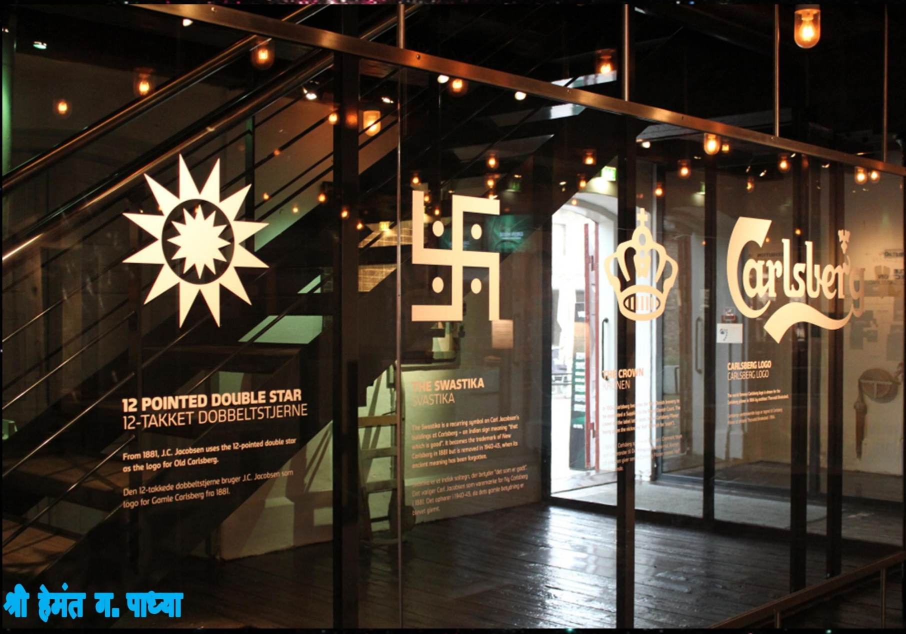

श्री हेमंत म. पाध्या

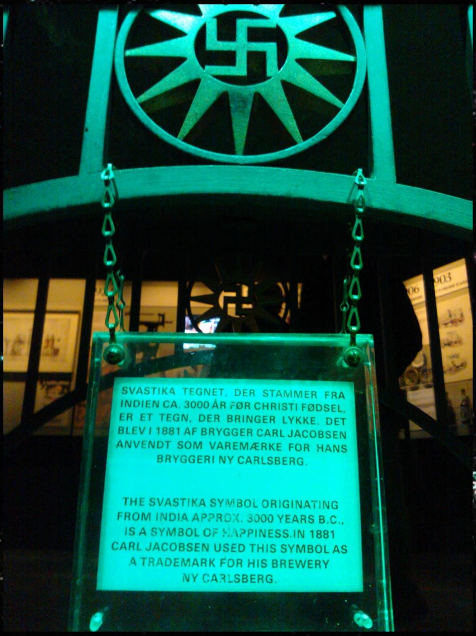

BY: HEMANT PADHYA

जर्मनीमें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

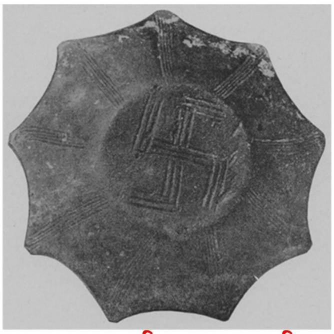

१८०० वर्ष पुरातन बर्तन

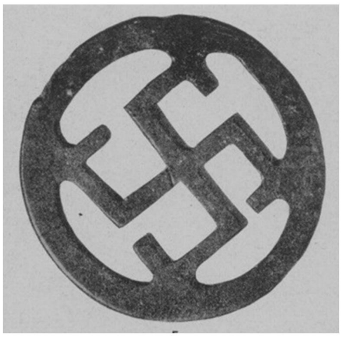

१४०० वर्ष पुरातन पेन्डन्ट

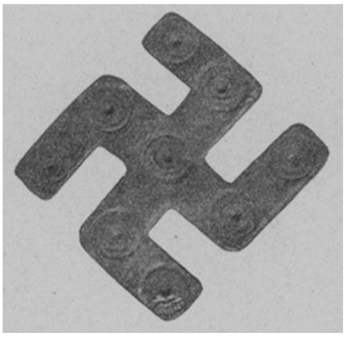

१५०० वर्ष पुरातन पेन्डन्ट

१७०० वर्ष पुरातन पेन्डन्ट

१६०० वर्ष पुरातन पेन्डन्ट

१६०० वर्ष पुरातन पेन्डन्ट

१४०० वर्ष पुरातन

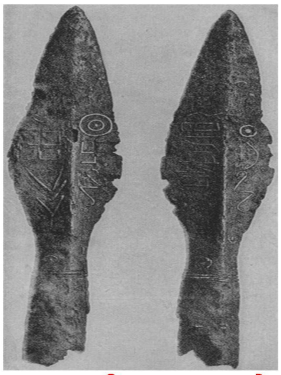

१७०० वर्ष पुरातन भाले

जर्मनीकी 'थुले सोसायटीका स्वस्तिक प्रतिक- मि. रुडोल्फ वोनने ई.स. १९१२में संस्थाकी स्थापना की थी।

जर्मनीके प्राचीन वोल्कीश्च पेगन

जर्मनीके ' वोल्कीश्च मुवन्ट'का स्वस्तिक प्रतिक- ई.स. १९०८में संस्थाकी स्थापना हुई थी।

हिट्लरके युगमें जर्मनीमें स्वस्तिक

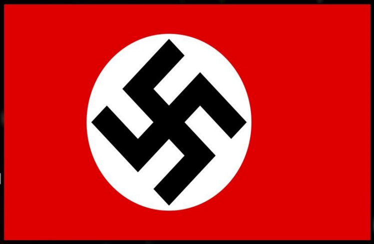

एडोल्फ हिट्लर जर्मनीका एक अत्यंत क्रुर, अत्याचारी, घातकी और अमानवीय सरमुखत्यार था जीन्होंने स्वस्तिक प्रतिकको अपने नाझी पक्षके चिन्हके रूपमें दुरोपयोग किया था । एडोल्फ हिट्लरने द्वितिय विश्वयुद्ध दरमियान लाखों निराधार और निर्दोष लोगों पर अमानवीय अत्याचार करके विश्वके सन्माननिय, पूजनीय और आदरणीय स्वस्तिकके प्रतिकको बदनाम करनेकी अक्षम्य चेष्ठा की थी।

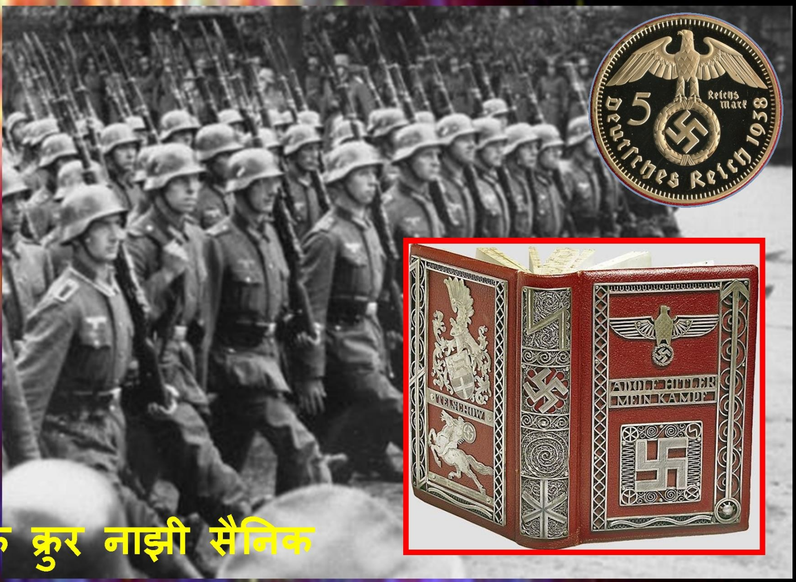

ऍडोल्फ हिट्लरके क्रुर नाझी सैनिक

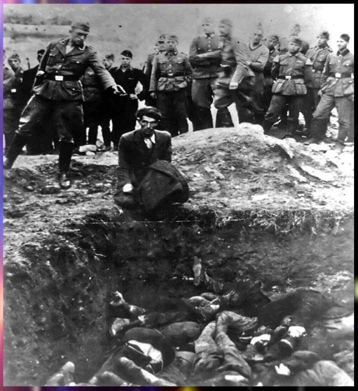

नाझी सैनिकों द्वारा किये गए यहुदीओंका अमानवीय अत्याचार और नरसंहार

हिट्लर और नाझीओंके दुष्कर्मों और अत्याचारोंके लीए स्वस्तिक प्रतिकको दोषित न ठहराएं।

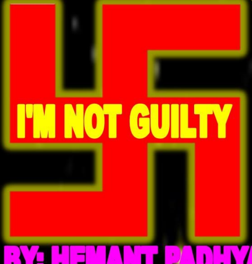

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत न. पाध्या

हिट्लरके युगमें जर्मनीमें स्वस्तिक

एडोल्फ हिट्लरने हेकेन्कुझ (स्वस्तिक) और क्रिश्चियन प्रतिक आयर्न क्रोसका भी उपयोग नाझी पक्षके प्रतिकके रुपमें और नाझी सैनिकोंको दीये जाते वीरचक्रों पर किया था मगर विश्वयुद्धके पर्यंत युरोप,अमेरीकाके क्रिश्चियन और यहुदी (ज्यु) लोगोंने सिर्फ स्वस्तिक चिन्हकोही दोषीत ठहराके उसे बदनाम करके उनके सार्वजनीक उपयोग पर प्रतिबंध लादनेका प्रयत्न किया मगर उन्होंने कभी भी क्रिश्चियन प्रतिक आयर्न क्रोसके प्रति ऐसा दुरव्यवहार नही किया. क्युंकी वो उनके अपने धर्मका प्रतिक हैं जीसे वो बचाना चाहते हैं ।

Ten year award in bronze

Fifteen year award in silver

25 Year Award in gold

एडोल्फ हिट्लर जन्मसे ओस्ट्रीयन था । एडोल्फ हिट्लर अपनी बाल्यावस्थामें जब लेम्बाच एबी चर्च, लेम्बाच, ऑस्ट्रियामे प्रार्थना और किर्तनके लीए जाते थे तब उनकी सर्व प्रथम भेट उपरोक्त स्वस्तिक प्रतिकसे वहां पर हुई थी।

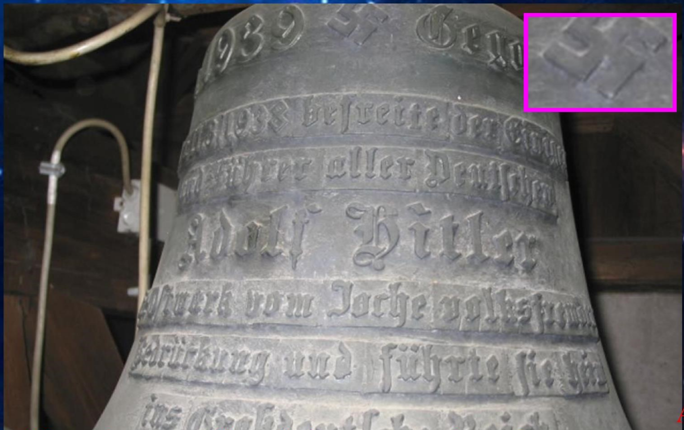

ऑस्ट्रियाके वुल्फ्पासींग गांवके गढ पर एडोल्फ हिट्लरका स्मृति घंट जीस पर लीखा हैं " सर्व जर्मनोंका संगठक और फ्युहेर एडोल्फ हिट्लर"। घंटके उपर मध्यमें स्वस्तिक प्रतिक।

Adolf Marschall von Bieberstein'S GRAVE STONE WITH SWASTIKA 1842-1912 schoferstraBe, Germany.

१९१२में स्वस्तिक प्रतिकका ग्रेवके शीलालेख पर उपयोग ।

श्री हेमंत म. पाध्या

नोर्वेमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN NORWAY

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

ओसेबर्ग जहाज परसे मिली बाल्टि पर स्वस्तिकके निशान ई.स. ८००

११:०० वर्ष प्राचीन वाईकिंग तलवार

प्राचीन वाईकिंग स्वस्तिक

पांचवी सदीके गहनोंपे स्वस्तिक प्रतिक

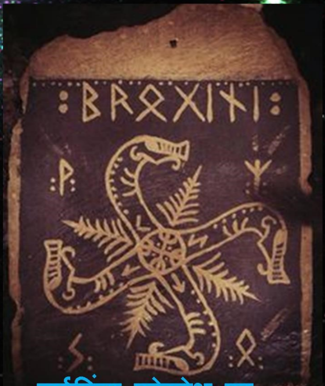

वाईकिंग पहेरवेश पर स्वस्तिकका प्रतिक

विगेलेन्ड पार्क, ओस्लो, नोर्वे

नोर्वेमें पारंपारिक बूनाईमें स्वस्तिकका उपयोग

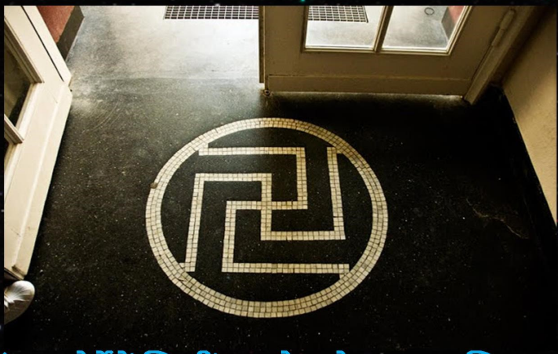

नोर्वेमें स्विमींगपुलके प्रवेशद्वार स्वस्तिक

ओस्लो,नोर्वेमें द्वार पर स्वस्तिक

स्विडनमैं स्वस्तिक
SWASTIKA IN SWEDEN

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

१३०० वर्ष पूराने स्वस्तिककी अंकित शीला, गोट्लेन्ड, स्विडन

चर्चमें स्वस्तिक अंकित शीला गोथनबर्ग, स्विडन

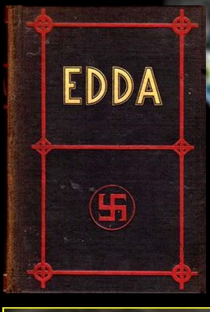

‘पोएटीक एड्डा’ प्राचिन स्विडिश पुस्तकके मुखपृष्ठ पर स्वस्तिक प्रतिक

ओलिम्पीया स्टेडियम, स्टोकहोम,स्विडन

स्विडनकी जर्मन एम्बसी पर हिटलरके म्रुत्यु पर शोक प्रकट करता आधे स्तंभ पर स्वस्तिक झंडा ता. ३० एप्रिल १९४५. दुसरे विश्व युद्धमें स्विडन तटस्थ रहा था।

१६०० वर्ष प्रचीन लोकेट्स, गोट्लेन्ड, स्विडन

स्विडनके अर्ल कार्ल वोन रोझेनने अपना स्वस्तिक प्रतिकवाला विमान फिनीस एरफोर्सको भेटमें दीया था ।

पारंपारिक स्विडीश पाऊं

Traditional Swedish "lussebulle"or "lussekatt", sweet bread with saffron

स्विडनकी ईलेक्ट्रीक लोकोमोटीव कंपनी ए.एस.ई.ए. का स्वस्तिक लोगो

पोलन्डमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN POLAND

BY: HEMANT PADHYA

१९वीं सदीके प्रारंभकी कबरों पर स्वस्तिक प्रतिक

पोलन्डके अति श्रीमंत स्झलच्टा कुटुंबका 'कोट ओफ आर्म' में स्वस्तिक- १४-१५वीं सदी

ओस्कर स्चिन्ड्लरके कारखानेमें स्वस्तिक टाईल्स' क्राको, पोलन्ड

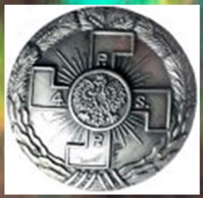

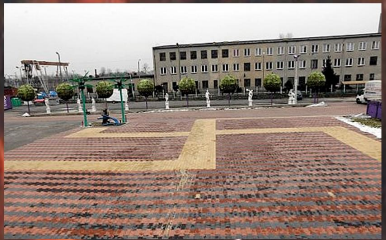

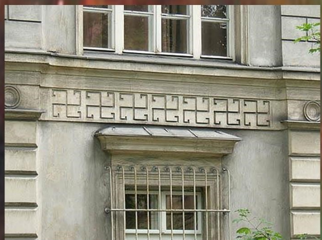

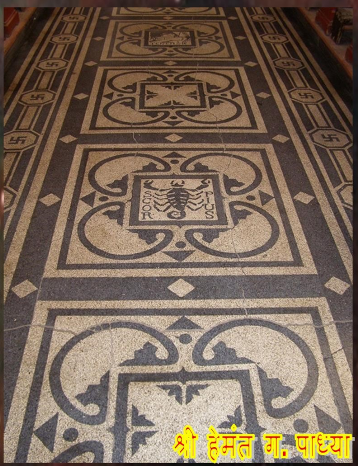

श्री हेमंत ग. पाध्या

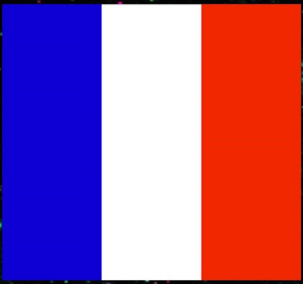

फ्रान्समें स्वस्तिक

SWASTIKA IN FRANCE

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

लुव्र पेलेसमें स्वस्तिक, फ्रान्स

६ ठ्ठी सदीके पमेरोवीम्जीयन
राजवंशका ब्रोच पेरीस, फ्रान्स

पेलेस दई जस्टीसके प्रवेशद्वार

ई.सन १२२९में बनाये गये नोट्रॅ डॅम दु बोर्ग चर्चमें स्वस्तिक,राबास्तेन,पेरीस, फ्रान्स

स्वस्तिक प्रतिक वाला प्लग. पेरीस,

पेरीसके टाउन होललमें स्वस्तिक
प्रतिक. पेरीस-६

हिल्टन होटल्मे स्वस्तिक प्रतिक, पेरीस

फ्रान्समें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

फ्रान्सके ध एग्रीस केथेड्रलमें १२ वीं सदीके बिशोप राउल बोमोन्ट्के चित्रमें पोषाक पर स्वस्तिक प्रतिक

एब्बोट सीमोन डी गील्लनकी सन १३४५ में बनी कबरकी शिला पर स्वस्तिक, म्युझीयम देडी कल्नी , पेरीस

फ्रान्समें फ्लोर टाईल्स पर लौबुरु (स्वस्तिक)

मार्सेईल, फ्रान्समें १९२९में बने न्यायलयके मकान पर तीनों बाजुओंकी दिवाल पर ४७ बडे स्वस्तिकोंके चिन्ह

युनाईटेड किंगडममें स्वस्तिक

SWASTIKA IN UNITED KINGDOM

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

२२०० वर्ष पूरानी स्वतिक शिला, ईक्ली मूर. पश्चिम योर्कशर

ई.सन ७००की कबर शिला पर मानव स्वस्तिक,
पर्थशर, स्कोटलेन्ड

एंग्लो-रोमन समयकी शिल्पकलामें
ग्लेडियेटरकी ढाल पर स्वस्तिक,
कोलचेस्टर

एंग्लो-रोमन समयके सोनेके गहनोंपे
स्वस्तिक

एंग्लो-सेक्षन युगके ५ या ६ सदीके अस्थिकुंभ
पर फायल्फोट(स्वस्तिक), नोर्थ एल्महाम

६ ठ्ठी सदीके योद्धाके शिरकवच पर
फायल्फोट(स्वस्तिक), ईंग्लंड

१९३०के ग्रेव स्टोन पर स्वस्तिक
प्रतिक, गेलोक सेमेतरी, स्कोटलेन्ड

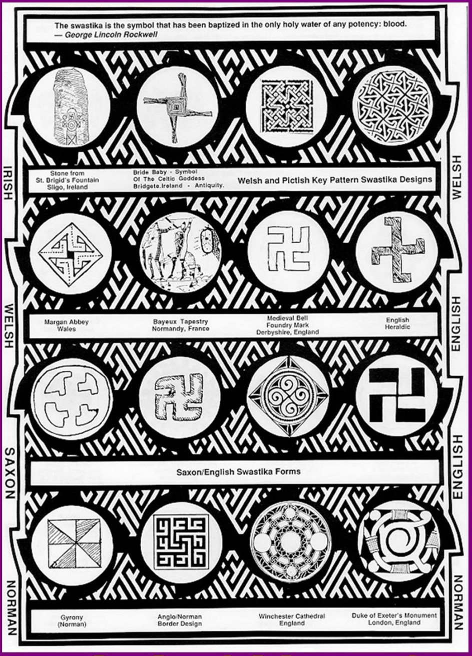

प्राचिन ब्रिटनमें विविध प्रकारके
फायलफोट (स्वस्तिक)का उपयोग

युनाईटेड किंग्डममें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

‘बेल’ देवतानके प्राचिन स्मारक पर स्वस्तिक प्रतिक, क्रेईग नार्गेट,विगटाउनशर, स्कोटलेन्ड

पत्थरों पर स्वस्तिक प्रतिक, करकुर्ड,पीबलशर, स्कोटलेन्ड

१०मी सदीके ‘मेंक्ष स्टोन’ पर स्वस्तिक और क्रोस, आयल ओफ मेन

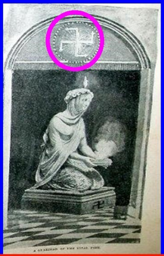

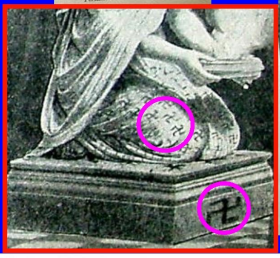

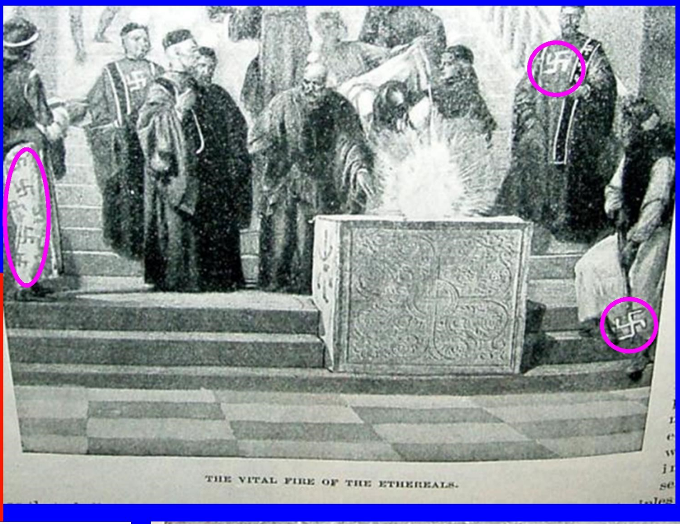

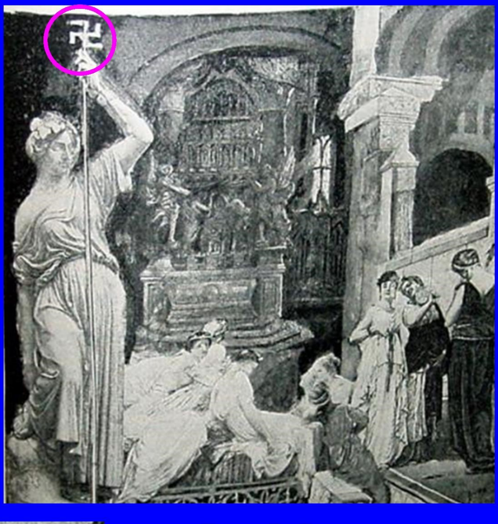

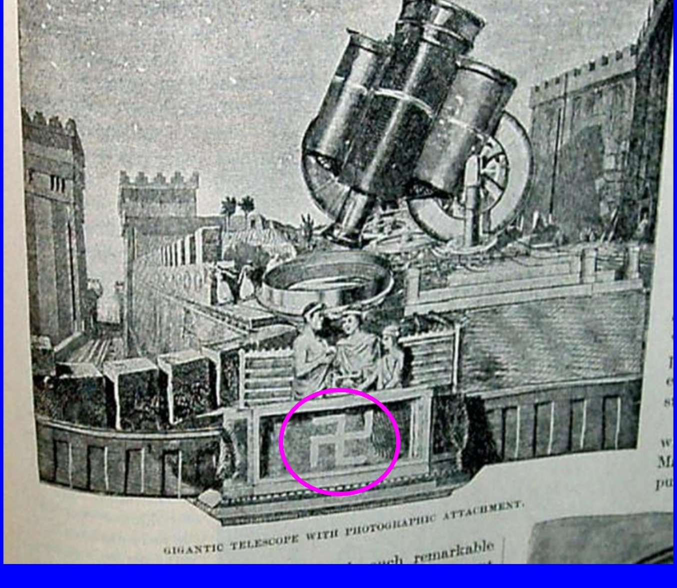

विक्टोरीयन युग दरमियान प्रचलीत ‘‘एथेरीयल’’ नामका धार्मिक संप्रदाय स्वस्तिकका उपयोग प्रमुख धार्मिक प्रतिकके रूपमें करते थे । सन १८८३में संस्थाके ३० पन्नेके अभिलखके साथ प्रकाशित चित्रोमें स्वस्तिक प्रतिकका प्रमुख और व्यापक उपयोग द्रष्टिमान होता हैं ।

युनाईटेड किंग्डममें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

ई. सन १७००में बना रोयल आर्ट्सका बर्लींग्टन हाउस, लंडन

ई.सन १२००के क्राईस्ट चर्च केथाड्रलमें स्वस्तिक, ओक्षफर्ड

विक्टोरीयन '' स्विट हार्ट ब्रेईस्लेट '' १९१०

ब्रिटनके महान लेखक, कवि और चित्रकार जोह्न रस्किनकी कबर पर स्वस्तिक चिन्ह

शेफिल्ड केथाड्रलमें स्वस्तिक

बरर्कशर और ओक्षफर्ड के शरीफ की कबर, ईंग्लंड

कोवेन्ट्री के ऐतिहासिक केथाड्रलके बिशोपकी कबर पर रखे हुए उनके

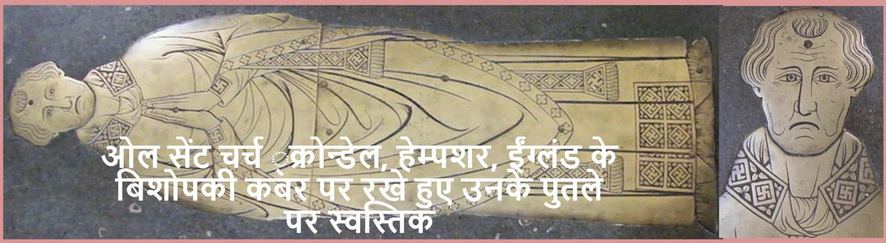

ओल सेंट चर्च , क्रोन्डेल, हेम्पशर, ईंग्लंड के बिशोपकी कबर पर रखे हुए उनके पुतले पर स्वस्तिक

वोल्टर फ्रिलेन्ड़ेकी कबर, ओकहाम, ईंग्लंड सन १३६०

युनाईटेड किंग्डममें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

१८६८में बनाये गये 'ध फोरीन एन्ड कोमन वेल्थ ओफिस'के मकान पर स्वस्तिक, लंडन, ईंग्लंड

१८३० में बनाई गई छाते और छडीकी प्रख्यात दुकान पर स्वस्तिक, ब्रिटिश म्युझीयमके पास, लंडन, ईंग्लंड

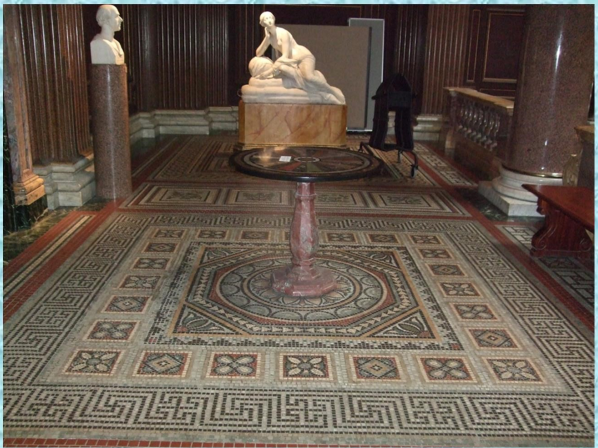

१८१६ में बनाये गये प्रख्यात ''ध फिटझविलियम म्युझीयम''के गुंबज और कक्षमें स्वस्तिक प्रतिक, केम्ब्रीज, ईंग्लंड

विक्टोरीयन और एडवर्डियन समयके स्वस्तिक प्रतिकवाले गहनें और श्रींगारकी चीजें

रोयल दोल्टन माचीस स्ट्राईकर और होल्डर

रोयल दोल्टन कप

रूमालकी विंटि १९२१

होक्ली, बुर्मिंगहामकी कंपनीका हॉलमार्क, ईंग्लंड

वोर सेवींग स्टॅम्प''

युनाईटेड किंग्डममें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA
श्री हेमंत न. पाध्या

१९९८में तैयार किया नोरधर्न आयर्लेन्डके सभागृहमें स्वस्तिक छापवाली कार्पेट

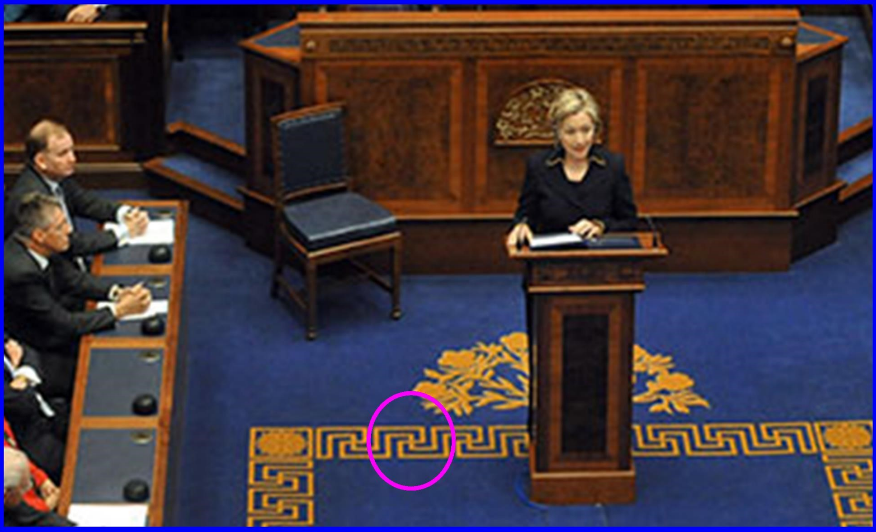

नोरधर्न आयर्लेन्डके राजसभा गृहमें स्वस्तिक

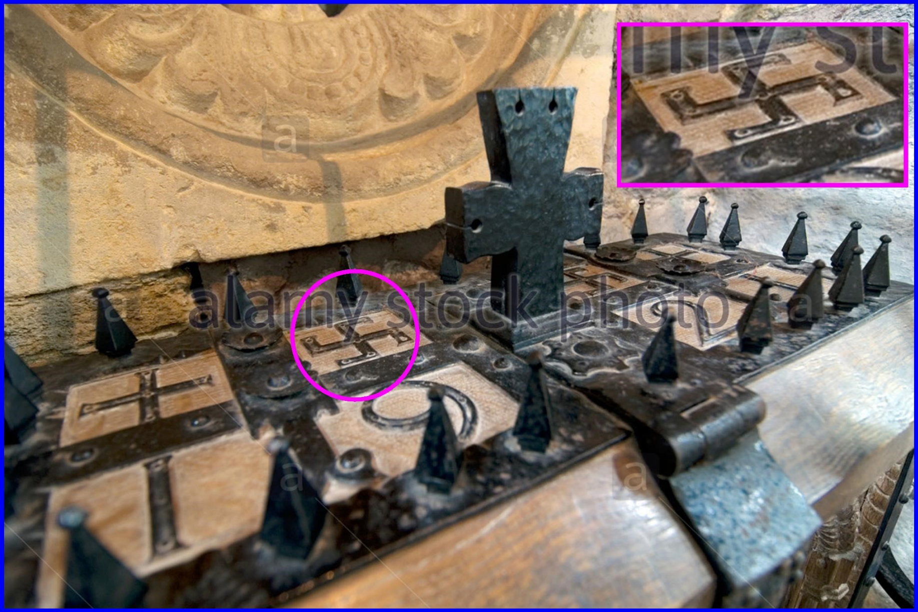

सेंट डेवीड केथाड्रलके पटारे पर स्वस्तिक और क्रोस, पेमब्रोकशर, वेल्स,

१००० वर्ष प्राचिन स्वस्तिक और 'एयुडोन' अंकित शिला , लन्फायनीड्ड,कार्मर्थन्शर, वेल्स,

आयर्लेन्डमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN IRELAND

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

प्राचिन पेगन पत्थर पर स्वस्तिक प्रतिक, क्लिफ़नी, काउन्टी स्लीगो,

मुल्लघमोरमें शीशुओकी स्मारक शिला पर प्राचिन पेगन स्वस्तिक प्रतिक, आयर्लेन्ड

ड्रमक्लिफके "टुम्ब स्टोन" की शिला पर प्राचिन स्वस्तिक प्रतिक, आयर्लेन्ड

१६०० वर्ष प्राचिन केल्टिक प्रिस्टनी स्मारक शिला स्वस्तिक दक्षिण आयर्लेन्ड

प्राचिन ओरगाम शिलाओं पर विविध प्रकारके स्वस्तिक प्रतिक, अग्लीश, काउन्टी केरी, आयर्लेन्ड

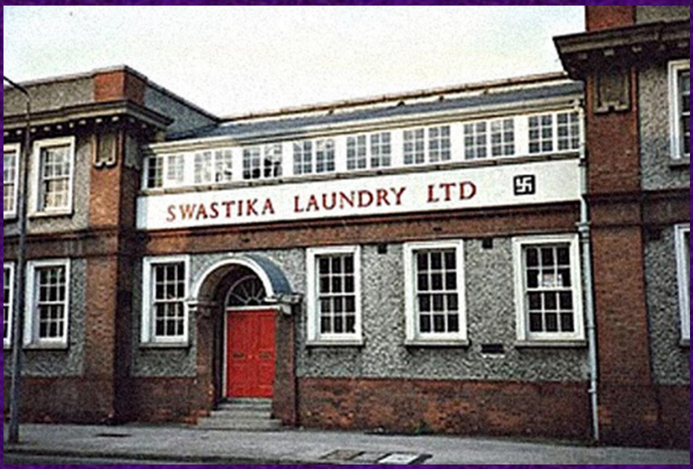

स्वस्तिक लोन्ड्री लिमीटेड, शेलबोर्न रोड, बोल्सब्रिज, डब्लिन, आयर्लेन्ड -४

स्वस्तिक लोन्ड्री लिमीटेड, डब्लिन, आयर्लेन्ड -४ (सन १९१२-१९८७)

सेन्ट्रल बेन्क ओफ आयरलेन्डने 'युरोपियन सेल्टीक कल्चर"की स्मृतिमें २००७में प्रकाशित २० युरोकी मुद्रा.

SWASTIKA IN AMERICAN CONTINENT

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत न. पाध्या

अमैरिकामें स्वस्तिक

अमेरिकी भूखंडमें वहांकी स्थानिक विविध " नेटीव ईन्डियन" जातीयां स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग प्राचिन कालसे हजारों वर्ष पूर्वसे करते आये है।

प्राचिन खडक पर स्वस्तिक पेट्रॉग्लिम्फ ,

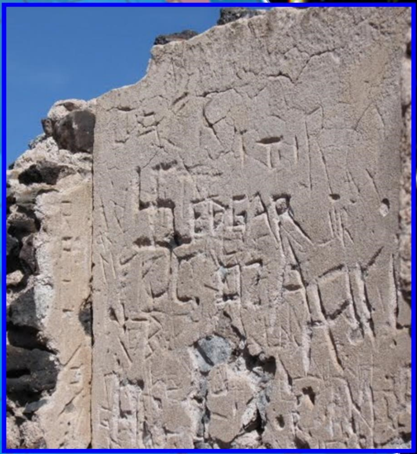

नेटिव ईन्डियनोंकी प्राचिन शील्पकृतिसे पत्थर पर अंकित स्वस्तिक

प्राचिन खडक पर स्वस्तिक पेट्रॉग्लिम्फ , न्यु मेक्सिको

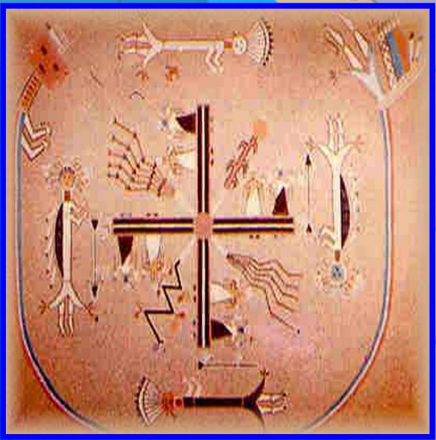

नवाजो ईन्डियन रेत चित्र (सेन्ड पेईंन्टींग)

ब्युरीयल माउन्ड (समाधी) पर स्वस्तिक , ओहायो

चेमेहयुएवी नेटिव ईन्डियनोंका प्राचिन स्वस्तिक पेट्रॉग्लिम्फ

अमेरिकाके नेटिव ईन्डियनोंके पोषाकमें स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग

अमेरिकामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

अमेरिकाके नेटीव ईन्डियनोंकी हस्तकलामें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

नेटिव अमेरिकन ईन्डियनोंकी टोकरीओं पर स्वस्तिक

नेटिव अमेरिकन नवाजो डन्डियनोंकी कार्पेट पर स्वस्तिक प्रतिक

नेटिव अमेरिकन इन्डियनोंका गृहउद्योग

अमेरिकामैं स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

नेटिव अमेरिकनकी थैलीओं पर स्वस्तिक निशान

नेटिव अमेरिकनके गहनों पर स्वस्तिकके निशान

नेटिव अमेरिकन जातीके मनकाके आभूषण और अन्य कलाकृतियां

अमेरिकामैं स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

अमेरिकाके प्रेसीडन्ट केनेडीकी पत्नी जेकेलीन केनेडी स्वस्तिक प्रतिकवाले पोषाकमे सज्ज

''केम्प फायर गर्ल" नेटीव

ध चिलोक्को ईन्डियन अग्रीकल्चर स्कुलके बास्केटबोल खिलाडी

''स्वस्तिका -९' गर्लस् फुटबोल टीम"
होन्फर्ड/व्हाईट ब्लफ्फ, वोशिंग्टन, सन १९२५

'' गुड लक सिम्बोल स्वस्तिका"
हेट फेशन

पायलोटका लायसन्स प्राप्त करनेवाली द्वितीय अमेरिकन महिला स्वस्तिक प्रतिक पहने हुए , सन १९१२

अमेरिकन सरकारने नवाजो अमेरिकन ईन्डियन समाजको धाक और धोखेसे उनके परंपरागत स्वस्तिक प्रतिकका त्याग करनेके लीए जाहीरनामे पर हस्ताक्षर करनेके लीए विवश किया गया था। ता. २८-२-१९४०

BY: HEMANT PADHYA

अमेरिकामें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाध्या

शाफ़ेर होटेल, माउन्टेईनेर, न्यु मेक्सिको, सन १९२२

घर पर स्वस्तिक प्रतिक, लोगन स्क्वेर, शिकगो

न्यु योर्कके मकान पर स्वस्तिक

कोर्ट हाउस, बर्मिंगहाम, यु.एस.ए.

ओक्लोहामाओक्लोहामा नेशनल गार्ड, ओक्लोहामा

घर पर स्वस्तिक प्रतिक, २४३ रीवर साईड, वेस्ट ९६ स्ट्रीट, न्यु योर्क लोगन स्क्वेर, शिकगो

अमेरिकाके व्हाईट हाउसमें भी है स्वस्तिक !

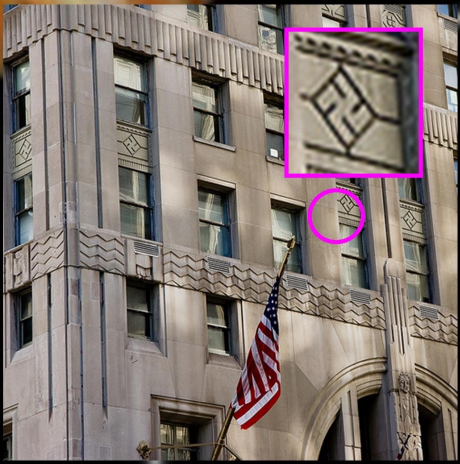

मकान पर स्वस्तिकका प्रतिक, डिट्रॉइट, यु.एस.ए

"रिटायरमेन्ट होम" डेकाटुर, आलाबामा,

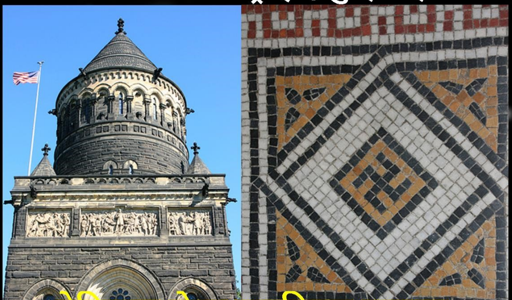

'प्रेसिडन्ट जेम्स गारफिल्ड स्मारक, क्लिवलेन्ड ,ओहायो

BY: HEMANT PADHYA

अमेरिकामें स्वस्तिक

श्री हेमंत न. पाध्या

केलिफोर्निया और अरिझोनाके बीच कोलराडो नदी पर १९०८में बनाये गये गये पुल पर स्वस्तिक

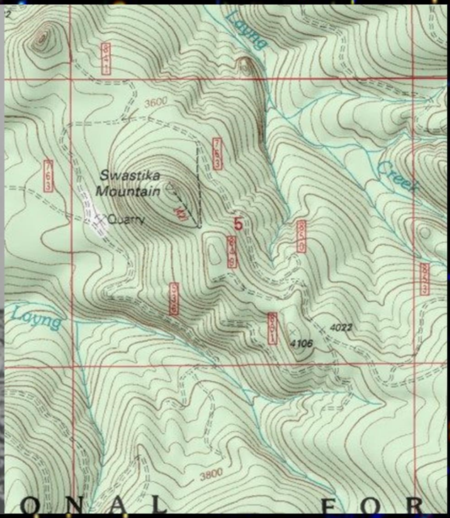

स्वस्तिका पर्वत, तावर लेन काउन्टी, ओरेगोन्ह, यु.एस.ए. के

मि. एड्वर्ड और मिसीस बोकके घरका नाम स्वस्तिका हाउस, मेरियोन, पेन्सिल्वानिया , सन १९१० घरके दरवाजे पर खट्खटानेका हाथा

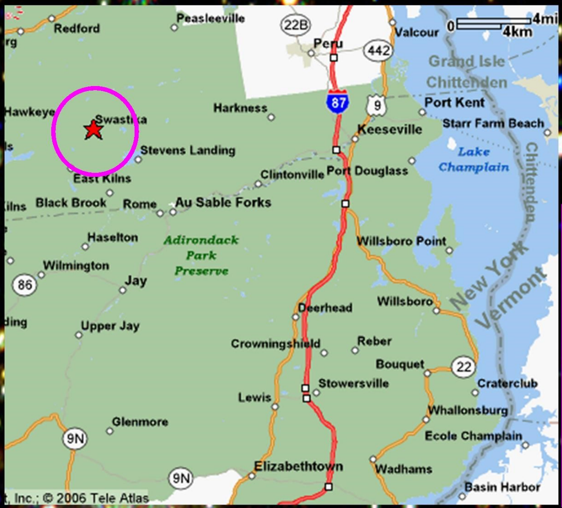

न्यु योर्क राज्यमें ४०० लोगोंकी आबादीवाला एक स्वस्तिका नामका गांवभी है। ३०-७-१९५८का अंतिम पोस्ट्ल स्टेम्प.

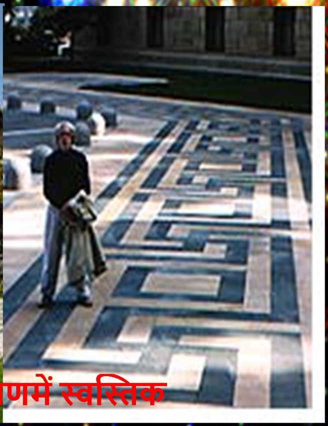

फिलाडेल्फिया म्युझीयम ओफ आर्ट्के प्रांगणमें स्वस्तिक

सेन्ट क्लाउड चर्च पर स्वस्तिक चिन्ह , यु.एस.ए.

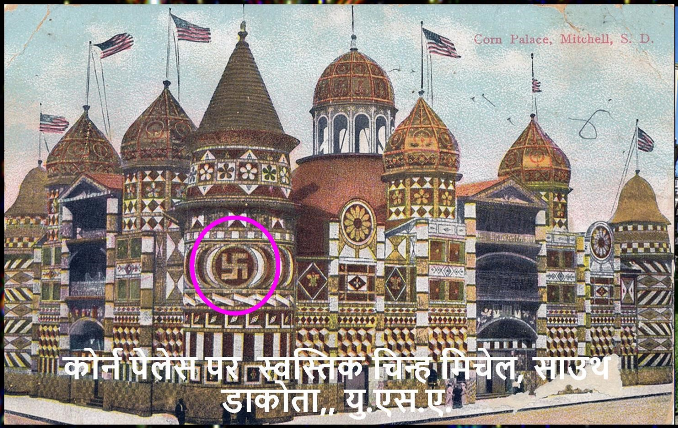

कोर्न पेलेस पर स्वस्तिक चिन्ह मिचेल, साउथ डाकोता,, यु.एस.ए

लेम्प पोस्ट पर स्वस्तिक, सान फ्रान्सिस्को, यु.एस.ए.

अमेरिकामें स्वस्तिक

विश्वयुद्ध पहले अमेरिकन कंपनीओके प्रचारमें स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

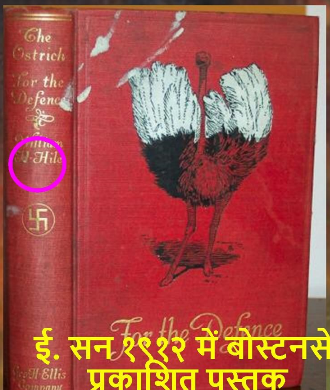

ई. सन १९१२ में बोस्टनसे प्रकाशित पुस्तक

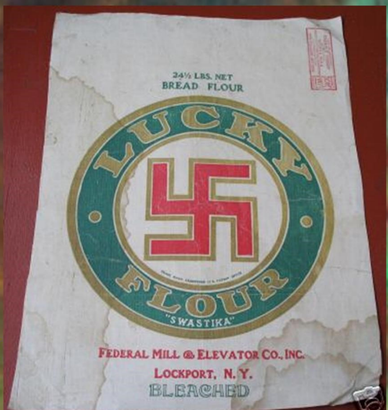

ई. सन १९१२ में बोस्टनसे

ई. सन १९१०की आंटेकी थेली

स्वस्तिका पेतट्रोलीयम कोर्पोरेशन,

टुल्सा रीफाईन्ड ओईल कं.

The KRIT MOTOR CAR CO. Detroit, MI Car Badge

क्रिट मोटर्कार कंपनी डीट्रोईट, मिशिगन, यु.एस.ए.

अमेरिकामें स्वस्तिक

विश्वयुद्ध पहले अमेरिकन कंपनीओके प्रचारमें स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग

सोडा बोटल पर स्वस्तिकका चिन्ह, होम बोटलींग कंपनी टुल्सा, ओक्लोहामा

फर्स्ट नेशनल बेन्ककी पैसा रखनेकी थेली, सालेम, ओहायो,यु.एस.ए.

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत व. पाध्या

अमेरिकामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

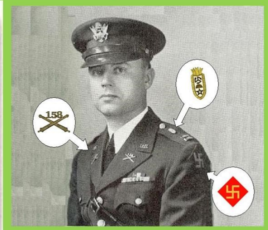

१९२३ से
१९३९ तक

१९३९ से
आज तक

यु.एस. डिपार्टमेन्ट ओफ एग्रिकलचर सदस्यताका बिल्ला

अमरिकाकी ४५ वीं ईन्फेन्ट्री डिविझनके जवानोंका स्वस्तिक चिन्हका शोल्डर पेच १९२३ से १९३९ तक. विश्वयुद्धमें नाझीओंका चिन्ह स्वस्तिक होनेसे उसेके बदले थन्डर बर्ड रखा.

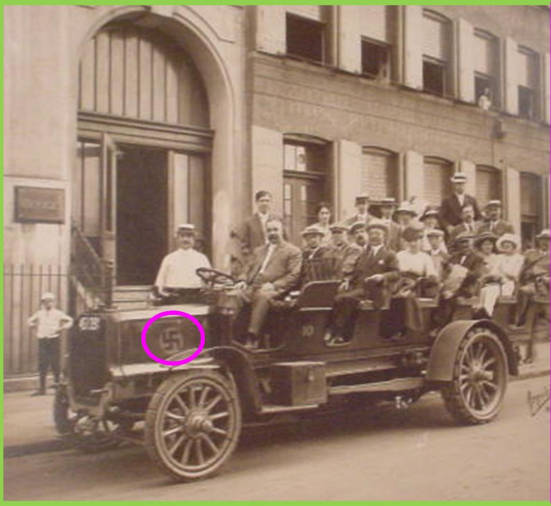

पहले विश्वयुद्धके समयकी ट्रक पर स्वस्तिक चिन्ह, न्यु योर्क

During the 1920s and 1930s, the building was occupied by a Jewish-owned business owned by the Pollock family. The swastikas were patched over during WWII with veneer and revealed many decades later - some time in the 1980s. The owner of the building is using it as a reminder of the swastika's history and trying to

८२२, गेरीसन ईन फोर्ट स्मिथ, आर्कान्सास

स्वस्तिका होटेल, रेन्टोन, न्यु मेक्सिको

६७ एरीझोना स्टेट रूट साईन पर स्वस्तिक

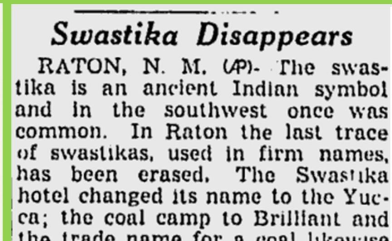

Swastika Disappears

RATON, N. M. (AP)- The swastika is an ancient Indian symbol and in the southwest once was common. In Raton the last trace of swastikas, used in firm names, has been erased. The Swastika hotel changed its name to the Yucca; the coal camp to Brilliant and the trade name for a coal likewise was changed. The city council has changed Swastika avenue to Brilliant avenue.

A SWASTIKA FANCY LUMP
Weight 2755 Pounds

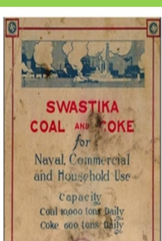

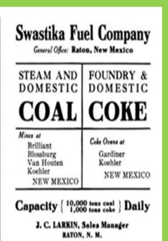

Swastika Fuel Company

General Office: Raton, New Mexico

STEAM AND DOMESTIC COAL | FOUNDRY & DOMESTIC COKE

Mines at Brilliant, Blossburg, Van Houten, Koehler, NEW MEXICO | Coke Ovens at Gardiner, Koehler, NEW MEXICO

Capacity { 10,000 tons coal / 1,000 tons coke } Daily

J. C. LARKIN, Sales Manager
RATON, N. M.

AGENCIES
Awbrey & Semple, El Paso, Tex.
J. L. A. Thomas Coal Company, Dallas, Tex.
Jackson-Walker Coal & Material Co., Wichita, Kan.
Southwestern Coal and Grain Co., Amarillo, Tex.

अमेरिकामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत गा. पाध्या

विश्वयुद्ध पहले अमेरिकन कंपनीओके प्रचारमें स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग

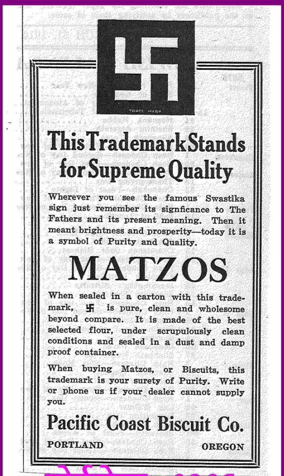

पोर्टलेन्ड, १९१६

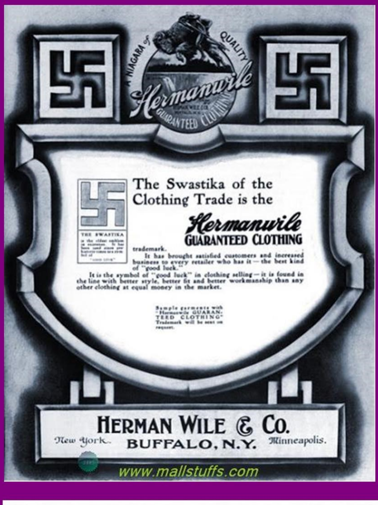

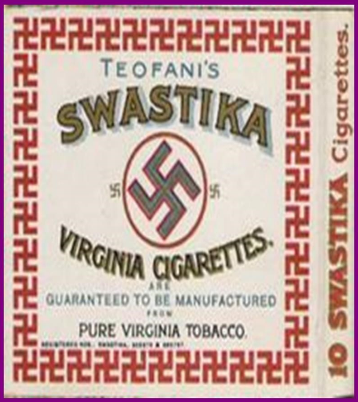

मद्यपान करना हानीकारक है!

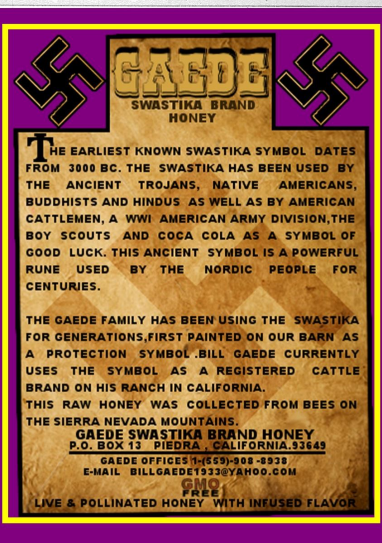

अमेरिकी भूखंडमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN AMERICAN CONTINENT

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

मायन युग का (२००० वर्ष पूर्वका)
स्वस्तिक प्रतिक, मेक्सिको

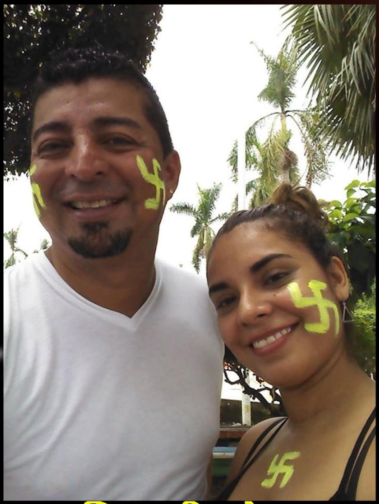

स्वस्तिक प्रतिकसे सजा हुआ
युगल, वेराक्रुझ, मेक्सिको

प्राचिन मायन शहर मायापाससे
पाई गई शिला पर स्वस्तिक
स्वस्तिक प्रतिककी आकृति ,सन
१२२० १४४०

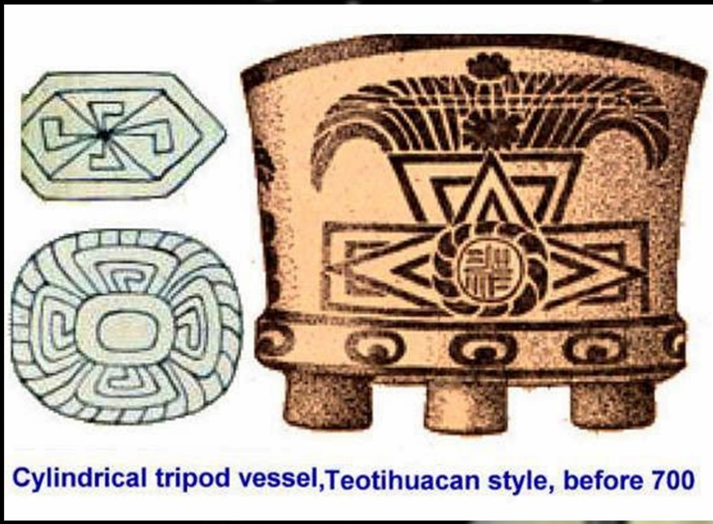

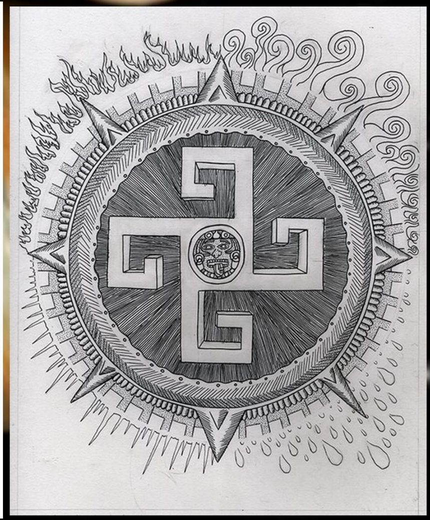

टीऑटीहयुएकन शहरसे प्राप्त प्राचिन बर्तन पर
विविध प्रकारके स्वस्तिकके चिन्ह, मेक्सिको

मेक्सिकोनां राज्य सोनोरा का ‘‘कोट ओफ
आर्म”‘स्वमध्यमें स्तिक प्रतिकसे सजा हुआ

ऍझटॅक स्वस्तिका

टीवानकु संस्कृति के समयके (२३००से
१७०० वर्ष) मीत्तीके बर्तन पर पाये गये
सस्वस्तिका चिन्ह, टीवानकु , पश्चिम

ब्राझिलके एक्रे प्रांतके हुनी कुईन
लोगोंका नेता (टुवे) के पोषाक
पर स्वस्तिकके चिन्ह पश्चिम
ब्राझिल, पेरुकी सिमारेखाके पास.,

२१०० वर्ष प्राचिन मोचे-सिकान
पिरामिड्से मिले घ्स्ड़े पर स्वस्तिक
प्रतिक, लम्बायेक, पेरु

अमेरिकी भूखंडमें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत न. पाध्या

पनामा देशकेभीतर सान ब्लास आईलन्ड्स के कुना जातीके लोगोंका एक स्वतंत्र श देश कुना याला हैं जिनके राष्ट्र्ध्वजमें स्वस्तिकि प्रतिक रख्या गया हैं।

कुना देशभक्तका स्मारक पर स्वस्तिक, उस्तुपु द्विप

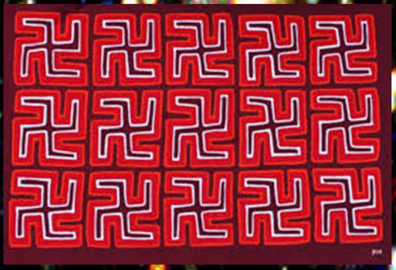

कुना ईन्डियन जातीके लोगोंकी हस्त-कला और कारीगीरीमें स्वस्तिक प्रतिक, कुना याला, पनामा

एक्काडोरके नेटीव ईन्डियन्स अपने परंपरगत प्रतिक स्वस्तिक प्रतिकसे सज कर ईन्ती रेमी त्योहारमें भाग लेते हुए, केटाकाची, एक्काडोर

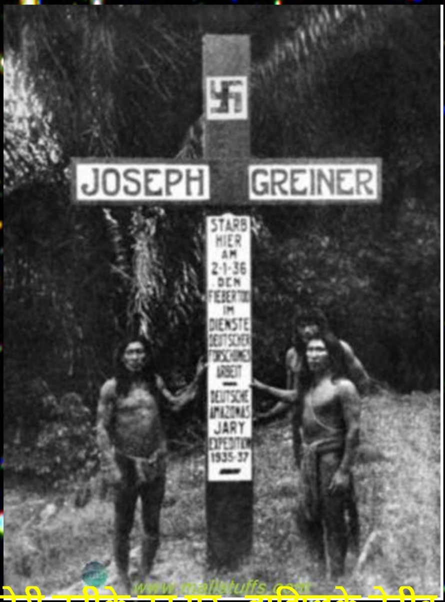

जेरी नदीके तट पर   स्मशानमें कबर पर स्वस्तिक प्रतिक ब्राझिल

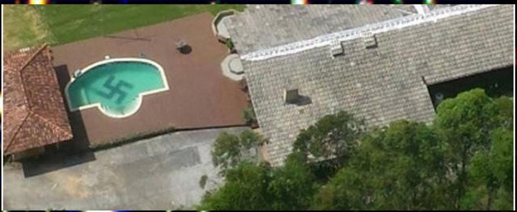

स्विमींग पुलमें स्वस्तिक प्रतिक, पोमेरोदे, ब्राझिल

जेरी नदीके तट पर   ब्राझिलके नेटीव ईन्डियन्स डच संशोधक जोसेफ ग्रेईनरकी कबरके सामने, ब्राझिल

केनेडामें स्वस्तिक

SWASTIKA IN CANADA

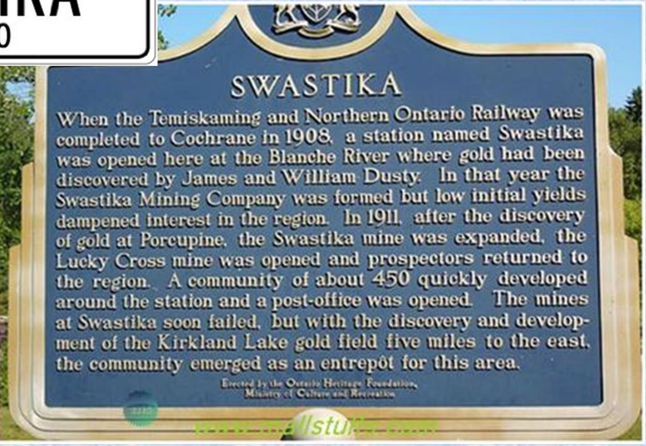

१९०८में जब जेम्स और विलियम डस्टिने ब्लान्चे नदीके आसपास सोनेकी खानको खोज निकाला और यहां पर उन्होंने ''स्वस्तिका माईनींग कंपनी''की शुरुआतकी तो सरकारने उस नदी पर नया रेल्वे स्टेशन शरू किया और उनका नाम 'स्वस्तिका' रखा गया था। धीरे धीरे यहां ४५० लोगों आस पासमें बसने लगे और ये जगह स्वस्तिका गांवके नामसे जानी गई। दूसरे विश्वयुद्धमें नाझीओके स्वस्तिकका दुरोपयोगके कारण युद्ध पर्यंत केनेडाकी सरकारने स्वस्तिका नाम बदलकर विनस्टन चर्चिलके नामसे विनस्टन' रखना चाहती थी मगर स्थानिक लोगोंने उसका सख्त विरोध करके आंदोलन किया और गांवका नाम स्वस्तिका ही चालु रखनेके लीए सरकारको विवश किया था और आज भी ये गांवका नाम 'स्वस्तिका' ही हैं।

स्वस्तिका
रेल्वे स्टेशन

स्वस्तिका
गोल्ड माईन

स्वस्तिका
होटेल
१९३३

''स्वस्तिका''की
शताब्दी
१९०८-२००८

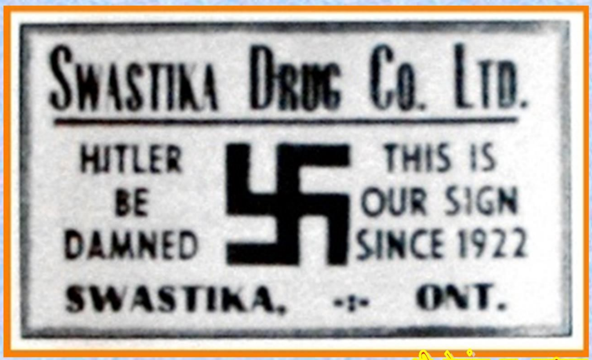

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत ग. पाध्या

केनेडामें स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत म. पाध्या

लडकीओंकी स्वस्तिका होकी टीम, ऍडमोन्टन, सन १९ १६

लडकीओंकी फर्नी स्वस्तिका होकी टीम, ऍडमोन्टन, सन १९ २२

विन्डझर स्वस्तिका होकी टीम, नोव स्कोटिआ सन १९०५-१६

विन्डझर स्वस्तिका होकी टीम-१९१२

आल्बेर्टानी नेटीव अमेरिकन गिर्ल्सका केम्प, केनेडा

केनेडाके स्वस्तिका गांवकी ईतिहासकार केरोलीन ओ'नील

केन्डल होल्डर , ओन्टारीयो, केनेडा

टेबल रनर , नानैमो , केनेडा

कैनैडामैं स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत व. पाध्या

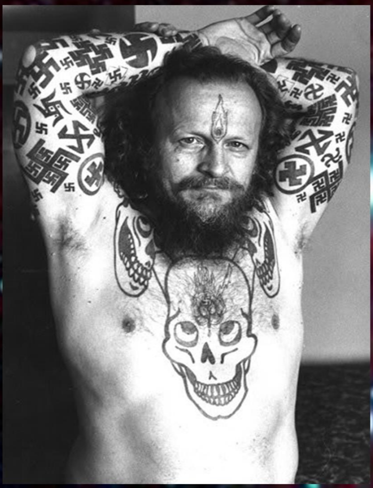

प्राचिन स्वस्तिक प्रतिकके सिद्धांतिक पुनः हककी मांगके जनांदोलन के पिता मि. पेट्रिक चार्लस केम्पबेल (मेनवुमन) सन १९३८ - १९१२

द्वितीय विश्वयुद्ध पर्यंत पश्चिमी देशोमें स्वस्तिक प्रतिकके प्रति तिरष्कार और धुणा फैलाई गई क्युं की क्रुर एवं निर्दयी एडोल्फ हिटलर और उनके सहयोगी नाझीओंने स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग अपनी अमानवीय राजकीय विचारधाराका प्रचार और प्रसार करनेके लीए किया था ! अमेरीका और युरोपियन देशोंने बीना सोचे समझे हिटलर और नाझीओंके साथ स्वस्तिक प्रतिककोभी विश्ववयुद्धके निर्मम नरसंहारके लीए अपराधी ठहराकर और भ्रम फैलाकर स्वस्ति प्रतिकको बहिष्कार करनेकेकी विश्वके लोगोंको हाकल लगाई थी। हजारों वर्षोसे सारे विश्वमें पुजनीय, आदरणिय और सन्माननिय एवं शुभ, मंगल ,लाभ, कल्याण और सौभाग्यके प्रतिक स्वस्तिकको पश्चिमके देशोंने द्वितिय विश्वयुद्ध पर्यंत उसे एक भयानक, आतंकी, घातक, खूनी, वर्णवादी और तिरस्कारके कलंकित प्रतिकके रूपमें प्रदर्शित करके स्वस्तिक प्रतिकके विरोधमें एक कुटिल अभियान चला याग था जीससे विश्वके नववयुवानों और आगंतुक पीढीके मनमें स्वस्तिक प्रतिकके प्रति धृणा और तिरस्कार उत्पन्न हो। द्वितीय विश्वयुद्ध पर्यंत स्वस्तिक प्रतिक पर अमेरीका, ब्रिटन और अन्य युरोपके देशोंके ठोपे गये कलंक और बदनामीको मिटाकर प्राचिन स्वस्तिक प्रतिककी हजारों वर्षोंकी प्रतिष्ठा,सन्मान, पवित्रता, दिव्यता और गौरवको पुनःप्रस्थापित करानेके अभियानमें केनेडाके नागरीक मि. पेट्रिक चार्लस केम्पबेल (मेनवुमन)का योगदान महत्व और गणना पात्र रहा हैं। पश्चिमके देशोमें स्वस्तिक प्रतिकेके प्रति भ्रामिक, अयोग्य और अनैतिक दुशप्रचार, तिरस्कार और धृणाके सामने उसने सर्वप्रथम संग्राम छेडा था और वो अपने ध्येयको परिपूर्ण करनेके लीए मृत्यु पर्यंत झझुमते रहे थे। मि. पेट्रिक एक कवि, लेखक और चित्रकार थे । उन्होंने अपने शरीर पर २०० प्राचिन स्वस्तिक प्रतिकोंके टाटुस भी बनवाये थे और विश्वमें प्रवास करके स्वतिककी हजारों कलाकृतिओंका संग्रह करके अपने केनब्रूक, केनेडा स्थित घरमें संग्रहस्थान भी बनाया हैं। वो एक विवादास्पद थे मगर उनका स्वस्तिकके प्रति आदर और पश्चिममें प्राचिन स्वस्तिक प्रतिकके पुनः उद्धारका उनका जीवनकर्तव्य और अथाग प्रयत्न अत्यंत प्रशंशनीय और हिम्मतवान हैं।

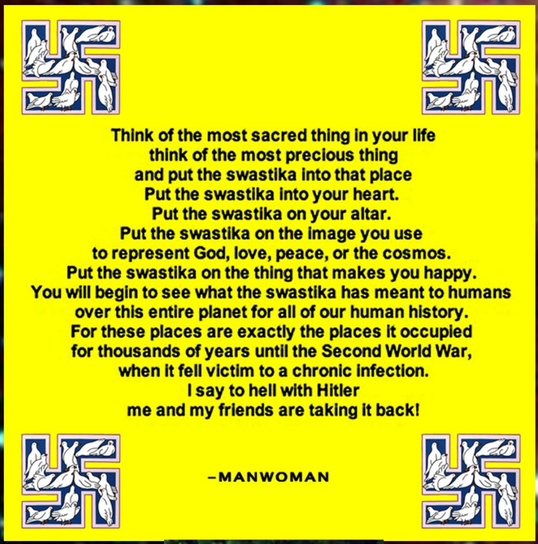

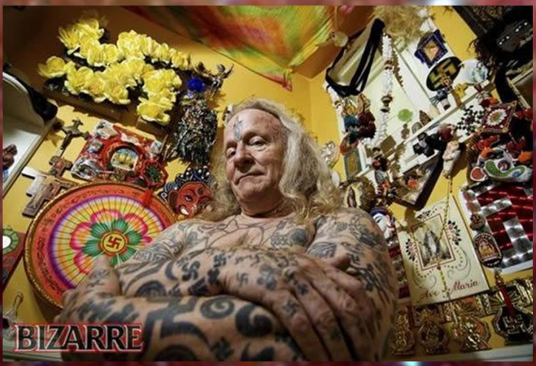

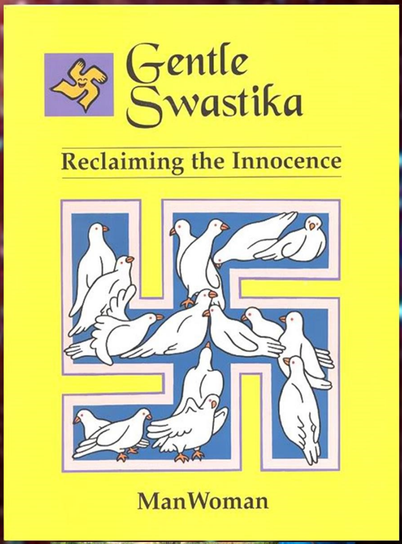

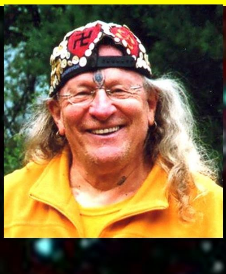

प्रारंभिक लेखन पध्धतिमें स्वस्तिक

SWASTIKA IN EARLY WRITING SYSTEM

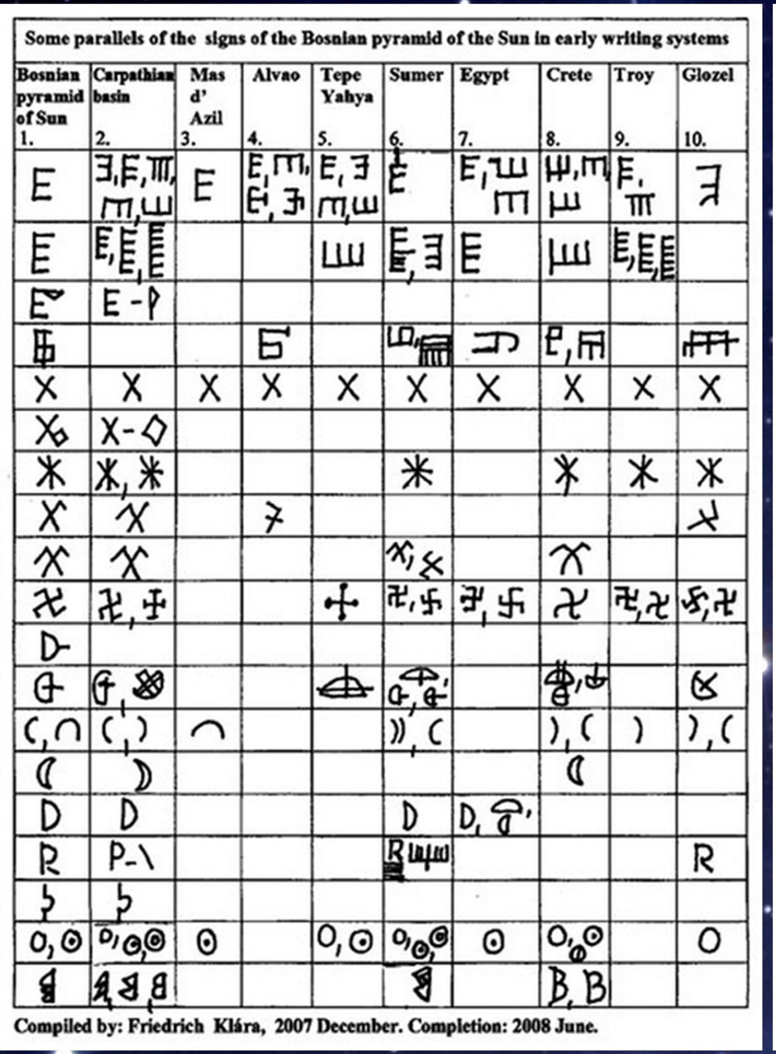

विश्वमें विविध स्थानोंके पिरामीडकी लिपीओंकी समानता

भारतकी सिंधु संस्कृति ईस्टर आईलेन्ड्की लिपीओंकी समानता और स्वस्तिक प्रतिक

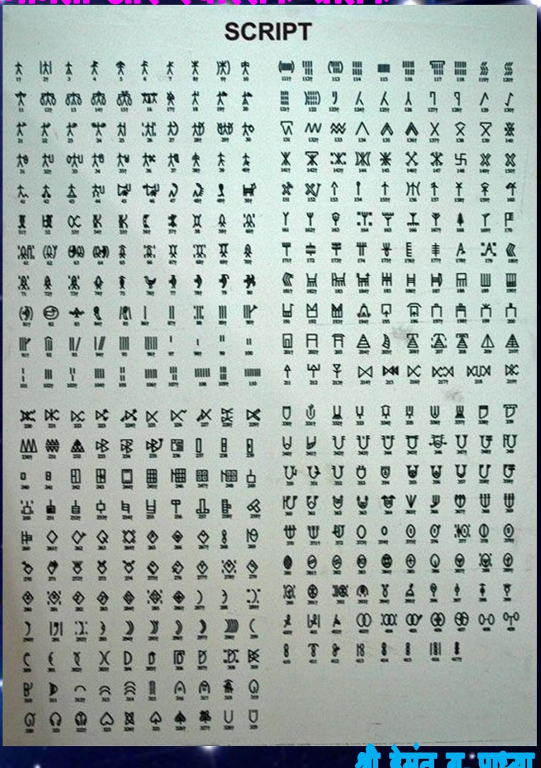

युरोपियन/वीन्का/डानुबे लिपी

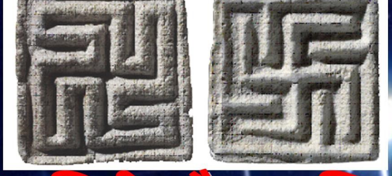

सिंधु लिपी और स्वस्तिक

BY: HEMANT PADHYA

श्री हेमंत न. पाध्या

विश्वकी विविध भाषाओमें

स्वस्तिक

swastika in Afrikaans: **swastika**	swastika in Arabic: **صليب مَعْقوف**
swastika in Bulgarian: **свастика**	swastika in Brazilian: **suástica**
swastika in Czech: **svastika, hákový kříž**	swastika in German: **das Hakenkreuz**
swastika in Danish: **hagekors**	swastika in Greek: **αγκυλωτός σταυρός, σβάστι**
swastika in Spanish: **esvástica, cruz gamada**	swastika in Estonian: **haakrist**
swastika in Farsi: **سواستیکا**	swastika in Finnish: **hakaristi**
swastika in French: **croix gammée**	swastika in Hebrew: **צְלַב קֶרֶס**
swastika in Hindi: **स्वास्तिक**	swastika in Croatian: **kukasti križ, svastika**
swastika in Hungarian: **horogkereszt**	swastika in Indonesian: **swastika**
swastika in Icelandic: **hakakross**	swastika in Italian: **svastica**
swastika in Japanese: かぎ十字	swastika in Korean: **만자(卍字)**
swastika in Lithuanian: **svastika**	swastika in Latvian: **svastika; kāškrusts**
swastika in Malay: **swastika**	swastika in Dutch: **hakenkruis**
swastika in Norwegian: **hakekors**	swastika in Polish: **swastyka**
swastika in Persian: **سواستیکا**	swastika in Pashto: **سواستیکا**
swastika in Portuguese: **cruz gamada**	swastika in Romanian: **zvastică**
swastika in Russian: **свастика**	swastika in Slovak: **svastika, hákový kríž**
swastika in Slovenian: **kljukasti križ**	swastika in Serbian: **kukasti krst**
swastika in Swedish: **svastika**	swastika in Thai: **เครื่องหมายนาซี**
swastika in Turkish: **gamalı haç**	swastika in Taiwanese: 納粹黨徽，納粹黨所用的十字記號
swastika in Ukrainian: **свастика**	swastika in Urdu: ایک پرانا شمسی نشان، نازی
swastika in Vietnamese: **chữ vạn, chữ thập ngoặc**	swastika in Chinese: 纳粹党徽，纳粹党所用的十字记号

SWASTIKA

WRITTEN IN DIFFERENT LANGUAGES OF THE WORLD.

विविध आकृतिके स्वस्तिक प्रतिक।

DIFFERENT DESIGNS OF SWASTIKA

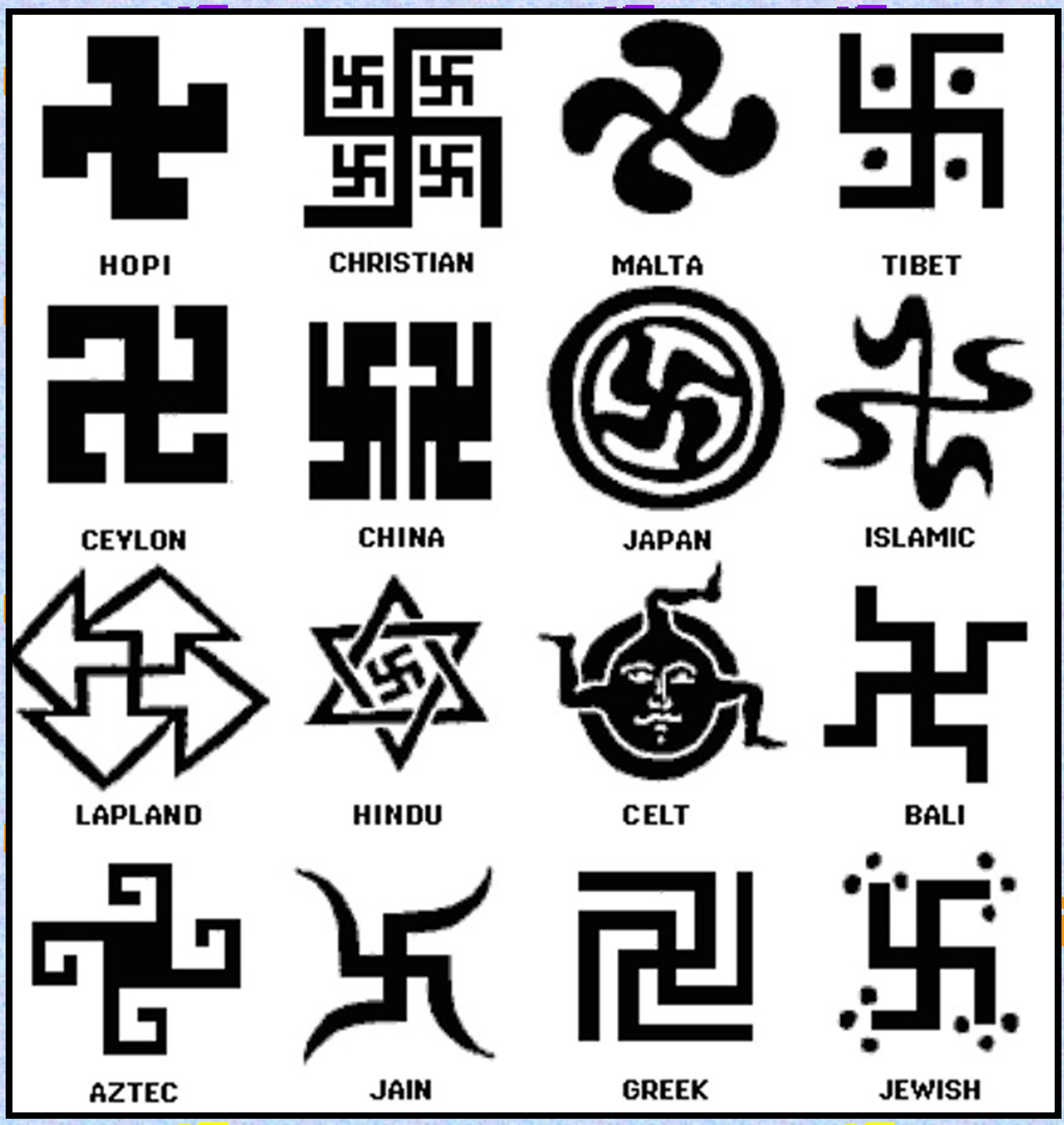

विविध आकृतिके स्वस्तिक प्रतिक।

DIFFERENT DESIGNS OF SWASTIKA

DIFFERENT DESIGNS OF SWASTIKA

विविध आकृतिके स्वस्तिक प्रतिक।

आर्य, वेदीक या हिंदु धर्ममें स्वस्तिक

SWASTIKA IN ARYA, VEDIK OR HINDU DHARMA

विश्वके अत्यंत प्राचिन आर्य,वेदीक या हिंदुधर्म और संस्कृतिमें स्वस्तिक प्रतिकका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण, सन्माननिय और पूजनीय रहा हैं।आर्यधर्म, उनके संप्रदायों और विविध विचार्धाराओंमें स्वस्तिकको शुभ, लाभ, मंगल, पावन, पवित्र और सुख, सौभाग्य, समृद्धि,शुभेच्छा,शुभकामना एवं आध्यात्मिक और भौतिक शक्तिका प्रतिक माना गया हैं। आर्य धर्मकी आस्थानुसार स्वस्तिक एक दैवी प्रतिक है जीसमें देव-देवीयां बसे हुए हैं ईसीलीए उसे त्रिदेव (ब्रह्मा,विष्णु,महेश) और त्रिदेवी(सरस्वति, लक्ष्मी, पार्वती)का स्वरूप या तो शिव-शक्तिका स्वरूप माना गया हैं। स्वस्तिक प्रतिकको शिव-शक्तिके सर्जन श्री गणेशजीका साक्षात स्वरूप माना गया हैं क्युंकी वो विघ्नहर्ता, दुखहर्ता, सुखकर्ता हैं। स्वस्तिक श्री गणेशजीका प्रतिक होनेसे आर्य,वेदीक या हिंदुधर्मकी हर धार्मिक विधीओमें और संस्कारोमें स्वस्तिक प्रतिकका स्थान सर्वोपरि एवं सर्वप्रथम होनेसे हर धार्मिक विधीका प्रारंभ कुमकुमसे बनाई गई स्वस्तिक प्रतिककी आकृतिकी पूजा,अर्चना और उपासनासे ही शरु होता हैं। हिंदुधर्ममें स्वस्तिक धर्म, अर्थ, कर्म और मोक्ष प्राप्तिका प्रतिक हैं। विश्वमें आर्यधर्मका ये स्वस्तिक ही एक ऐसा अनोखा, अलौकिक और अद्वितिय प्रतिक हैं जीसे जगतके हर धर्मों, संस्कृतिओं, परंपराओं, कलाओं और जातीओंने हजारों वर्षोंसे सहर्ष स्विकार किया हैं।

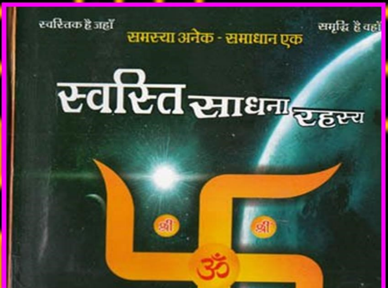

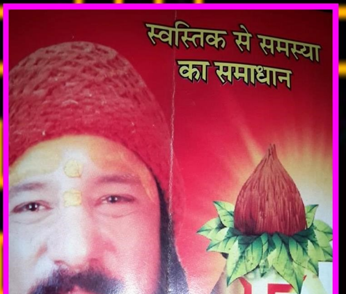

श्री हेमंत ग. पाध्या

आर्य, वेदीक या हिंदु धर्ममें स्वस्तिक

SWASTIKA IN ARYA, VEDIK OR HINDU DHARMA

विवाह संस्कार

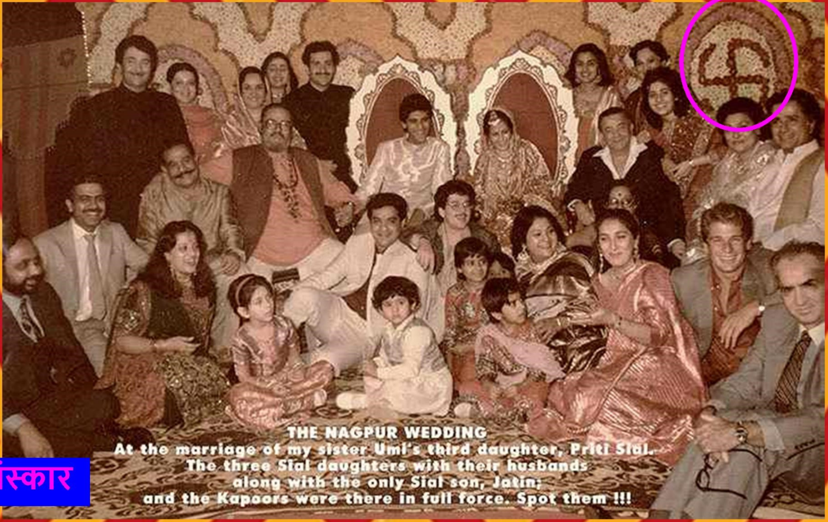

यज्ञोपवित संस्कार

श्री हेमंत ग. पाध्या

आर्य, वैदीक या हिंदु धर्ममें स्वस्तिक

श्री हेमंत ग. पाण्ड्या

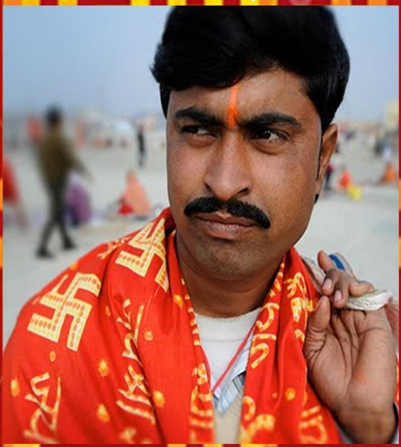

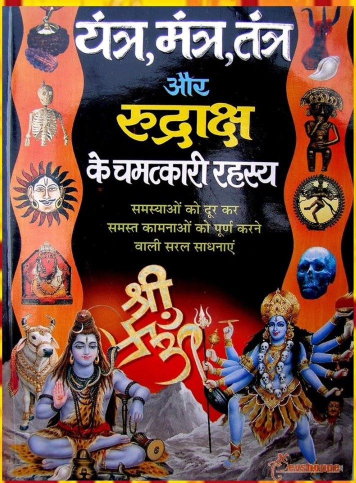

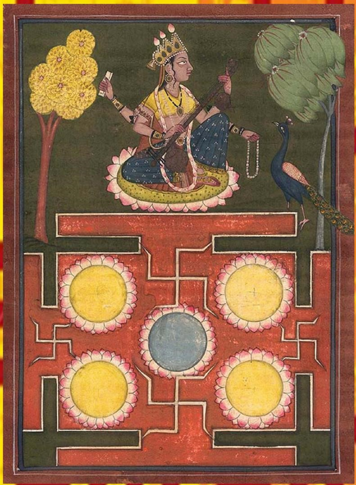

स्वस्तिक श्री गणेशजीका प्रतिक हैं।

SWASTIKA

is

The Symbol of Lord Ganesh.

BY: HEMANT PADHYA

स्वस्तिक ब्रह्मा, विष्णु और महेशका चिन्ह हैं।
त्रिदेव
BY: HEMANT PADHYA
श्री हेमंत ग. पाध्या
Swastika is the symbol of Brahma Vishnu & Mahesh.

स्वस्तिक

माता पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वतीका प्रतिक हैं।

त्रिदेवी

Swastika is the symbol of Parvati, Lakshmi & Sarasvati.

BY: HEMANT PADHYA

SWASTIKA

Is The Symbol of Shiva & Shakti.

स्वस्तिक

श्री शिव-शक्तिका प्रतिक हैं।

BY: HEMANT PADHYA

स्वस्तिक प्रतिक क्या हैं ?

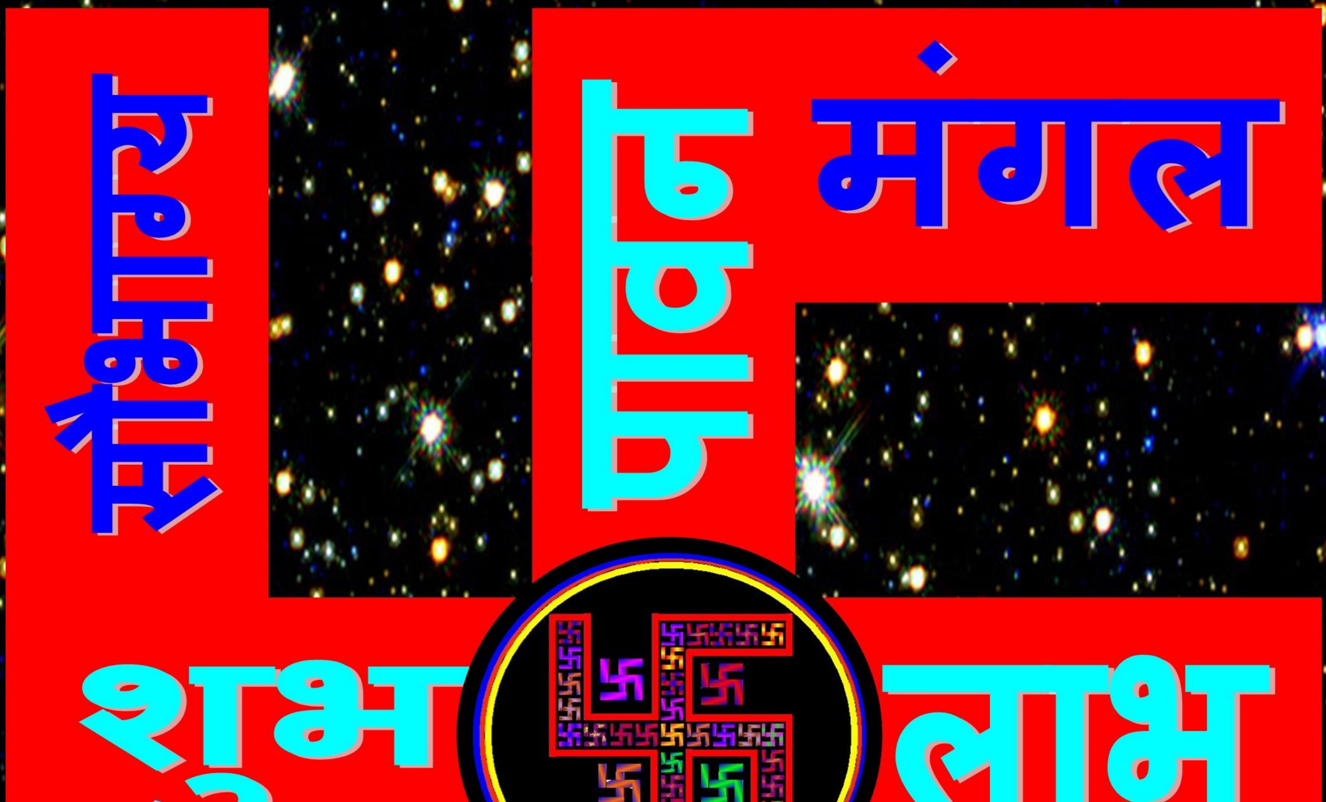

॥ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः॥

।। ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ।।
ॐ
श्रीं
ह्रीं
स्वं
।। ॐ श्री गणेशाय नमः ।।

जैनधर्ममें स्वस्तिक

SWASTIKA IN JAINISM

BY: HEMANT PADHYA

जैन धर्ममें स्वस्तिक प्रतिकका स्थान आर्य, वेदीक या हिंदु धर्मकी तरह ही अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैन धर्ममें स्वस्तिकको सांतवे तिर्थंकर श्री सुपार्श्वनाथके चिन्हके रूपमें माना जाता हैं । आर्य धर्म और उनके अन्य संप्रदायोंकी तरह जैन धर्ममें भी स्वस्तिकको शुभ, लाभ, मंगल, पावन, पवित्र और सुख, सौभाग्य, समृद्धि और आध्यात्मिक शक्तिका प्रतिक माना जाता हैं। जैनधर्मके अष्ठमंगल प्रतिकोंमें स्वस्तिक प्रतिक का मुख्य स्थान हैं और उसे साथियोके नामसे भी जाना जाता हैं। जैन धार्मिक विधीओमें स्वस्तिक प्रतिकका स्थान सर्वोपरि एवं सर्वप्रथम हैं । हर धार्मिक विधीका प्रारंभ और पूर्णाहुति चावलसे स्वस्तिक प्रतिक बनाकर उनकी उपासनासे होता हैं। विविध रंगोंमें रंगे चावलसे बनाई गई स्वस्तिक आकारकी रंगोलीके राहूली नामसे जाना जाता हैं। जैनधर्मके तत्वज्ञान अनुसार स्वस्तिक जीवन-मृत्युके वैश्विक कालचक्रका सद्रष्य प्रतिक हैं जो साधकको जीवन-मृत्युके चक्रसे मूक्ति पाकर निर्वाण प्राप्त करनेकी भावनाकी पूर्तीकेलीए सदा याद दीलाकर उसे ईस मार्ग पर प्रेरीत करता हैं। जैनधर्ममके अनुसार स्वस्तिककी चार भूजाएं दान, शील, तप और सम्वेग प्रदर्शित करते हैं।

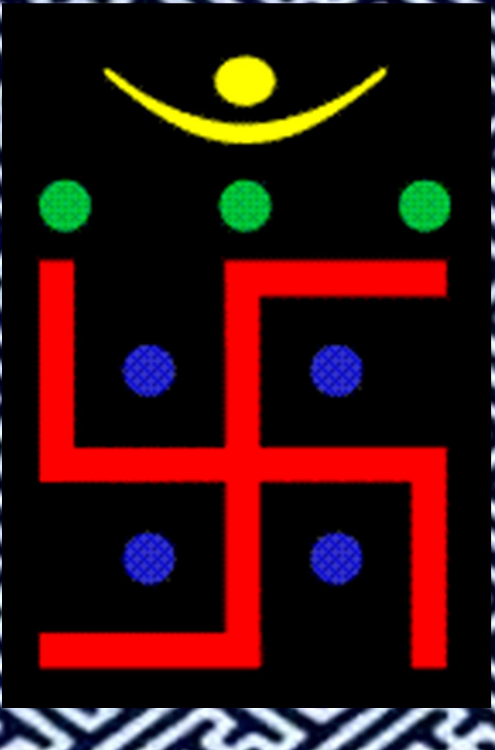

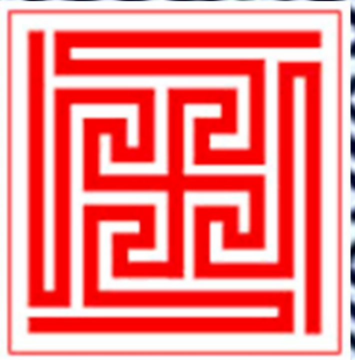

जैनधर्ममें स्वस्तिक

SWASTIKA IN JAINISM

BY: HEMANT PADHYA

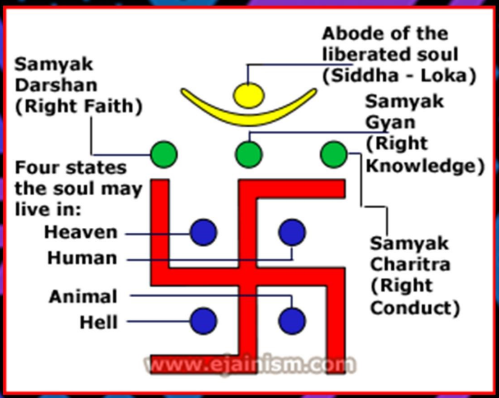

जैन रोहूली

जैन विज्ञप्ति पत्रमें अष्टमंगल

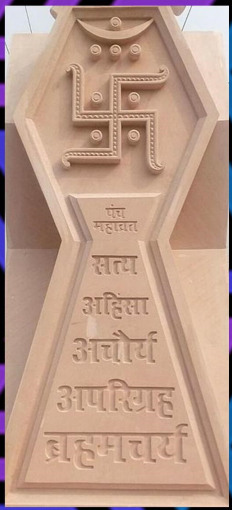

कुशाण युग्का जैन अष्टमंगल,मथुरा

जैन मंदीर पर स्वस्तिक, जबलपुर

जैन साध्वीजी

जैन स्वस्तिक- ॐकार यंत्र

परेशनाथ मंदीर, कलकत्ता

स्वस्तिक
जैन धर्मका प्रतिक हैं।
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
अहिंसा
SWASTIKA IS A SYMBOL OF JAINISM.
नवकार महामंत्र
नमो अरिहंताणं
नमो सिद्धाणं
नमो आयरियाणं
नमो उवज्झायाणं
नमो लोए सव्वसाहूणं
एसो पंच नमुक्कारो, सव्व पावप्पणासणो।
मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं॥
जीओ और जीने दो

I LOVE

SWASTIKA

THE SYMBOL OF GOOD LUCK & WELLBEING

BY : HEMANT G. PADHYA

बौध धर्ममें स्वस्तिक

SWASTIKA IN BUDDHISM

श्री हेमंत ग. पाध्या

बौध धर्ममें स्वस्तिक प्रतिकका स्थान आर्य, वेदीक या हिंदु धर्मकी तरह ही अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बौध धर्ममें स्वस्तिकको सोत्थिका और सोत्थिया नामसे भी जाना जाता हैं। श्री गौतम बुद्धके चरणोंमें अंकित ६५ मंगलमय प्रतिकोंमें स्वस्तिक प्रतिकका स्थान सर्वोपरि एवं सर्वप्रथम हैं । बौध धर्ममें स्वस्तिकको बुद्धके हृदयका चिन्ह माना जाता है इसीलिये बुद्धकी प्रतिमाओं पर स्वस्तिक प्रतिकको उनके वक्षस्थल पर अंकित किया जाता हैं। बौध धर्मके धर्मगंथोंके लेखन का प्रारंभ स्वस्तिक प्रतिकसे ही किया जाता हैं । आर्य धर्मकी तरह बौध धर्ममें भी स्वस्तिकको शुभ, लाभ, मंगल, पावन, पवित्र और सुख, सौभाग्य, समृद्धि और आध्यात्मिक शक्तिका प्रतिक माना जाता हैं। चीनके बौध संप्रदायोंमें स्वस्तिकको अनंतता, अनेकता और दिर्घायुका प्रतिक माना जाता हैं। बौध धर्ममें स्वस्तिक ’धर्मचक्र’को भी अभिव्यक्त करता हैं।

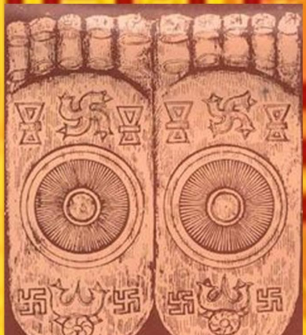

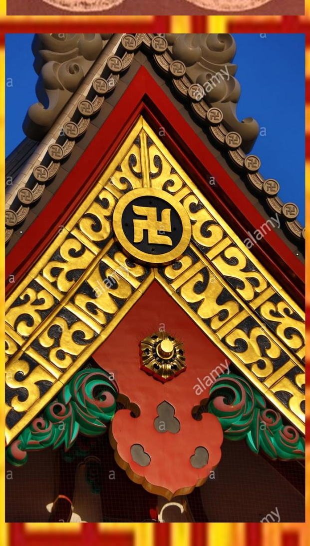

स्वस्तिक
स्वस्तिक बौध धर्मका प्रतिक हैं।
बुद्धम् शरणम् गच्छामि।
धर्मम् शरणम् गच्छामि।
ब्रह्मम् शरणम् गच्छामि।
संघम् शरणम् गच्छामि।
SWASTIKA IS A SYMBOL OF BUDDHISM

यहूदी धर्ममें स्वस्तिक

SWASTIKA IN JUDAISM

यहुदीधर्म पश्चिम जगका अति प्राचिन धर्म हैं । ख्रिस्तिधर्म और ईस्लाम धर्मके तत्वज्ञान और परंपराका महद अंश यहुदीधर्म पर अवलंबित हैं। यहुदीधर्मके प्राचिन सिनागोगोमें स्वस्तिक प्रतिक का उपयोग सहज था जो उनके प्राचिन अवशेषोसे प्रमाणित होता हैं। जर्मनीमें हिट्लर और उन्के नाझि पक्षके शाशन युग लाखों यहुदीओंपे हुए निर्मम अत्याचार ओर यातनाओके कारण यहुदी समाजके मनमें हेकनकृझ याने स्वस्तिक प्रतिकके प्रति अत्यत धृणा और तिरस्कार हो गया क्युंकी हिट्लर और उन्के नाझिपक्षने 'हेकनकृझ'को अपनानीअपने पक्ष और विचार्धाराका मुख्य चिन्ह बनाया था। द्वितिय विश्वयुद्धके समय यहुदीओं पर कीए गये अमानवीय अत्याचारों के कारण यहुदीओका आक्रोश और तिरस्कार स्वाभाविक हैं मगर पस्चिमके क्रिश्चियन देशोंके प्रभावमें आर्य , वेदीक या हिंदु धर्मके सर्वश्रेष्ठ और महान प्रतिक स्वस्तिकको भी दोषत ठहराकर स्वस्तिक प्रतिकको अपमानित और दंडीत करना भी योग्य नहि हैं क्युंकी हजारों सालोंसे हर धर्म, संस्कृति. जाती और कलामें आदरणिय, माननिय, वंदनिय और पूजनीय स्वस्तिक प्रतिककी प्रतिभा कॉई पागल व्यक्तिके दूरोपयोगसे कम नहिं हो जाती । आज स्वस्तिक प्रेमी कार्यकर्ता एवम धर्माचार्योंके अथाग प्रयत्नोंसे स्वतिक प्रतिक के प्रति यहुदी समाजके तिरस्कार, विरोध और वैमन्स्यकी भावनामें परिवर्तन लानेमें महद अंश तक फलता प्राप्त हो रही हैं और आज कई यहुदी धर्मकी वेब साईट पर आर्य धर्मके महन प्रतिक्के बारेमें सत्य जानकरी उपलब्ध कराके शुभ, लाभ, सौभाग्य एवम परमार्थके प्राचिन प्रतिक स्वस्तिकके बारेमें अधिक जानकारी उपलब्ध कराई जार ही हैं जो नवागंतुक पीढीको प्राचिन स्वस्तिक प्रतिककी महत्ता और महानताके बारेमें सत्य समझाकर उन्हें भ्रमित होनेसे रोक शके।

© dreamstime.com

यहूदी धर्ममें स्वस्तिक

अरामैक ज्यु शब्दोंके साथ मध्यमें अक्षर 'आलेफ' - कबाला स्वस्तिक

१८०० वर्ष प्राचिन सिनागोग्मेंगमें स्वस्तिक प्रतिक, केपर्नोम, ईझराईल

१६०० वर्ष प्राचिन मूझ हैमकी ज्यु सिनागोगके अवशेषशमें स्वस्तिककी मोझैइक,गोलान हाईट्स

हुब्रु स्वस्तिक आर्ट

यहुदीधर्म का प्रतिक मीनोराह(हनुक्काह) और स्वस्तिक साथमें, सुस्या, वेस्ट बेन्क ,

यहुदीधर्म (जुडैझम) का प्रतिक मीनोराह(हनुक्काह) और स्वस्तिक

श्री हेमंत म. पाध्या

ईस्लाममैं स्वस्तिक

SWASTIKA IN ISLAM

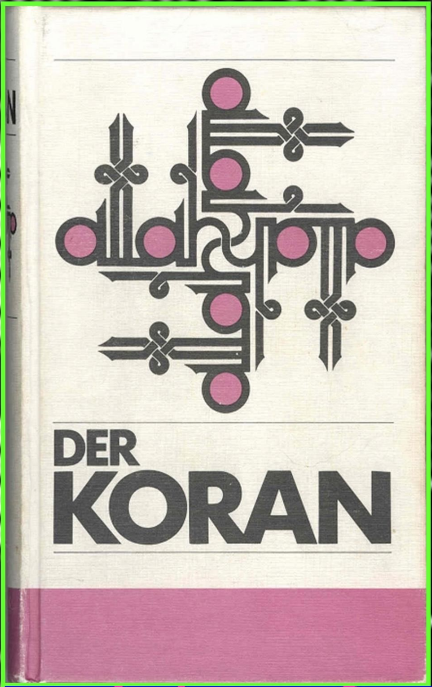

कुरानकी जर्मन प्रत पर स्वस्तिक,

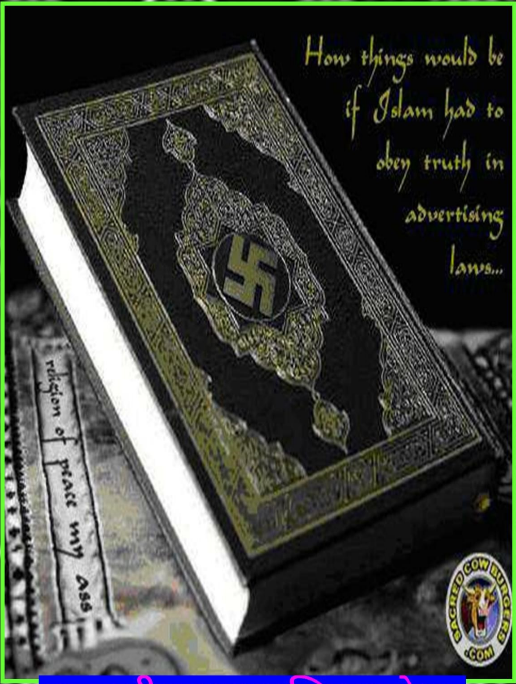

कुरानकी प्रत पर स्वस्तिक प्रतोक ,

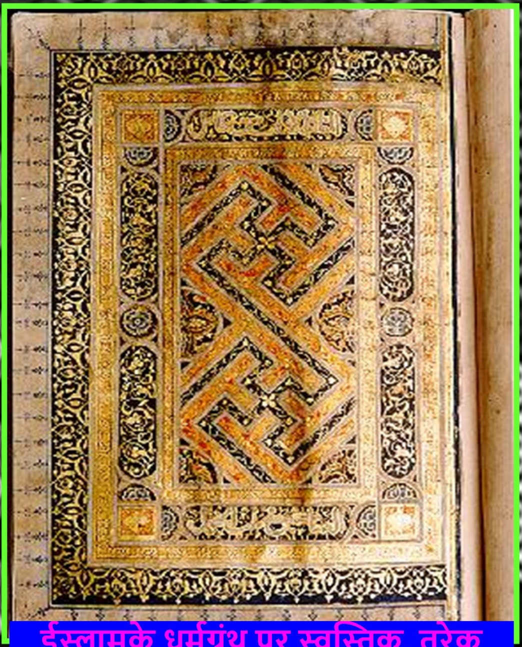

ईस्लामके धर्मग्रंथ पर स्वस्तिक, तरेक रजाब म्युझियम,हवेल्ली, कुवैत

मस्जिदके स्तंभ पर स्वस्तिक. खिवा, उझबेकिस्तान

ईरानमें यझ्द शहरके अमीर चकमखमें स्वस्तिक

ईरानमें यझ्द शहरकी मस्जिदमें स्वस्तिक

दियाबाकीर,तुर्की

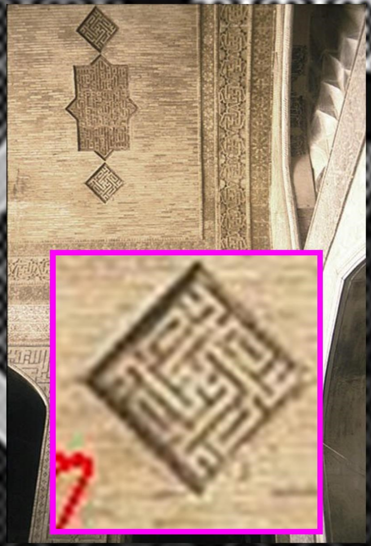

मस्जिद ई कल्यान, उझबेकिस्तान

११०० वर्ष प्राचिन कोर्डोबाकी मस्जिद, एन्डालुस,स्पेन

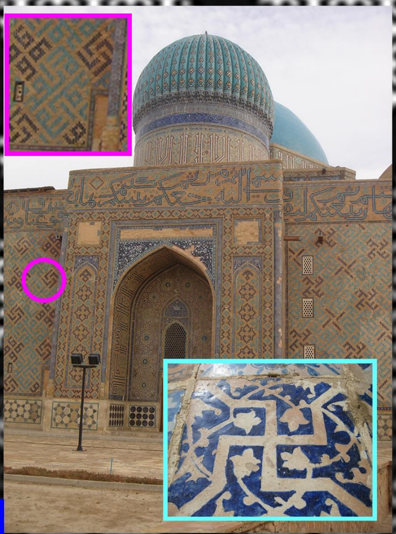

ख्रिस्ती धर्ममें स्वस्तिक
SWASTIKA IN CHRISTIANITY

श्री हेमंत न. पाध्या

ख्रिस्ती धर्म या क्रिश्चियन धर्ममें स्वस्तिक प्रतिका का उपयोग एक शुभ, मंगल एवम लाभदायी प्रतिकके रूपमें ख्रिस्ती धर्मके जन्म समयसे पहलेसे ही हजारों सालोंसे चला आ रहा हैं ! स्वस्तिक प्रतिक युरोप और अन्य देशोंके प्राचिन चर्चोमें, मृत व्यक्तिके स्मारकों पर पाये जाते हैं! बेथ्लेहेममें ईशु ख्रिस्तकी(जीसस क्राईस्ट) जन्म स्थली 'ध चर्च ओफ नेटीईटी' पर स्वस्तिकके कई दायें और बायें प्रकारके चिन्ह अंकित किये हुए हैं! क्रिश्चियन धर्मके लोगोंमें क्रिस्ट्मस, जन्मदिन और अन्य शुभेच्छापत्रों पर स्वस्तिक प्रतिक दुसरे विश्वयुद्ध तक अवश्य अंकित होता था ! ख्रिस्ती धर्मके लोग स्वस्तिक प्रतिक वाले गहने 'लकी चार्म' के रूपमें शरीर पर परिधान करते थे । ख्रिस्ती धर्म या क्रिश्चियन धर्मके ईतिहासमें स्वस्तिक प्रतिका प्रयोग दुसरे विश्वयुद्ध तक माननिय, आदरणीय, सन्माननिय, सामान्य और सर्वमान्य था !

क्राईस्ट चर्च केथेड्रल, ओक्षफर्ड

एग्रीस केथेड्रल फ्रान्समें बिशोप राओल बौमोके १२वीं सदीके चित्रमें झभ्भे और मुकुट पर

सेक्रेड हार्ट ओफ जीसस चर्च, स्लोबोड्का. बेलेरुस, रशिया

ख्रिस्ती धर्मकी राजधानीके वेटीकन म्युझियममें स्वस्तिक , ईटाली

वोल्टर फ्रीलेन्डे सन १३६०, ओकहाम, यु.के.

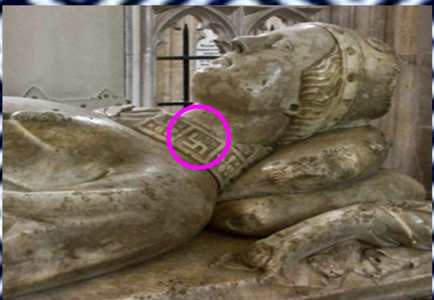

क्रिश्चियन धर्म और पश्चिमके क्रिश्चियन देशोंका

श्री हेमंत ग. पाध्या

दुसरे विश्वयुद्धमें हिट्लरने अपने नाझि पक्षका जो प्रतिक 'हेकेनकृझ' अपनाया था जीसका अंग्रेजी शब्दार्थ 'हूक्ड क्रोस(hooked cross) होता हैं। आर्य धर्मके प्रतिक जैसे ईस प्रतिकको हिट्लरने और उनके नाझि सहयोगिओंने कभी भी उसे स्वस्तिक नामसे संबोधित किया नहिं था । हिट्लरने 'हेकेनकृझ' के अलावा 'क्रिश्चियन धर्मके क्रोस' का भी नाझि विचारधाराका प्ररचार-प्रसारके लीए उपयोग किया था और उनके अभियानमें क्रिश्चियन चर्चोंका भी बडा योगदान रहा था। दुसरे विश्वयुद्धमें हिट्लर और उनकी नाझि सेनाके अमानवीय अत्याचारोंके लीए ब्रिटन, अमेरिका और युरोपके क्रिश्चियन देशोंने हिटलर,नाझि विचारधारा और उनके एक ही प्रतिक हेकेनकृझ' को ही आर्य, वेदीक या हिंदु धर्मके पवित्र प्रतिक 'स्वस्तिका'का नाम ठोप कर और उसे दोषी, कलंकीत, दुष्ट, भयानक, आतंकी ठहराकर उनके विरुद्ध आंतरराष्ट्रिय राजकीय अभियान छेडा और अपने ही धर्मकी प्रतिष्ठको बचाने उन्होंने 'क्रोस' पर कोई दोष न लगाके उसे बक्ष दीया था। जो ब्रिटन, अमेरिका और युरोपके क्रिश्चियन देशोंका आर्य धर्म और उनकी उपशाखाओंके प्रति धृणात्मक भेदभाव रखकर उसे बदनाम करनेका सोचासमझा और चालाक शडयंत्र हैं। द्वितिय विश्वयुद्धंमें हिट्लर और नाझिओंके अत्याचारोंसे पिडीत ज्यु समाजके लोगोंकी यातनाके लीए सभी हिंदुओंको अत्यंत सहानुभूति हैं मगर विडंबनाकी बात तो ये हैं कि हिट्लरके कातील अत्याचारोंका भोग बना ज्यु समाज भी पश्चिमी क्रिश्चियन देशोंकी चुंगलमें फंस गया और स्वस्तिका नाम और प्रतिकके प्रति अपने रोष प्रदर्शित करनेमें बीना प्रश्न किये ही सामिल हो गया। कभी सोचा या पुछ भी नहिं की पूरे हत्याकांडमें क्रिश्चियन चर्चोंकी और 'क्रिश्चियन क्रोस'की क्या भूमिका थी! एडोल्फ हिट्लर तो एक क्रिश्चियन था और उनको क्रिश्चियन धर्म और धर्मगुरुओंका साथ और सहकारके साथ ही उसने 'हेकेनकृझ' की तरह 'क्रिश्चियन क्रोस" भी पक्षके चिन्हके रुपमें और नाझि शौर्य चंद्रकों पर उपयोग किया था। हिट्लर कोई आर्यधर्मका अनुयायी नहि था । हिट्लरने अपने पक्षके प्रतिक को कभी स्वस्तिक नामांकरण नहि किया था तो स्वस्तिक नाम और प्रतिक पर ही दोषार्पण क्युं? 'क्रिश्चियन क्रोस" पर दोषार्पण क्युं नहि? ये बात हर आर्य, वेदीक या हिंदु धर्मके अनुयायीओंकि मझनी होगी । विश्वयुद्धके सात दशकके पर्यंत आज भी ब्रिटन, अमेरिका और युरोपके क्रिश्चियन देशों स्वस्तिक या स्वस्तिक प्रतिकका सार्वजनिक प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लादनेके लीए अथाग प्रयत्नशील रहते हैं। ऐसी परिस्थितिमें हर आर्य, हिंदु या वेदीक धर्मके अनुयायीओंको और प्राचिन स्वस्तिक प्रतिकको चाहने, पूजने और सन्मान्देनेवाले हर विश्वजनको एक जुट होकर ऐसे प्रतिबंध प्रस्तावका विरोध करके विश्वके सन्माननिय, आदरणीय और पूजनिय प्राचिन स्वस्तिक प्रतिककी प्रतिष्ठा, गौरव और सन्मान को पुनः प्रस्थापित करनेके और स्वस्तिक प्रतिककी रक्षा करनेके शुभ एवं मंगल कार्यमे अपना योगदान अर्पण करना पडेगा।

क्रिश्चियन धर्म और पश्चिमके क्रिश्चियन देशोंका
स्वस्तिक प्रतिकके प्रति शडयंत्रका सत्य

नाझि पोस्टर - १९३२

मधर्स क्रोस - १९३८

क्रिश्चियन मुवमेन्ट बेज- १९३८

एन.एस.एफ. वोमेन्स बेज

हेकेनकृझ और क्रिश्चियन क्रोस साथ साथमें

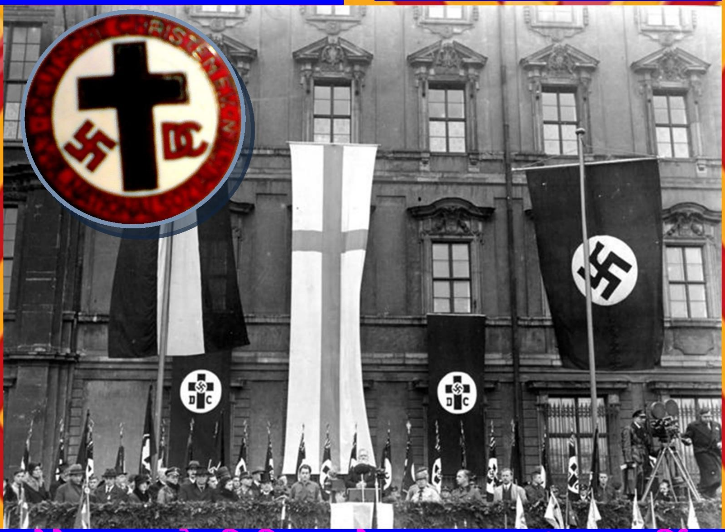

हेकेनकृझ और क्रिश्चियन क्रोस ध्वज एक मंच पर, बर्लिन

क्रिश्चियन कार्डिनल और हिट्लर की सभा, बर्लिन १९३५

नन और हिट्लरके साथ

नुतन वर्ष पर हिट्लरके साथ आर्चबिशोप पापल नन्सियो १९३५

ड्युत्स्चे क्रिश्चियन बेज

श्री हेमंत ग. पाध्या

विश्वकी संस्थाओं द्वारा स्वस्तिक चिन्ह उपयोग

SWASTIKA LOGO USED BY THE WORLD ORGANIZATIONS

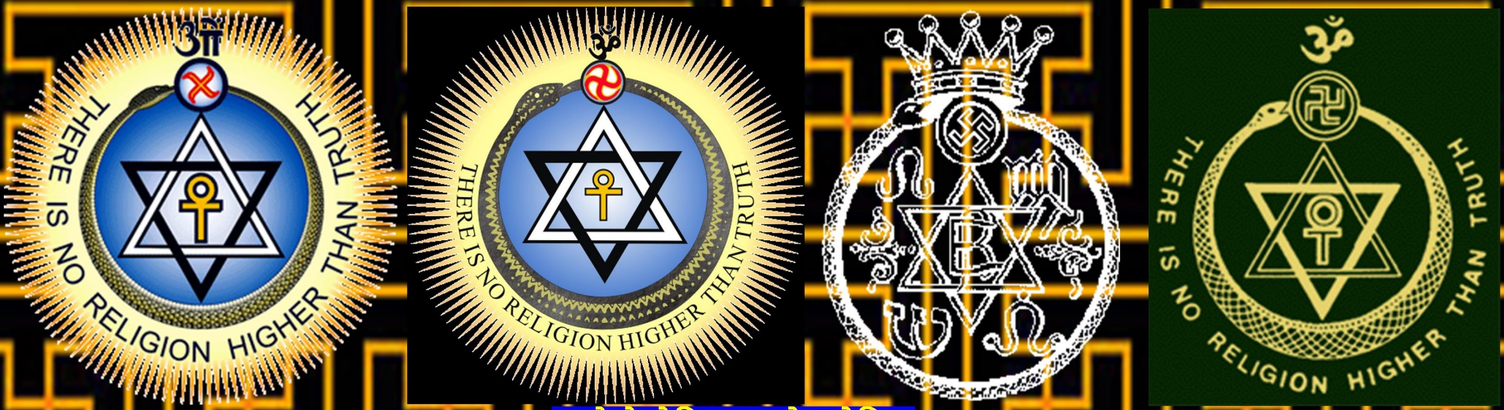

थोयोसोफिकल सोसायेटि

फलुन डाफा (चानकी सस्था)

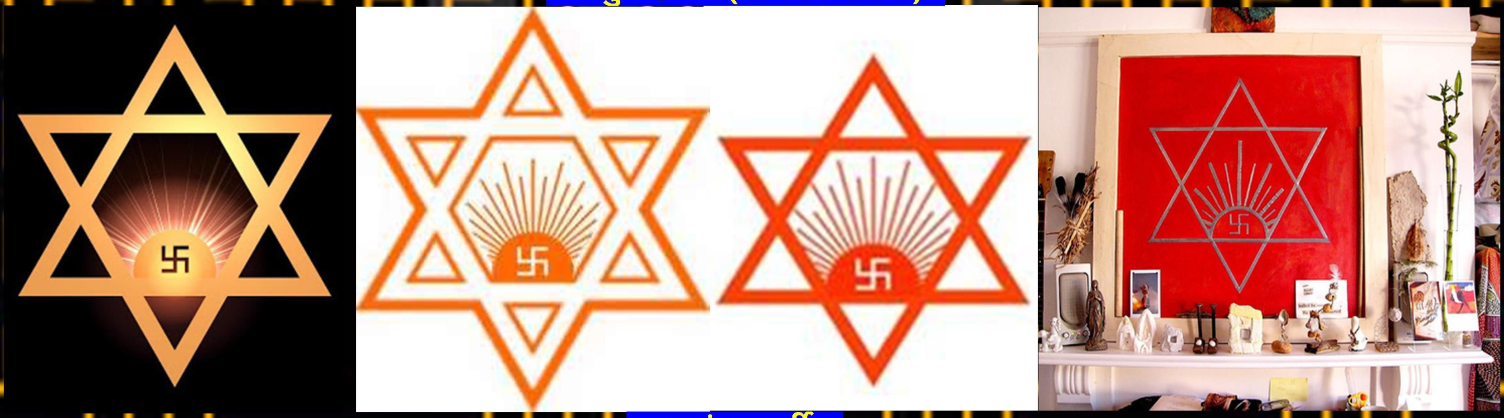

आनंद मार्गी

मैत्रेय ओर्गनिझेशन

रेलियन ओर्गनिझेशन

श्री हेमंत व. पाध्या

विश्वकी संस्थाओं द्वारा स्वस्तिक चिन्ह उपयोग

श्री हेमंत ग. पाध्या

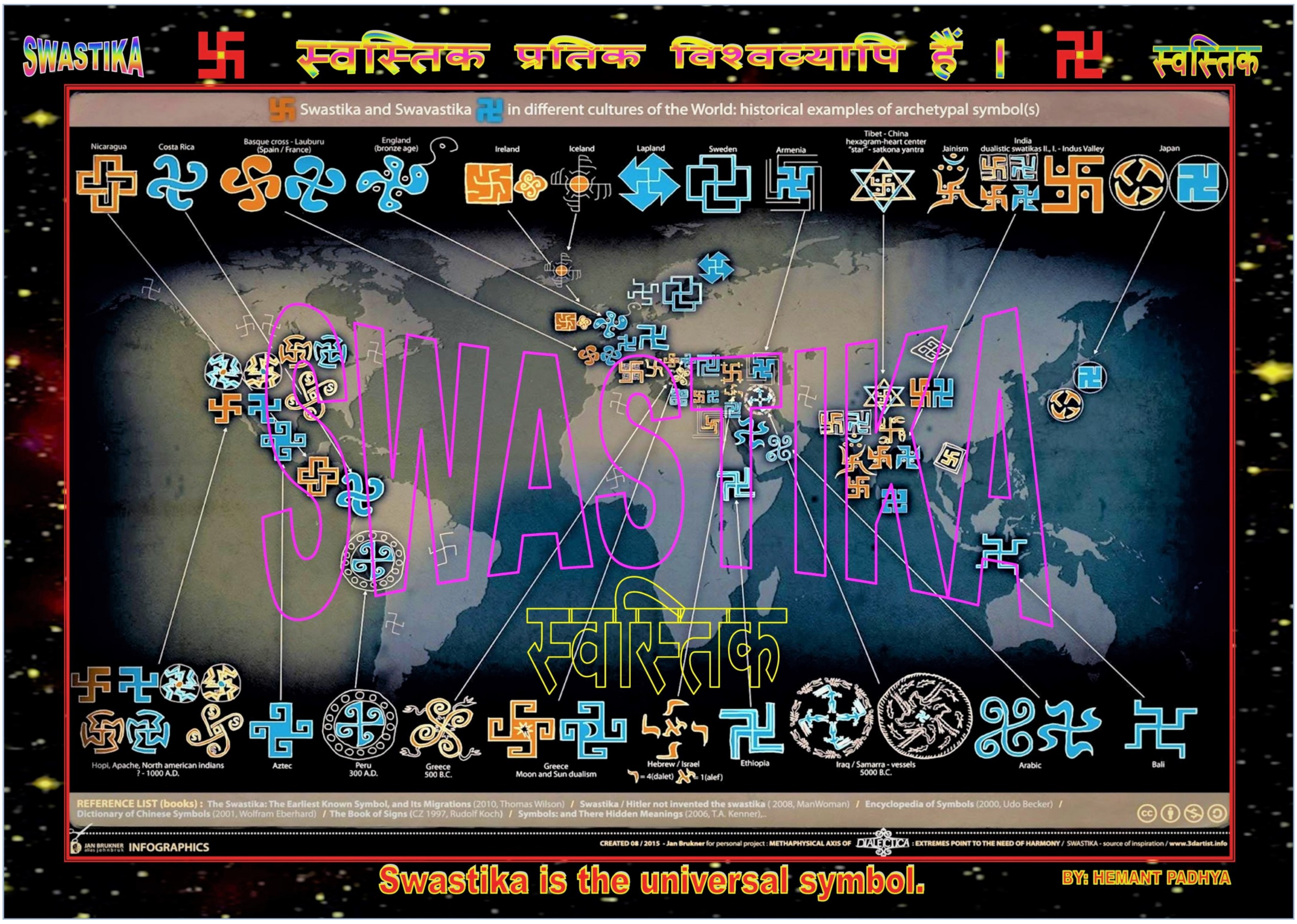
SWASTIKA
स्वस्तिक प्रतिक विश्वव्यापि हैं ।
स्वस्तिक
Swastika and Swavastika in different cultures of the World: historical examples of archetypal symbol(s)
Nicaragua
Costa Rica
Basque cross - Lauburu (Spain / France)
England (bronze age)
Ireland
Iceland
Lapland
Sweden
Armenia
Tibet - China hexagram-heart center "star" - satkona yantra
Jainism
India dualistic swatikas II., I. - Indus Valley
Japan
SWASTIKA
स्वस्तिक
Hopi, Apache, North american indians ? - 1000 A.D.
Aztec
Peru 300 A.D.
Greece 500 B.C.
Greece Moon and Sun dualism
Hebrew / Israel
= 4(dalet) = 1(alef)
Ethiopia
Iraq / Samarra - vessels 5000 B.C.
Arabic
Bali
REFERENCE LIST (books): The Swastika: The Earliest Known Symbol, and Its Migrations (2010, Thomas Wilson) / Swastika / Hitler not invented the swastika (2008, ManWoman) / Encyclopedia of Symbols (2000, Udo Becker) / Dictionary of Chinese Symbols (2001, Wolfram Eberhard) / The Book of Signs (CZ 1997, Rudolf Koch) / Symbols: and There Hidden Meanings (2006, T.A. Kenner),..
JAN BRUKNER INFOGRAPHICS
CREATED 08 / 2015 - Jan Brukner for personal project : METHAPHYSICAL AXIS OF DIALECTICA : EXTREMES POINT TO THE NEED OF HARMONY / SWASTIKA - source of inspiration / www.3dartist.info
Swastika is the universal symbol.
BY: HEMANT PADHYA

|| ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ||
स्वस्तिक
SWASTIKA
स्वस्तिक

।। ॐ श्री गणेशाय नमः ।।
સ્વસ્તિક
स्वस्तिक
।। ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ।।
SWASTIKA
THE
SYMBOL OF LORD GANESH

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
॥ श्री स्वस्तिकाय नमः ॥

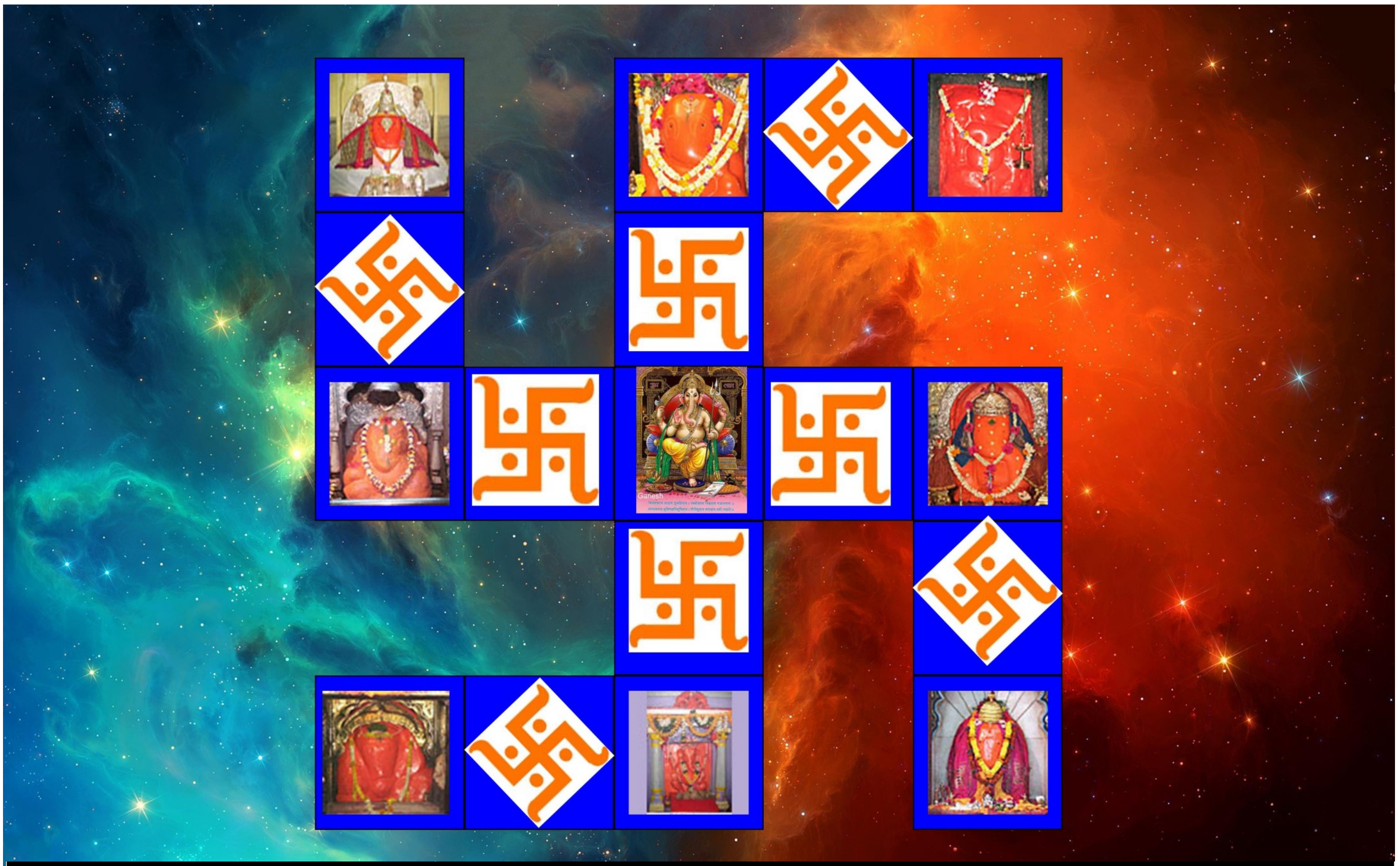

श्रीं
ॐ
स्वं

|| ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ||
ॐ
श्रीं
ह्रीं
स्वं
|| ॐ श्री गणेशाय नमः ||

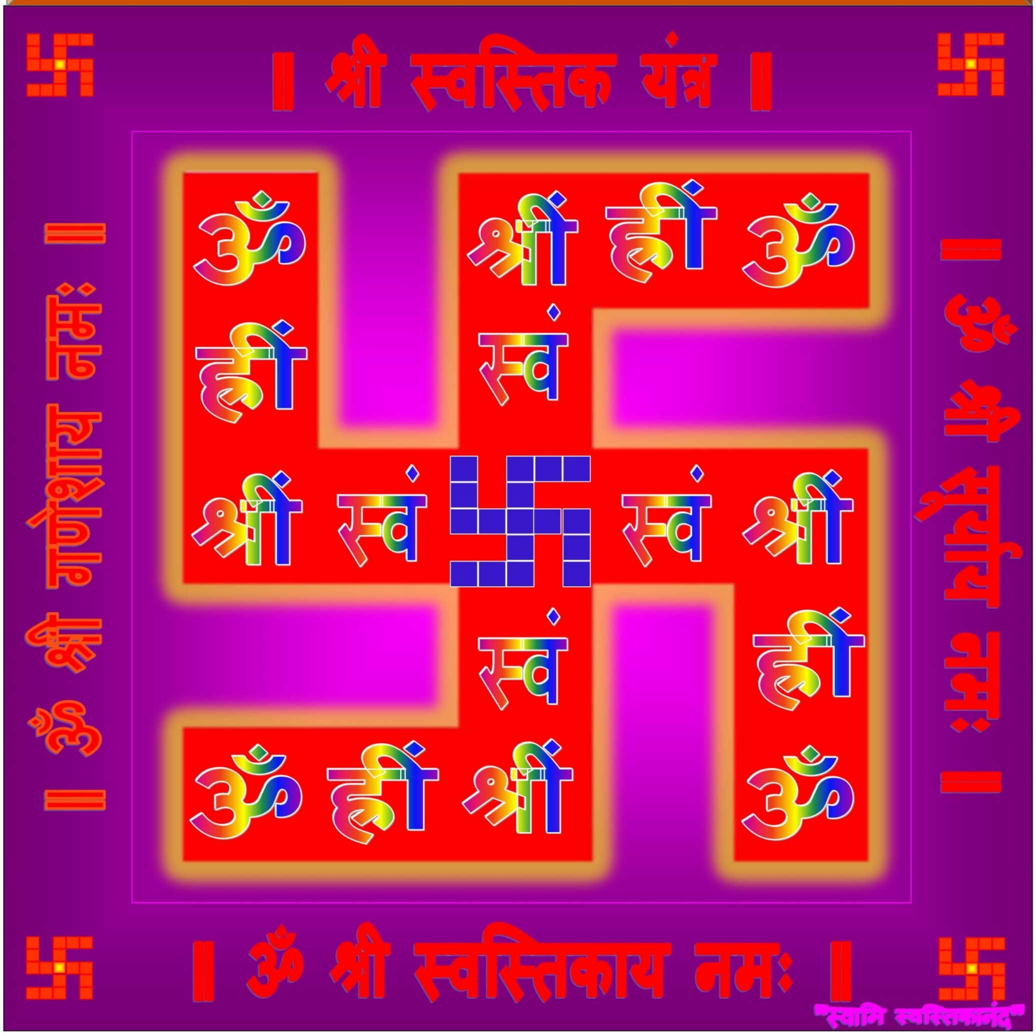
। श्री स्वस्तिक यंत्र ।
। ॐ श्री गणेशाय नमः ।
। ॐ श्री सूर्याय नमः ।
ॐ श्रीं ह्रीं ॐ
ह्रीं स्वं
श्रीं स्वं स्वं श्रीं
स्वं ह्रीं
ॐ ह्रीं श्रीं ॐ
। ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ।
"स्वामि स्वस्तिकानंद"

॥ॐ श्री रुद्राय नमः॥
"स्वामि स्वस्तिकानंद"

SWASTIKA
स्वस्तिक प्रतिक विश्वव्यापि हैं ।
स्वस्तिक
Swastika and Swavastika in different cultures of the World: historical examples of archetypal symbol(s)
Nicaragua
Costa Rica
Basque cross - Lauburu (Spain / France)
England (bronze age)
Ireland
Iceland
Lapland
Sweden
Armenia
Tibet - China hexagram-heart center "star" - satkona yantra
Jainism
India dualistic swatikas II., I. - Indus Valley
Japan
SWASTIKA
स्वस्तिक
Hopi, Apache, North american indians ? - 1000 A.D.
Aztec
Peru 300 A.D.
Greece 500 B.C.
Greece Moon and Sun dualism
Hebrew / Israel
= 4(dalet) = 1(alef)
Ethiopia
Iraq / Samarra - vessels 5000 B.C.
Arabic
Bali
REFERENCE LIST (books) : The Swastika: The Earliest Known Symbol, and Its Migrations (2010, Thomas Wilson) / Swastika / Hitler not invented the swastika (2008, ManWoman) / Encyclopedia of Symbols (2000, Udo Becker) / Dictionary of Chinese Symbols (2001, Wolfram Eberhard) / The Book of Signs (CZ 1997, Rudolf Koch) / Symbols: and There Hidden Meanings (2006, T.A. Kenner),..
JAN BRUKNER INFOGRAPHICS
CREATED 08 / 2015 - Jan Brukner for personal project : METHAPHYSICAL AXIS OF DIALECTICA : EXTREMES POINT TO THE NEED OF HARMONY / SWASTIKA - source of inspiration / www.3dartist.info
Swastika is the universal symbol.
BY: HEMANT PADHYA

LOVE
SWASTIKA
THE SACRED SYMBOL OF
THE WORLD

I LOVE
SWASTIKA
THE SYMBOL OF
GOOD LUCK & WELLBEING
BY : HEMANT G. PADHYA

I LOVE
SWASTIKA
THE SYMBOL OF
GOOD LUCK & WELLBEING

आंतरराष्ट्रीय मानव सेवाश्रम ट्रस्ट और
स्वस्तिक परिवार आयोजित

स्वस्तिक महायज्ञ

ॐ

॥ सुस्वागतम् ॥

सिंहस्थ
उज्जयिनी

Simhasth
Vikram Samvat 2073
22nd April to 21st May 2016

सिंहस्थ
विक्रम संवत २०७३
२२ अप्रैल - २१ मई २०१६

उज्जैन
सिंहस्थ कुम्भ महापर्व

महायज्ञ स्थल : स्वस्तिक नगर, दत्त अखाडा, राम बागके पास,
बडनगर रोड, उज्जैन, मध्यप्रदेश, भारत

MAANAV SEVASHRAM TRUST INTERNATIONAL &
SWASTIK PARIVAR PRESENTS

SWASTIKA MAHAYAGYA

WELCOME

सिंहस्थ
उज्जयिनी

Simhasth
Vikram Samvat 2073
22nd April to 21st May 2016

सिंहस्थ
विक्रम संवत २०७३
२२ अप्रैल - २१ मई २०१६

UJJAIN
SIMHASTHA KUMBH MAHAPARVA

VENUE : SWASTIK NAGAR, DATT AKHADA, NEAR RAM BAG, BADNAGAR ROAD, UJJAIN, M. P., INDIA [BHARAT]

विश्वके सर्वप्रथम
विराट स्वस्तिक महायज्ञके
शुभारंभके मंगल और पावन पर्वपर
शुभेच्छा एवं शुभकामना ।
लि. हेमंतकुमार गजानन पाध्या
युनाईटेड किंग्डम

HINDU SWATANTRYAVIR
SMRUTI SANSTHANAM
1 CAVENHAM, TWO MILE AS, MILTON KEYNES, MK8 8JP UNITED KINGDOM
TELE: 00441908561831 WESITE: www.e-voice.org.uk/hinduswatantryavir

फल्गुन, शुक्लपक्ष, पंचमी,वि.सं. २०७२
१३वीं मार्च,२०१६

शुभेच्छा संदेश

माननिय महोदय पूज्य स्वामि श्री अवधेशदासजी,

श्री महाकालकी महानगरी उजैनमें आगंतुक सिंहस्थ कुंभ महापर्वके महोत्सवकी यशस्वी सफलता एवं निर्विघ्न परिपुर्णताके लीए आप सभी संयोजकों और व्यवस्थापकोंको हमारी हार्दिक शुभकामना और शुभेच्छा।

विशेषमें आपके सानिध्यमें ईस महाकुंभ पर्व पर विश्वमें सर्वप्रथम बार आर्य धर्मके महान प्रतिक 'स्वस्तिक' पर प्रदर्शन आयोजीत किया जा रहा हैं और आपके भगिरथ प्रयत्नोंसे विश्वशांतिके लीए स्वस्तिक महायज्ञका आयोजन भी किया जा रहा हैं जो भारत और आर्य या वेदीक धर्मके ईतिहासमें अत्यंत महत्वपूर्ण, अलौकीक और प्रशंशनिय घटना हैं । शुभ, लाभ,सुख, शांति, सौभाग्य और कल्याणके प्रतिक स्वस्तिकको विश्वमें पुनः सन्माननिय और दिव्य स्थान प्रस्थापित करानेके अपके ईस महान कार्यकी यशस्वी सफलताके लीए स्वस्तिवंदना सह शुभेच्छा एवं शुभकामना ।

हम अपेक्षा करते हैं कि आपका ये अमूल्य और अद्वितीय आयोजन भारत और विश्वके ईतिहासमें सुवर्णाक्षरों से अंकित हो।

आपका भवदीय
हेमंतकुमार गजानन पाध्या
मिल्टन किन्स, ईंग्लंड
ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः

स्वस्तिक प्रतिकके विषय पर हमारे अन्य प्रकाशित पुस्तकें

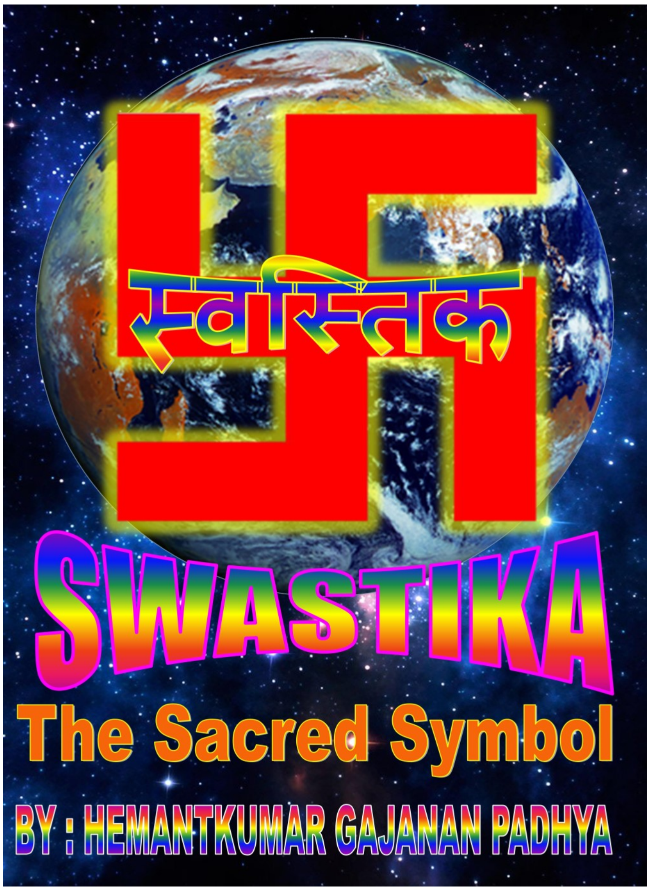

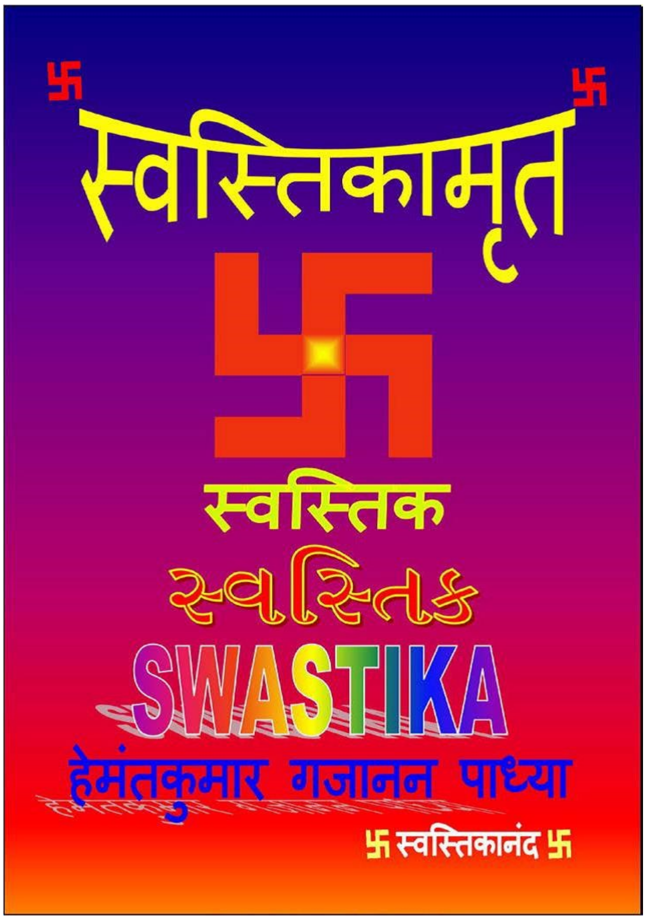

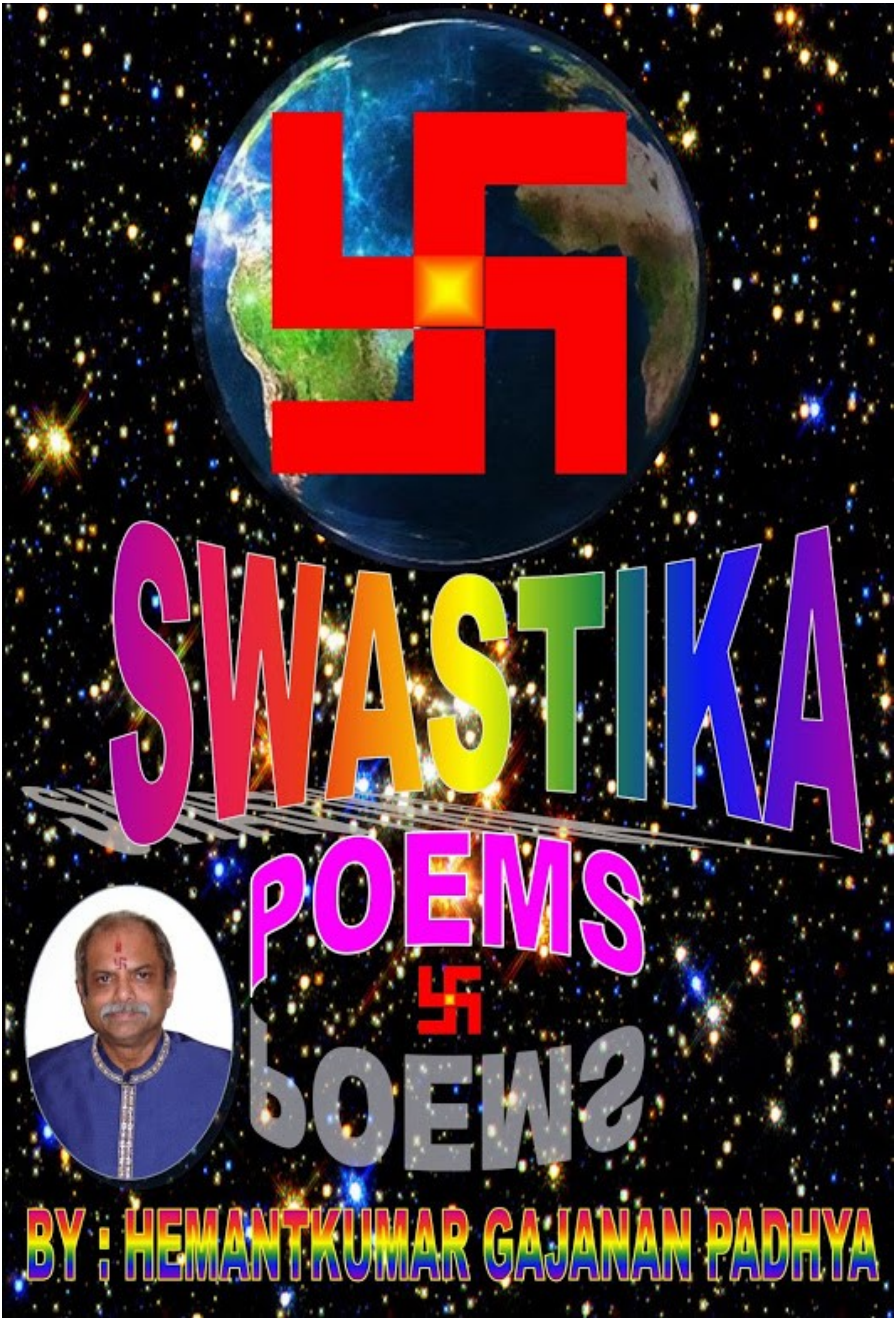
SWASTIKA
POEMS
BY : HEMANTKUMAR GAJANAN PADHYA

स्वस्तिक प्रतिकके भक्तिगीत

[1] सत्यम् शिवम् स्वस्तिकम्........

https://www.youtube.com/watch?v=fXH17U05Axs

[२] जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक जय गणेश देवा....

https://www.youtube.com/watch?v=9374FGcdKOs

[३] प्रथम वंदना हम........

https://www.youtube.com/watch?v=hnijULq2qnc

उज्जैन सिंहस्थ महाकुंभमें हमारी स्वस्तिक प्रदर्शनी – वि.सं. २०७३ २२/४/२०१६ से २१/५/२०१६

https://www.youtube.com/watch?v=EnX8odRr1CQ

विश्वका सर्वमहान और सर्वब्यापि प्रतिक

स्वस्तिक

ऊषा प्रकाशन

अमृतं तु विद्या
तमसो मा ज्योतिर्गमय
USHA PRAKASHAN

SacredSwastika@aol.com

USHA PRAKASHAN